सुविचार
अज्ञान सर्वत्र आदमी को पछाड़ता है और आदमी है कि सर्वत्र उससे लोहा लेने के लिए कमर कसे रहता है।
हजारी प्रसाद द्विवेदी

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

नवजोत गुलाटी फिल्म की हिस्सा बनी वाणी... 12

Ranchi ● Tuesday, 13 February 2024 ● Year : 02 ● Issue : 27 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

संसेक्स	:	71,072.49
निफ्टी	:	21,616.05

SARAFA

सोना	:	5,930
चांदी	:	77.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

राज्यों में डिप्टी सीएम की नियुक्ति असंवैधानिक नहीं

NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि राज्यों में डिप्टी सीएम की नियुक्ति संविधान के खिलाफ नहीं है। यह सिर्फ एक ओहदा है, जो वरिष्ठ नेताओं को दिया जाता है। इस पद पर नियुक्त व्यक्ति को कोई अतिरिक्त फायदा भी नहीं मिलता। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच सोमवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। बेंच ने कहा– सरकार में पार्टियों के गठबंधन या अन्य वरिष्ठ नेताओं को अधिक महत्व देने के लिए यह प्रक्रिया अपनाई जाती है। बेंच ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि डिप्टी सीएम की नियुक्ति को किसी भी तरह से असंवैधानिक नहीं कहा जा सकता। डिप्टी सीएम राज्य सरकार में पहला और सबसे अहम मंत्री होता है। सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका पब्लिक पॉलिटिकल पार्टी ने लगाई थी।

पीएम मोदी ने एक लाख अपॉइंटमेंट लेटर बांटे

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रोजगार मेले के तहत 1 लाख से ज्यादा लोगों को अपॉइंटमेंट लेटर बांटे। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार का यह 12वां और आखिरी रोजगार मेला है। पीएम ने दिल्ली में कर्मयोगी भवन की भी आधारशिला रखी। यह परिसर मिशन कर्मयोगी के बीच सहयोग और तालमेल को बढ़ावा देगा। कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए पीएम मोदी बोले– आज हर युवा जानता है कि अगर वह कड़ी मेहनत करे तो वह अपने लिए जगह बना सकता है। 2014 से हम युवाओं को विकास में भागीदार बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हमने पिछली सरकार की तुलना में 1.5 प्रतिशत अधिक नौकरियां दी हैं।

महाराष्ट्र के पूर्व सीएम अशोक ने कांग्रेस छोड़ी

MUMBAI : महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने सोमवार को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने विधायक पद भी छोड़ दिया है। अशोक चव्हाण ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को इस्तीफा सौंपा। इससे पहले मिलिंद देवड़ा ने 14 जनवरी तो बाबा सिद्दीकी ने 8 फरवरी को कांग्रेस छोड़ दी थी। अशोक चव्हाण के इस्तीफे के बाद महाराष्ट्र के एक अन्य कांग्रेस नेता अमरनाथ राजुकर ने भी इस्तीफा दे दिया। सूत्रों के मुताबिक अशोक चव्हाण 13 बड़े नेताओं के साथ भाजपा जॉइन कर सकते हैं। इसके साथ ही महाराष्ट्र में सियासी हलचल तेज हो गई है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस, भाजपा नेता आशीष शेलार भाजपा दफ्तर पहुंचे। इस बीच महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले दिल्ली रवाना हो गए।

अभी और तीन दिन हेमंत से होंगे सवाल

पूर्व सीएम के वकील ने किया विरोध

CRIME REPORTER RANCHI : जमीन घोटाला मामले में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पीएमएलए के विशेष जज राजीव रंजन ने 3 दिन की ईडी रिमांड में भेज दिया है। प्रवर्तन निदेशालय के वकील ने कोर्ट से हेमंत सोरेन की 4 दिन की रिमांड की मांग की थी। हेमंत सोरेन के वकील ने उनको और ईडी रिमांड देने का कोर्ट में विरोध किया। कहा कि हेमंत सोरेन से जितनी पूछताछ होनी थी, 10 दिन में हो चुकी है। उनसे और पूछताछ की जरूरत नहीं है। लेकिन, विशेष जज ने झारखंड के पूर्व सीएम को तीन दिन की ईडी रिमांड में भेजने का आदेश सुना दिया। जमीन घोटाला मामले में हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद ईडी की विशेष अदालत ने दो बार ईडी को उनकी रिमांड सौंपी थी। दोनों बार हेमंत सोरेन से पूछताछ के लिए ईडी को 5-5 दिन का समय दिया गया था। हेमंत सोरेन को 31 जनवरी की रात को सात से आठ घंटे की पूछताछ के बाद ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। आखिरी बार उन्हें 7 फरवरी को कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने उन्हें 5 दिन की हिरासत में भेज दिया था।

सुप्रीम कोर्ट का हेमंत की याचिका पर सुनवाई से इंकार : हेमंत सोरेन ने गिरफ्तारी को हाईकोर्ट में चुनौती दी। बाद में वह सुप्रीम कोर्ट चले गए और हाईकोर्ट में अपील दायर की कि वह अपना केस वापस लेना चाहते है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने हेमंत सोरेन की याचिका पर सुनवाई करने से इंकार कर दिया और उन्हें हाईकोर्ट जाने के लिए कहा। चूंकि हेमंत सोरेन के वकील ने ईडी को इस याचिका की जानकारी नहीं दी थी, हाईकोर्ट ने कहा कि प्रतिवादी पक्ष को जानकारी दिए बगैर याचिका पर सुनवाई नहीं हो सकती।

- पांच दिनों की रिमांड खत्म होने के बाद ईडी ने हेमंत सोरेन को कोर्ट में किया पेश
- ईडी ने मांगी थी चार दिनों की रिमांड, 10 दिनों तक पूछताछ कर चुकी है एजेंसी

पेशी के लिए कोर्ट जाते पूर्व सीएम हेमंत सोरेन।

सुप्रीयो बाले- रिमांड पर विपक्ष कर रहा साजिश

तीसरी बार रिमांड, इतिहास में आज तक ऐसा नहीं हुआ

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को तीसरी बार रिमांड पर लिए जाने को विपक्ष की साजिश बताया। उन्होंने कहा कि तीसरी बार रिमांड पर लेना आज तक ऐसा इतिहास में नहीं हुआ था। ईडी के जरिये लगातार तहखाना में रखकर जो पूछताछ हो रही है

यह पूरी तरह विपक्षी साजिश है। भट्टाचार्य सोमवार को हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे।

हेमंत-विनोद का 201 पन्ने का चैट आया सामने

RANCHI : पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ईडी की टीम फिर से तीन दिनों तक जमीन घोटाला मामले में पूछताछ करेगी। ढटछ्अ कोर्ट ने ईडी को हेमंत सोरेन के तीन दिनों के रिमांड की स्वीकृति दी है। सोमवार को कोर्ट में हेमंत की पेशी के दौरान ईडी ने अदालत के समक्ष दावा किया है कि हेमंत और विनोद सिंह के बीच 201 पन्नों का नया चैट निकाला गया है। ईडी का दावा यह भी है कि इस चैट में बरियातु की 8.5 एकड़ हेमंत सोरेन के कब्जे वाली जमीन पर होने वाले निर्माण से संबंधित कई मामले हैं। जो पीएमएलए 2022 के अंतर्गत आते हैं। ईडी द्वारा पहले के रिमांड में यह भी कहा गया है कि व्हाट्सएप चैट में न केवल कई संपत्तियों के बारे में गोपनीय जानकारी का आदान-प्रदान शामिल है, बल्कि ट्रांसफर-पोस्टिंग, सरकारी रिकॉर्ड साझा करने आदि से संबंधित अन्य आपत्तिजनक जानकारी भी शामिल है, जिसमें से बड़ी रकम भी शामिल है।

बिहार : आरजेडी विधायकों का भी समर्थन, विपक्ष का वॉक आउट

नीतीश सरकार फ्लोर टेस्ट में पास समर्थन में 129 वोट, विपक्ष को 0

AGENCY PATNA : नीतीश सरकार ने सोमवार को बिहार विधान सभा में विश्वासमत प्राप्त कर लिया। बिहार में नई सरकार के गठन के 15 दिनों बाद सोमवार को नीतीश सरकार ने सदन में यह विश्वासमत प्राप्त कर लिया। बिहार विधानसभा में पहले विश्वासमत प्रस्ताव को लेकर चर्चा हुई, फिर ध्वनि मत से विश्वास मत पारित हुआ इसके बाद वोटिंग हुई। वोटिंग के दौरान विपक्ष के लोगों ने वॉक आउट कर दिया। नीतीश सरकार के पक्ष में 129 वोट मिले वहीं विपक्ष में 0 वोट मिले। सत्ता परिवर्तन के साथ ही बिहार में पिछले 15 दिनों से जारी सियासी खेल खत्म हो गया।फ्लोर टेस्ट से पहले सदन में होने वाले विपक्ष यानी महागठबंधन का दावा था कि सरकार अल्पमत में है। लेकिन, फ्लोर टेस्ट में विपक्ष का ये दावा गलत साबित हुआ। फ्लोर टेस्ट में नीतीश सरकार को 129 वोट मिले, जबकि विपक्ष का वॉक आउट के कारण उसे जीरो वोट मिले। सदन में बहुमत साबित करने के लिए 122 विधायकों की ही नीतीश सरकार को जरुरत थी।

विश्वासमत जीतने के बाद बिहार के सीएम नीतीश कुमार व जश्न में डूबे विधायक।

जेडीयू के दो विधायकों के अपहरण का केस दर्ज, तोड़ने के लिए ₹10 करोड़ का ऑफर

AGENCY PATNA : पटना के कोतवाली थाना में जदयू के दो विधायक बीमा भारती व दिलीप राय के अपहरण का केस दर्ज हुआ है। यह शिकायत हरलाखी विधानसभा से जदयू के विधायक सुंधाशु शेखर ने दर्ज कराई है। उन्होंने इस मामले में जदयू विधायक डॉ संजीव कुमार व राजद पार्टी से जुड़े किदवईपुरी निवासी इंजीनियर सुनील पर अगवा करने की आशंका जतायी है। कोतवाली पुलिस ने दोनों को आरोपित बनाते हुए केस दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है। विधायक सुंधाशु शेखर ने अपनी लिखित शिकायत में पुलिस को बताया है कि नौ फरवरी की रात 8.32 बजे हाजीपुर के रंजीत कुमार के मोबाइल नंबर से व्हाट्सएप कॉल आया। उन्होंने मुझसे कहा कि इंजीनियर सुनील आये हैं और आपसे बात करना चाहते हैं। जब मैंने उनसे बात किया तो उन्होंने कहा कि आप महागठबंधन में आ जाइए, अभी पांच करोड़ दे देते हैं और काम होने के बाद पांच करोड़ मिल जायेंगे। अगर पैसा नहीं लेना है तो मंत्री पद ले लीजिए। इसके बाद सोचकर बताने की बात कह कर टाल दिया। इसके बाद उन्होंने कहा कि अगर आप कहें तो

कोयला व्यवसाई के ठिकानों पर आईटी सर्वे

DHANBAD : धनबाद में एक बार फिर आईटी की कार्रवाई हुई है। आईटी की टीम कोयला कारोबारी और पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के करीबी अमितेश सहाय के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। बताया जा रहा है कि ये छापेमारी मनी लॉन्ड्रिंग और कोयले के अवैध कारोबार से जुड़े मामले में की जा रही है। इस छापेमारी से धनबाद में कोयला कारोबारियों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। अमितेश सहाय के गोविंदपुर भीतिया स्थित जय टीएमटी बिरला सीमेंट के कार्यालय में आईटी की छापेमारी चल रह है। बता दें कि अमितेश सहाय पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के करीबी माने जाते हैं। वहीं धनबाद के कारोबारी श्याम शर्मा के ठिकानों पर आयकर सर्वे चल रहा है।

रांची में अपराधी बेलगाम, दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा मनोबल

हाईकोर्ट के अधिवक्ता को अपराधियों ने दौड़ाकर मारी गोली, पल्स में भर्ती

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड में अपराधियों के मनोबल बढ़ता जा रहा है। राजधानी रांची में इस बार बेखौफ अपराधियों ने हाईकोर्ट के अधिवक्ता रविशंकर मिश्रा पर फायरिंग कर दी। अपराधियों का साहस इतना बढ़ा हुआ है कि उन्होंने अधिवक्ता को दौड़ाकर गोली मारी। घटना सुखदेव नगर थाना क्षेत्र की है, जहां रविवार की देर रात राजाहाता मुहल्ला में अधिवक्ता को गोली मारी गई। घटना में उन्हें एक गोली लगी है, जिसके बाद उन्हें पल्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अधिवक्ता रविशंकर मिश्रा रातू रोड मेट्रो गली के रहने वाले हैं।

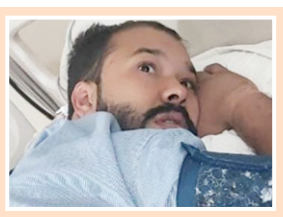

- क्लाइंट से मिलने गए थे अधिवक्ता, गोली की आवाज सुनकर बाहर निकले लोग
- घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौक से फरार

23 फरवरी से 2 मार्च तक विधानसभा का बजट सत्र

27 को चंपाई सरकार पेश करेगी बजट

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू होगा जो दो मार्च तक चलेगा। बजट सत्र आहूत करने के प्रस्ताव को झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन की ओर से मंजूरी मिल गई है। चंपाई सोरेन की सरकार 27 फरवरी को 2024-25 का बजट पेश करेगी। पंचम विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल द्वारा प्रख्यापित अध्यादेशों की प्रमाणीकृत प्रतियों को सदन के पटल पर रखा जायेगा। वित्तीय वर्ष 2023-24 के तृतीय अनुपूरक व्यय विवरणी का भी उपस्थापन होगा। 24-25 फरवरी को कोई बैठक नहीं होगी। 26 फरवरी को प्रश्नकाल, वित्तीय वर्ष 2023-24 के तृतीय अनुपूरक पर चर्चा होगी।

राहुल बोले- अग्निवीर योजना युवाओं से छल

KORBA : कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा कोरबा के सीतामणि चौक से शुरू हो होकर ट्रांसपोर्ट नगर पहुंची। यहां राहुल ने गांधी ने चौक पर जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल ने ओबीसी, जीएसटी, अग्निवीर योजना का जिक्र कर मोदी पर हमला बोला। राहुल ने ये भी कहा कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में 74 फीसदी आबादी वाले ओबीसी, दलित, आदिवासियों को नहीं बुलाया गया। वहां बड़े-बड़े पूंजीपति और फिल्म स्टार गए। पाली-तानाखार में लंच के बाद 7 किलोमीटर बस यात्रा करते हुए राहुल की गुर्सीय, चोटिया और मोरगा गांव में 3 छोटी-छोटी सभाएं होंगी। 71 किलोमीटर बस यात्रा के बाद सूरजपुर के शिव नगर ग्राम पंचायत में यात्रा का रात्रि विश्राम होगा।

चंपाई सोरेन कैबिनेट की बैठक में 25 प्रस्तावों को मिली स्वीकृति

बेटी, जवान व किसान पर सरकार मेहरबान यूनिवर्सिटी में नियुक्त होंगे असिस्टेंट प्रोफेसर

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन की अध्यक्षता में सोमवार को दूसरी बार झारखंड कैबिनेट की बैठक प्रोजेक्ट भवन में हुई। बैठक में कुल 25 प्रस्तावों पर मुहर लगी। झारखंड के विश्वविद्यालय और कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति के लिए झारखंड एलिजिबिलिटी टेस्ट (जेट) लेने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए झारखंड एलिजिबिलिटी टेस्ट रूल के गठन को स्वीकृति दी गई है। इसी टेस्ट के स्कोर के जरिए विश्वविद्यालयों के पीएच-डी कोर्स में भी एडमिशन लिया जाएगा।

इसके अतिरिक्त उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के एक अन्य प्रस्ताव पर स्वीकृति दी गई है। इस विभाग के अधीन आने वाले तकनीकी शिक्षा निदेशालय के द्वारा राज्य के इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेज में शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति होगी। इसके लिए झारखंड तकनीकी सेवा नियमावली 2023 को स्वीकृति प्रदान की गई है। बैठक के बाद कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने यह जानकारी दी।

किसानों को कृषि ऋणों पर अब चार फीसदी की छूट : कैबिनेट की बैठक में कृषि विभाग के एक प्रस्ताव पर स्वीकृति दी गई। यह स्वीकृति कृषि ऋणों पर ब्याज अनुदान देने की योजना के तहत दी गई है। इस प्रस्ताव के मुताबिक अब किसानों को कृषि ऋण के ब्याज पर तीन की जगह चार फीसदी की छूट दी जाएगी। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए कुल 25 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। इसका लाभ लेने के लिए सरकार ने शर्त भी रखी है। वैसे किसान जो कृषि लेकर उसे एक वर्ष के भीतर लौटाएंगे, उन्हें ही इस योजना का लाभ मिल सकेगा। विभाग पहले से तीन फीसदी की छूट दे रहा है। अब अतिरिक्त एक फीसदी देगी लेकिन इसके लिए किसानों को निर्धारित शर्त पूरा करना होगा।

कैबिनेट की बैठक के बाद मीडिया से मुखातिब हुए सीएम चंपाई सोरेन।

सड़क निर्माण की चार योजनाओं को स्वीकृति

बैठक में चार विभिन्न निर्माण योजनाओं को स्वीकृति दी गई है। इसके तहत गढ़वा जिले में नगरउंटारी गरबांध– रोहनीया सड़क का चौड़ीकरण, मजबूतीकरण एवं पुनर्निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 61,52,41,700 रुपये की स्वीकृति दी गई। इसी तरह जिले के डेंटल मोड़ से नावाडोहरी भाया हुर चारमुहान पथ निर्माण के लिए 97,60,16,200 रुपये दिए गए। एनएच -75 से मंझिआंव पीडब्ल्यूडी पथ भाया विकताम दलेली पथ का 39,33,73,000 रुपये से चौड़ीकरण, मजबूतीकरण एवं पुनर्निर्माण किया जाएगा। छात्राओं की तकनीकी शिक्षा को लेकर अहम निर्णय लिया गया है। राज्य की छात्राएं तकनीकी शिक्षा लेने से वंचित न रहें, इसलिए उन्हें छात्रवृति दी जाएगी। राज्य के छात्राओं को तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के लिए मांकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना लागू करने की स्वीकृति दी गई है। इसके अतिरिक्त कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा के अंतर्गत जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज में संचालित लॉ फैकल्टी को जमशेदपुर को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज के रूप में अंगीभूत करने की स्वीकृति दी गई।

इन एजेंडो पर भी मुहर

- रांची स्मार्ट सिटी क्षेत्र अन्तर्गत निमार्णाधीन झारखंड सरकार के 11 कैबिनेट मंत्री के आवास के लिए कुल राशि 114,47,21,100 रुपये की स्वीकृति दी गई।
- झारखंड माल और सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश, 2023 को अधिनियमित करने के लिए झारखंड माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक को आगामी बजट सत्र में पुनर्स्थापित करने के बिन्दु पर मंत्रिपरिषद की स्वीकृति दी गई।
- राज्यपाल सचिवालय की स्थापना में राज्यपाल के वरीय आप्त सचिव का 01 (एक) पद सृजित करने की स्वीकृति दी गई।
- झारखंड सम्पूर्ण बिजली आच्छादन योजना अन्तर्गत शेष बचे हुए कार्यों को पूर्ण करने के लिए मार्च तक योजना के अवधि विस्तार की स्वीकृति की स्वीकृति दी गई।
- झारखंड राज्य विधि आयोग की कार्यावधि 14 नवम्बपस 2023 से 13 नवम्बर, 2025 तक भूतलक्षी प्रभाव से विस्तारित करने की घटनोत्तर स्वीकृति दी गई।

महिला सखी मंडलों के बीच 825 करोड़ रुपये की सहायता और क्रेडिट सपोर्ट का वितरण

महिलाएं हर क्षेत्र में बढ़ रहीं आगे : चंपाई सोरेन

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा है कि प्रदेश की महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहीं हैं। घर संभालने से लेकर खेत-खलिहान तक में योगदान दे रहीं हैं। घर से लेकर समाज तक में पुरुषों से ज्यादा योगदान दे रहीं हैं। इसलिए हमारी सरकार ने सखी मंडल को सशक्त करने का फैसला किया। मुख्यमंत्री सोमवार को मोरहाबादी मैदान में सखी मंडल की महिलाओं की राज्यस्तरीय एक्सपोजर एवं क्षमता संवर्धन शिविर सह महिला महासम्मेलन कार्यक्रम में 55 हजार महिला सखी मंडलों के बीच 825 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की।

महिलाओं को निराश नहीं होने देगी सरकार

चंपाई सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार कभी भी महिलाओं को निराश नहीं होने देगी। हमारी सरकार ने महिलाओं के उत्थान के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। गरीबों के लिए हेमंत बाबू अबुआ आवास योजना लेकर आए। चंपाई सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार पीएम आवास योजना का बहुत प्रचार करती थी। दावा किया था कि 2022 तक सभी लोगों को पक्का आवास मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि जब झारखंड की बारी आई, तो हमारे साथ केंद्र सरकार ने धोखा किया। झारखंड के सीएम ने कहा कि कई बार हमारी सरकार ने केंद्र के साथ पत्राचार किया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इसलिए हेमंत सरकार ने झारखंड के लोगों के लिए अबुआ आवास योजना की शुरूआत की। योजना के तहत लोगों को 2 नहीं बल्कि 3 कमरे का आवास मिलेगा।

पिछली सरकार ने 5000 स्कूल बंद कर दिए : CM

चंपाई सोरेन ने कहा कि पिछली सरकार की कोई सोच नहीं थी। उन्होंने पांच हजार प्राइमरी स्कूलों को बंद कर दिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार नहीं चाहती थी कि गरीबों के बच्चे पढ़ें। लेकिन, जब झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार बनी, तो आदिवासी और पिछड़ों के बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए योजनाएं बनीं। मॉडल स्कूल बने। गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना आई। सावित्री बाई फूले योजना की शुरूआत हुई। कोरोना संकट में हेमंत बाबू की सरकार ने अन्य राज्यों में फंसे झारखंड के लोगों को अकेला नहीं छोड़ा। ट्रेन से हवाई जहाज से लोगों को सुरक्षित उनके घर तक पहुंचाया। इससे भाजपा वाले परेशान हैं। सीएम ने कहा कि झारखंड में खनिज की कमी नहीं है, लेकिन इसका लाभ यहां के लोगों को नहीं मिल सका।

BRIEF NEWS

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत एक अन्य घायल

KODERMA : कोडरमा थाना क्षेत्र के लोकाई चौक के समीप सोमवार की दोपहर सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गयी। इस घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों की सहायता से सदर अस्पताल कोडरमा लाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच में सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक नावाडीह निवासी मजहर अंसारी (18) को मृत घोषित कर दिया। दूसरे युवक राजा अंसारी (17) की गंभीर स्थिति को देखते हुए रांची रिम्स रेफर कर दिया।

हजारीबाग में एटीएम की चोरी कर ले गए बदमाश

KODERMA : जिले में बेखौफ अपराधियों ने हाइवे के बगल में स्थित एक एटीएम की चोरी कर ली। घटना जिले के पदमा प्रखंड की है, जहां बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम को चोर काटकर ले गए। जानकारी के मुताबिक, एटीएम में 20,92,700 रुपये थे। चोरों ने रविवार की रात करीब सवा 12 बजे घटना को अंजाम दिया। सुबह जब लोगों ने एटीएम का शटर टूटा देखा, तो उन्हें शक हुआ। सामने जाकर देखा तो अंदर से एटीएम ही गायब था।

आंगनबाड़ी केंद्र व एक घर में हुई चोरी

KODERMA : जिले के जयनगर प्रखंड के ग्राम मुसोवा की लक्ष्मी देवी एवं आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 89 में बीती रात बदमाशों ने ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जानकारी प्राप्त होने पर जिला परिषद सदस्य केदारनाथ यादव ने गांव पहुंचकर जायजा लिया। लक्ष्मी देवी ने बताया कि कुछ काम करने के लिए बंधन बैंक से चालीस हजार रुपये लोन लिया था, उसके साथ चांदी का जेवर, कपड़ा, बर्तन वगैरह बगल कमरे में चोर ताला तोड़कर ले गए।

विज्ञान और कला प्रदर्शनी में दिखी बच्चों की प्रतिभा

RANCHI : शहर के अफाक एके-डमी स्कूल में साइंस एंड क्राफ्ट हिंदपीढ़ी में साइंस एंड क्राफ्ट हिंदपीढ़ी में विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, शिल्पकला, आर्ट एंड क्राफ्ट प्रदर्शनी में सोमवार को बच्चों ने बुद्धि व कला कौशल का बेहतर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोमिन कांफ्रेंस के प्रदेश अध्यक्ष आबिद अली अंसारी थे। स्कूल के निदेशक मो महताब अंसारी ने कहा कि ऐसे आयोजन से छात्रों में विज्ञान एवं कला के प्रति रुचि बढ़ती है। इस प्रदर्शनी में बच्चों की छिपी हुई प्रतिभा निकल कर सामने दिखाई पड़ी। क्लास तीन से 9 तक के बच्चो ने इसमें भाग लिया।

17 और 18 फरवरी से दो दिवसीय ईद मेला का आयोजन

RANCHI : फेडरेशन ऑफ मुस्लिम वूमेन झारखंड 17 और 18 फरवरी 2024 को मखीजा टावर मेंन रोड रांची के प्रथम और द्वितीय तल में ईद मेला 2024 का आयोजन कर रही है। यह बातें प्रेस कॉन्फ्रेंस में फेडरेशन ऑफ मुस्लिम झारखंड की निदेशक खुशबू खान ने कही। उन्होंने कहा कि पिछले बार हुनर 2023 के सफल आयोजन के बाद यह मेला का आयोजन किया जा रहा है। खुशबू खान ने कहा घर में जो महिलाएं छोटा-मोटा काम कर रही है उन्हें बड़ा प्लेटफार्म देना है साथ ही उन्हें अपने काम के लिए ग्राहक उपलब्ध कराना इसका मुख्य उद्देश्य है।

साइबर अपराध में शामिल नौ अपराधियों को पुलिस ने दबोचा

25 मोबाइल, 28 सिम, 23 एटीएम सहित कई सामान बरामद

PHOTON NEWS GIRIDIH : गिरिडीह पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक बार फिर से सफलता हासिल की है। इस बार पुलिस ने साइबर अपराध में संलिप्तता के आरोप में 9 ऐसे शातिरों को गिरफ्तार किया है, जो लोगों को नौकरी दिलाने का झांसा देते थे। ये बजाज फाइनेंस कंपनी का कर्मी बनकर, वर्क फॉर होम का झांसा देकर, सेक्सटॉर्शन के जरिए और एस्कॉर्ट सप्लायर बनकर पैसे ठगने का काम करते थे। गिरफ्तार साइबर अपराधियों के पास से पुलिस ने 25 मोबाइल फोन, 28 सिम कार्ड, 23 एटीएम कार्ड, 17 बैंक पासबुक, 4 पैन कार्ड और 13 आधार कार्ड बरामद किए है।

मीडिया को जानकारी देते एसपी दीपक कुमार शर्मा। ● फोटोन न्यूज

ऐसे हुई गिरफ्तारी : मामले की जानकारी गिरिडीह के एसपी दीपक कुमार शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि प्रतिबिंब पोर्टल के माध्यम से लगातार सूचना मिल रही थी कि जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र में साइबर अपराधी अलग-अलग तरीकों से लोगों को चूना लगाने का काम कर रहे हैं। इसी के बाद डुमरी एसडीपीओ सुमित प्रसाद के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया, जिसमें प्रशिक्षु डीएसपी कैलाश महतो, साइबर थाना प्रभारी अजय कुमार, पुलिस निरीक्षक ज्ञान रंजन कुमार, पुअनि गौरव कुमार, सावन कुमार साहा, सअनि संजय मुखियार, गजेंद्र कुमार, सौरभ सुमन, साकेत और जितेंद्र नाथ महतो को शामिल किया गया। इसके बाद पुलिस की टीम ने अलग-अलग थाना क्षेत्र में छापेमारी कर कुल 9 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है।

कहां के रहने वाले हैं गिरफ्तार आरोपी : पुलिस ने जिन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है, उसमें जमुआ थाना क्षेत्र के भूपतडीह का रहने वाला चंदन कुमार, मोती कुमार साह, हीरोडीह थाना क्षेत्र के चुंगलखार का शैलेंद्र कुमार सिंह, देवरी थाना क्षेत्र का अभिषेक कुमार मिश्रा, सरिया थाना क्षेत्र के नगर केशवारी का राजू मंडल, विकास कुमार मंडल, डुमरी थाना क्षेत्र के जामतारा का मोहम्मद सिराज, जमुआ थाना क्षेत्र के परगोडीह का सिकंदर कुमार राय और हजारीबाग जिला के गोरहर थाना क्षेत्र का दीपक कुमार शामिल है।

गिरोह का मास्टरमाइंड है चंदन

गिरिडीह एसपी ने बताया कि साइबर अपराध के इस पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड चंदन कुमार है, जो बजाज फाइनेंस कंपनी का फर्जी बैंक कर्मी बनकर लोगों को ठगने का काम करता था। साथ ही इसके नेतृत्व में जितने भी साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है, वह काफी नए तरीके से लोगों को चूना लगाने का काम कर रहे थे। एसपी ने बताया कि ये सभी साइबर अपराधी लोगों को नौकरी का झांसा देकर, गूगल पर अपना नंबर अलग-अलग कंपनियों के साइट पर पंच करके, कॉल आने पर सेक्सटॉर्शन करके और स्कॉट सप्लायर बनाकर पैसे ठगी करते थे। इसके अलावे ये लोग वर्क फ्रॉम होम का झांसा देकर फर्जी सिम के माध्यम से लोगों को चूना लगाते थे।

ढिबरा स्क्रैप मजदूर संघ का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

लोगों को संबोधित करते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS KODERMA : ढिबरा को लेकर वाहनों की धरपकड़, प्रशासन की सख्ती और सरकार के ढुलमुल रवैया के खिलाफ ढिबरा स्क्रैप मजदूर संघ ने सोमवार से कोडरमा समाहरणालय के समक्ष अनिश्चित कालीन धरना शुरू किया। धरनास्थल पर सभा की अध्यक्षता कृष्णा सिंह घटवार और संचालन रीतलाल सिंह, प्रकाश साव ने किया।

धरना को ढिबरा स्क्रैप संघ के राजकिशोर सिंह, महेंद्र सिंह, मुखिया सीता देवी, उमा देवी, नारायण सिंह, सोनिया देवी, दिनेश यादव, दुर्गा सिंह ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि लाखों ढिबरा मजदूरों के पेट पर जिला प्रशासन और अधिकारी लात मार रहे हैं। ढिबरा मजदूरों पर सीसीए लगाया गया है। यह पूर्णतः तानाशाही निर्णय है और कोडरमा के मान-सम्मान के साथ खिलवाड़ है।

कृष्णा सिंह ने सांसद अन्नपूर्णा देवी पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पिछले दो दशक से सत्ता एक ही व्यक्ति के पास है। ढिबरा मजदूरों का वोट लेकर विधायक से सांसद बन गए। दल और दिल बदला लेकिन ढिबरा के लिए कभी नही लड़ा। जनता सब समझती है, जो ढिबरा की बात करेगा, वही कोडरमा में आगे राज करेगा।

सांसद जयंत सिन्हा ने स्वदेशी मेले का किया उद्घाटन, बोले-

मेले से छोटे व्यापारियों को मिलेगा लाभ

PHOTON NEWS RAMGARH : रामगढ़ शहर के फुटबॉल ग्राउंड में स्वदेशी जागरण मंच की ओर से स्वदेशी मेले का आयोजन किया गया है। इसका उद्घाटन सोमवार को सांसद जयंत सिन्हा ने किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि रामगढ़ एक औद्योगिक क्षेत्र है। यहां के लोगों को स्वदेशी उद्योग को बढ़ावा देना चाहिए। उद्घाटन समारोह के आरंभ में सांसद जयंत सिन्हा ने दत्तोपंत ठेंगरी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किया। सांसद जयंत सिन्हा ने कहा कि स्वदेशी मेले से छोटे व्यापारियों को काफी लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मैं आधुनिक युग का व्यक्ति हूं और मैं चाहता हूं कि जो हमारे लघु उद्योग हैं, जो हमारे बेहतरीन कारीगर हैं उनके काम को वैश्विक पटल पर पहचान जरूर मिले। रामगढ़ के लोग मेले में आएं और स्थानीय-स्वदेशी गुणवत्तापूर्ण चीजों का अवलोकन करें। जयंत सिन्हा ने कहा कि रामगढ़ में लघु उद्योग तो हैं ही, लेकिन बड़े-बड़े उद्योग भी आ रहे हैं।

दीप जलाकर मेले का उद्घाटन करते जयंत सिन्हा। ● फोटोन न्यूज

स्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक पंचम चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि मेला 12 फरवरी से 23 फरवरी तक संध्या दो बजे से शाम पांच बजे तक खुला रहेगा। वहीं शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

हजारीबाग में गांजा तस्करी के दो आरोपी गिरफ्तार

HAZARIBAGH : पुलिस ने 100 किलो गांजा के साथ दो अभियुक्तों को सोमवार को गिरफ्तार किया है। इस आशय की जानकारी पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने सोमवार को पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि बरही से चौपारण की ओर एक पिकअप वाहन संख्या (ओडी 14 एसी 1868) पर गांजे की तस्करी की जा रही थी। पुलिस ने पिकअप से 25-25 पैकेट में गांजा बरामद किया। पुलिस ने जनेश्वर पासवान जिला गया और रवि कुमार अरवल बिहार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

डीसी ने रायडीह प्रखंड के जरजट्टा पंचायत के मांदर कारीगरों से की मुलाकात

कारीगरों से उनके पारंपरिक कार्यों, वर्तमान आमदनी, व कार्य शैली की ली जानकारी

PHOTON NEWS GUMLA : उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने सोमवार को क्षेत्र भ्रमण के क्रम में उन्होंने जिले के रायडीह प्रखंड स्थित जरजट्टा पंचायत में रहने वाले मांदर कारीगरों से मुलाकात की। जिले के लुप्त होते पारंपरिक कारीगरों के विकास एवं उनके व्यापार को बड़े बाजार तक लेकर जाने के उद्देश्य से जिले में लघु कुटीर उद्योग विभाग द्वारा लगतार कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में उपायुक्त ने रायडीह के पारंपरिक मांदर कारीगरों से मुलाकात की ।

उपायुक्त ने कारीगरों से उनके पारंपरिक कार्यों, उनकी वर्तमान आमदनी, कार्य शैली आदि से संबंधित सभी जानकारी ली। उपायुक्त ने जिला लघु कुटीर उद्यमी समन्वयक सूरज कुमार को कारीगरों द्वारा निर्मित मांदर की मार्केटिंग, ब्रांडिंग सहित उनके उद्योग को बढ़ाने हेतु एक विस्तृत कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कारीगरों द्वारा निर्मित मांदर के बाजार एवं डिमांड के संबंध में भी जानकारी ली। इसके अलावा उपायुक्त ने सभी मांदर कारीगरों से बात की एवं उनकी भी बातों को सुना।

जरजट्टा के मांदर कारिगरों से मुलाकात करते उपायुक्त। ● फोटोन न्यूज

कारीगरों ने बताया कि ज्यादातर मांदर की बिक्री किसी मुख्य त्योहार के समय ही होती है एवं उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रत्येक परिवार प्रत्येक माह लगभग दो से तीन ही मांदर बेच पाते हैं जिसे कारीगर स्वयं बाजार ले जाकर बेचते हैं।

शिव बारात आयोजन समिति पहाड़ी मंदिर की बैठक संपन्न

बैठक में शामिल समिति के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : श्री शिव बारात आयोजन केंद्रीय महासमिति पहाड़ी मंदिर कि बैठक संस्थापक नंद किशोर सिंह चंदेल की अध्यक्षता में हुई। संस्थापक नंद किशोर सिंह चंदेल ने कहा कि इस बैठक में महाशिवरात्रि के दिन पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार से भव्य शिव बारात निकाली जाएगी। साथ ही शिव बारात के आयोजन के लिए कमेटी का भी गठन किया गया। मुख्य आयोजक दीपक ओझा ने कहा कि श्री शिव बारात आयोजन केंद्रीय महासमिति पहाड़ी मंदिर के बैनर तले निकलने वाले शिव बारात का मार्ग होगा पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार से शुरू होते हुए बानो मंजिल रोड, हरमू शनि मंदिर, बकरी बाजार, कोतवाली थाना, शहीद चौक, अल्बर्ट एक्का चौक से वापस होते हुए, अप्पर बाजार गांधी चौक, महावीर चौक, किशोरी सिंह यादव चौक, रातू रोड चौक से पिस्का मोड़ स्थित विश्वनाथ मंदिर पहुंचेगी जहां पर भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह संपन्न होगा। सर्वसम्मति से चुने गए अध्यक्ष गुलशन मिद्धा ने कहा कि शहर की सबसे बड़ी श्री शिव बारात आयोजन केंद्र महासमिति पहाड़ी मंदिर इस बार का शिव बारात ऐतिहासिक निकालेगी और शहर के बहुत सारे गण्यमान्य लोग इस भक्तिमैय कार्यक्रम में जुड़ेंगे और रांची शहर के तमाम लोगों को आमंत्रित किया जाएगा।

आईओसीएल परिसर में सड़क सुरक्षा जागरुकता कार्यशाला का आयोजन

PHOTON NEWS KHUNTI : आईओसीएल, खूंटी परिसर में भारी मोटर वाहन चालकों के लिए सोमवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में काफी संख्या में वाहन चालकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के आईओसीएल खूंटी के महाप्रबंधक पल्लव कुमार ने कहा कि निर्धारित गति सीमा में वाहन का परिचालन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय किसी भी स्थिति में यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं किया जाना चाहिए। सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन कर ही अपनी और अन्य की जान बचाई जा सकती है।

मौके पर मोटरयान निरीक्षक शाह नवाज द्वारा रोड साइनेज, लाइसेंस, वाहन के महत्वपूर्ण मानकों के विषय में बताया गया कि वाहन का परिचालन से पूर्व वाहन के सभी तकनिकी एवं सुरक्षात्मक तथ्यों को जांच कर लेना आवश्यक होता है। उन्होंने कहा कि वाहन चालक द्वारा की गई गलती किसी के लिए जानलेवा भी साबित हो सकता है। उन्होंने चालकों से अपील की कि वाहन चलाते समय वाहन से साथ में रख लेना चाहिए। साथ ही कभी भी शराब का सेवन कर वाहन ना चलाएं। उन्होंने कहा कि ऐसा कर आप खुद को और अन्य लोगों को सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने बताया कि ज्वलनशील पदार्थ युक्त टैंकर के परिचालन के दौरान थर्ड पार्टी लीगल लाइबिलिटी ट्रांसिट इंश्योरेंस एवं हेजार्ड लाइसेन्स का होना अनिवार्य है।

कार्यशाला में उपस्थित अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

बीडीओ ने मॉडल स्कूल का किया औचक निरीक्षण

PHOTON NEWS KHUNTI : खूंटी के प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी ने सोमवार को कर्रा रोड स्थित बिरहू मोड़ के समीप अवस्थित मॉडल स्कूल का औचक निरीक्षण किया। बीडीओ के साथ प्रखंड के पूर्व उप प्रमुख जितेंद्र कश्यप भी शामिल थे। औचक निरीक्षण के दौरान विद्यालय में पठन-पाठन के साथ ही साफ सफाई एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण की अच्छी व्यवस्था को देखकर बीडीओ संतुष्ट हुई। इस दौरान विद्यालय के बच्चों का शिक्षा ज्ञान मापने के लिए बीडीओ ने बच्चों से कई सवाल भी पूछे जिसका बच्चों ने सही-सही उत्तर दिया।

मौके पर बच्चों को मतदान क्यों जरूरी है और मतदान संबंधी पूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही स्कूल के द्वारा आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान के लिए प्रतिभागियों का चयन किया गया। जितेंद्र कश्यप ने बच्चों से पढ़ाई के दौरान ही अपना लक्ष्य निर्धारित कर उसे दिशा में अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। मौके पर स्कूल की प्रिंसिपल सरिता किंडो सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाओं ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को फूलों का गमला प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पलामू में प्रमंडलीय एक्सपोजर व क्षमता संवर्धन शिविर-सह-महिला महासम्मेलन का आयोजन

सखी मंडल से जुड़कर सबल बन रही महिलाएं : वैद्यनाथ राम

PHOTON NEWS PALAMU : सखी मंडल की महिलाओं का प्रमंडलीय एक्सपोजर और क्षमता संवर्धन शिविर-सह-महिला महासम्मेलन का आयोजन सोमवार को शिवाजी मैदान में किया गया, जिसमें सखी मंडल से जुड़ी करीब दस हजार से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन, मंत्री सत्यानंद भोक्ता एवं मंत्री आलमगीर आलम सहित राज्यस्तरीय अन्य वरीय पदाधिकारी रांची में आयोजित राज्यस्तरीय महिला महासम्मेलन से ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर महिलाओं को संबोधित किया। साथ ही प्रमंडल स्तर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारियों ने सखी मंडल की महिलाओं की आर्थिक समृद्धि, उत्थान, उनके बदलाव एवं राज्य के विकास में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं का उत्साहवर्धन किया।

लातेहार विधायक वैद्यनाथ राम ने कहा कि देश की आधी आबादी आगे आ रहीं हैं। सखी में से जुड़कर महिलाएं सबल बन रही हैं। पांकी विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने सखी मंडल की दीदियों के संवर्धन, आर्थिक मजबूती के लिए पांकी विधानसभा क्षेत्र में क्लस्टर स्तर पर हॉल बनाने की घोषणा की, ताकि दीदियों को बैठक करने में सहुलियत हो। साथ ही पांकी विधानसभा क्षेत्र के समूह की करीब पांच हजार से अधिक दीदियों को बैठने हेतु दरी एवं बक्शा उपलब्ध कराने की बातें कही।

सखी मंडल की दीदियों को सम्मानित करते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

उपायुक्त शशि रंजन ने कहा कि प्रमंडल में चार लाख 50 हजार से ज्यादा महिलाएं जुड़ चुकी हैं। प्रमंडल में 40441 सखी मंडलों का गठन हुआ है। 39087 सखी मंगल को चक्रीय निधि की राशि एवं 38855 सखी मंडल को सामुदायिक निवेश की राशि दी जा चुकी है। साथ में बैंक क्रेडिट सपोर्ट 36179 सखी मंडलों को दिया जा चुका है। कृषि और गैर कृषि आजीविका गतिविधि से 23473 से ज्यादा लखपति दीदी बनकर अपने घर रोशन कर रही हैं।

राज्य कार्यक्रम प्रबंधक (नन फॉर्म) नीतीश कुमार सिन्हा ने कहा कि जेएसएलपीएस के प्रयास से गांवों की तस्वीर बदल रही है। लातेहार की माया देवी ने अपने जीवन में आए बदलाव की कहानी व्यक्त की। इसी तरह पलामू की अंशु कुमारी और गढ़वा की दीप शिखा देवी ने भी बदलाव की कहानी व्यक्त की।

कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ सखी मंडल के रूप में सीमा सखी मंडल चैनपुर एवं साकेत सखी मंडल भंडरिया, सर्वश्रेष्ठ ग्राम संगठन के रूप में हरियाली ग्राम संगठन सतबरवा एवं पताशा ग्राम संगठन गढ़वा, वहीं सर्वश्रेष्ठ संकुल संगठन के रूप में धावाड़ीह संकुल संगठन सतबरवा एवं कल्याणपुर संकुल संगठन, गढ़वा को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में सांकेतिक रूप से लाभुकों को डमी चेक प्रदान किया गया। चक्रीय/सामुदायिक निधि से लातेहार के सुनीता देवी, पलामू की लालती देवी और गढ़वा की पूनम देवी को लाभान्वित किया गया। पलामू की रिंकी देवी लातेहार की मीना देवी और गढ़वा की शबाना खातून को बैंक लिंकेज से जोड़ा गया। वहीं फूलों झानो आशीर्वाद अभियान के तहत नीलांबर-पीतांबरपुर (लेस्लीगंज) की किरण देवी एवं बबली कुमारी को लाभान्वित किया गया।

दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के अंतर्गत छतरपुर की पुष्पा कुमारी, बेबी कुमारी, नेहा कुमारी एवं शोभा कुमारी और चैनपुर की मधु कुमारी को नियुक्ति पत्र दिया गया। बेहतर कार्य करने वाली दीदियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विल्स प्रीमियर लीग का फाइनल आयोजित

PHOTON NEWS RANCHI : विल्स क्लब ऑफ कांके के तत्वाधान में आयोजित आईपीएल के तर्ज पर आयोजित क्रिकेट विल्स प्रीमियर लीग का फाइनल मैच राँची के प्रसिद्ध एतेहासिक मैदान कांके के वेटनरी कॉलेज मैदान में खेला गया। फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में जेएमएम के जिला अध्यक्ष मुश्ताक आलम, हरीनाथ साहू, नेशनल जनरल सेक्रेटरी अरूप कैबर्ता एवम विशिष्ट अतिथि के रूप में मोजिबूल रहमान, शिशिर उरांव, घनश्याम उरांव , रंजीत कैबरता, गुलजार अहमद, नेशर अहमद, फरहत हुसैन, नूर आलम, जिब्राइल अंसारी, हसन अंसारी एवं अन्य अतिथियों द्वारा फाइनल मैच का शुभारंभ किया गया। साथ ही साथ माइक संचालन मंजर आलम,आदिल असलम,नाफिश आलम ने किया, हढछ विगत पांच वर्षो से आईपीएल के तर्ज में मैच कराते आ रही है , जिसमे झारखंड के हर जिले से खिलाड़ी शामिल होती है जिनकी निलामी होती है और कुल 8 टीम बनता है। कांके के दो लिजेंड टीम विल्स ए एवं कांके लिजेंड बी का मैच खेला गया। जिसमे विल्स लिजेंड की टीम विजय रही, वही विल्स प्रीमियर लीग का फाइनल मैच में रांची के दो दिग्गज विल्स टाइगर्स एवं विल्स ब्लास्टेर्स के बीच खेला गया। फाइनल मैच में टॉस जीतकर विल्स ब्लास्टेर्स ने पहले गेंदबाजी पहले करने का विचार बनाया। जहां पहले बल्लेबाजी करते हुवे टाइगर्स की टीम ने 10 ओवर में 20 रन ही बना सकी, टाइगर्स की टीम ने ब्लास्टेर्स को 10 ओवर में 21 रन लक्ष्य दिया जिसके पीछा करते हुए ब्लास्टेर्स ने 2 ओवर में ही जीत हासिल कर ली।

फाइनल की विजेता टीम। ● फोटोन न्यूज

फाइनल मैच में विल्स ब्लास्टेर्स मैच जीतकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। मैच के समाप्ती पर फर्स्ट प्राइज 25000 एवं बड़ा ट्रॉफी, सेकंड प्राइज 15000 एवं बड़ा ट्रॉफी वितरित किए गया,मैन ऑफ दा मैच शोब्रोतों जन्तु दिया गया ।एवं सीरीज विल्स चुम्मी को बेस्ट फील्डर सैफ अली बेस्ट बैट्समेन तबारक को बेस्ट बॉलर का पुरस्कार बबलू को दिया गया इसके अलावा अन्य पुरस्कार आयोजन समिति द्वारा दिया गया। अध्यक्ष वसीम अंसारी ने बतायें की बहुत सारे ऐसे खिलाड़ी होते जिसको कोई जनता नहीं है इस लीग मैच के जरिये नये खिलाड़िय उभर कर सामने आते है की और अपने अंदर छिपे प्रतिभा को सबके सामने लाया जाए।

BRIEF NEWS

कांके में समाजसेवी दिलीप महतो पर जानलेवा हमला

RANCHI : समाज सेवी दिलीप महतो पर सोमवार को कांके थाना क्षेत्र के मनातू में जानलेवा हमला किया गया। जिसमें दिलीप महतो गंभीर रूप से घायल हुए। जिनका इलाज रांची के रिम्स में चल रहा है। जानलेवा हमले को लेकर कांके थाना क्षेत्र में एफआईआर दर्ज की गई है। जिसमें यह कहा गया है कि दिलीप महतो अपनी जमीन देखने गए थे। जहां कुछ लोग हथियार के साथ आए और दिलीप महतो के साथ गाली गलौज करना शुरू कर दिया। इसके बाद उन पर जानलेवा हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घायल दिलीप महतो का उनके दोस्तों ने रिम्स में भर्ती करवाया और उसके बाद कांके थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया गया है। जिसमें रतन महतो, सतन महतो, बचन महतो, फचन महतो, नरेश महतो, पप्पू महतो अन्य लोग शामिल थे।

साउथ बिहार एक्सप्रेस का परिचालन आरा तक होगा

RANCHI : दुर्ग से टाटानगर होकर चलने वाली साउथ बिहार एक्सप्रेस अब आरा तक चलेगी। इस संबध में रेल मंत्रालय की ओर से आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश में बताया गया है कि ट्रेन संख्या 13287 साउथ बिहार एक्सप्रेस शाम 6 बजकर 45 मिनट पर रवाना होगी। जो शाम 7 बजकर 01 मिनट में बिहटा, 7:30 बजे दानापुर, 8 बजकर 5 मिनट पर पटना और 8 बजकर 25 मिनट पर राजेंद्र नगर पहुंचेगी। ट्रेन का परिचालन सप्ताह में सभी दिन होगा। संभावना है कि 19 फरवरी से रेलवे ट्रेन को विस्तारित रूट से चलायेगी। साउथ बिहार एक्सप्रेस अब तक दुर्ग से भाया टाटानगर होते हुए राजेंद्र नगर तक जाती थी, लेकिन नये आदेश के तहत यह पटना, दानापुर, बिहटा में ठहराव के बाद आरा पहुंचेगी। वहीं, 13288 साउथ बिहार एक्सप्रेस डाउन ट्रेन सुबह 6 बजकर 45 मिनट पर राजेंद्र नगर, 7 बजे पटना, 7 बजकर 23 मिनट पर दानापुर, 7 बजकर 44 मिनट पर बिहटा व 8:30 बजे बिहटा पहुंचेगी।

1328 भाजपा कार्यकर्ताओं को आस्था ट्रेन अयोध्या रवाना

RANCHI : रांची लोकसभा क्षेत्र के 1350 रामभक्तों को लेकर आस्था ट्रेन अयोध्या के लिए रवाना हुई। ये सभी अयोध्या में रामलला के दर्शन करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी एवं प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने सोमवार को भगवा ध्वज दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। मौके पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आप सभी रामभक्त भाग्यशाली है कि चंद घंटों में आप अयोध्या में भव्य एवं दिव्य मंदिर में रामलला का दर्शन करेंगे। राम मंदिर सिर्फ प्रभु राम का मंदिर नहीं, भारत का मंदिर है, राष्ट्र का मंदिर है। उन्होंने कहा कि 1992 में जब मैं गया था तब वहां प्रभु श्रीराम टेंट में हुआ करते थे। आज वहां भव्य एवं दिव्य मंदिर बनकर तैयार है और भारत की सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को दुनिया के पटल में प्रकाशमय कर रहा है।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

मिशन 2024 को लेकर प्रदेश कांग्रेस की बैठक, 14 लोकसभा सीट पर विस्तार से कांग्रेस ने की चर्चा

सभी 14 लोस सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस तैयार, आलाकमान चुनेगा उम्मीदवार

- तीन-तीन संभावित उम्मीदवारों के नाम आलाकमान को भेजेंगे
- भारत जोड़ो न्याय यात्रा से कांग्रेस कार्यकताओं में आया नया जोश
- गठबंधन और प्रत्याशी चयन के लिए आलाकमान अधिकृत

कांग्रेस मुख्यालय में लोकसभा चुनाव की तैयारी पर बैठक करते प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर व अन्य।

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड प्रदेश कांग्रेस राज्य की सभी 14 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए कमर कस चुकी है। उम्मीदवारों के चयन के लिए आलाकमान को अधिकृत कर दिया गया है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस चुनाव समिति की पहली बैठक के बाद यह जानकारी दी गई। राजधानी रांची में कांग्रेस मुख्यालय में लोकसभा चुनाव को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। बैठक में झारखंड की सभी 14 लोकसभा सीटों पर विस्तार से चर्चा हुई। एक-एक सीट के विभिन्न पहलुओं का सूक्ष्मतापूर्वक विश्लेषण किया गया। क्षेत्र की भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, जातिगत आंकड़ों पर भी सूक्ष्मता से विचार किया गया। बैठक के दौरान तय हुआ कि हर लोकसभा क्षेत्र से तीन-तीन संभावित प्रत्याशियों के नाम तय करके आलाकमान को भेजा जाएगा। वही उम्मीदवार पर अंतिम फैसला करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि चुनाव समिति के सभी सदस्यों ने प्रत्येक सीट पर अपनी राय जाहिर की। चुनाव समिति के सभी सदस्यों ने एकमत से लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने और गठबंधन तथा प्रत्याशियों के चयन के लिए आलाकमान को अधिकृत किया है। आलाकमान का निर्णय ही अंतिम निर्णय होगा। राजेश ठाकुर ने कहा कि कोई भी दल चुनाव लड़ने के लिए सभी सीटों पर तैयारी करती है। साथ ही गठबंधन की भी बातें सामने हैं। समय के अनुरूप गठबंधन पर निर्णय के बाद सीटों एवं प्रत्याशियों पर अंतिम निर्णय आला कमान लेंगे। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, विधायक दल के नेता आलमगीर आलम, डॉ रामेश्वर उरांव, सुबोध कांत सहाय, प्रदीप बलमुचु, सुखदेव भगत, गीता कोड़ा, बंधु तिर्की, जलेश्वर महतो, शहजादा अनवर, फुरकान अंसारी, बन्ना गुप्ता, बादल पत्रलेख, प्रदीप यादव, प्रणव झा, दीपिका पांडे सिंह, काली चरण मुंडा, बृजेंद्र सिंह, रमा खलको, अशोक चौधरी, भीम कुमार, सुल्तान अहमद, बिमला कुमारी, मणि शंकर, निरंजन पासवान, अमूल्य नीरज खलको, सतीश रजक, प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष अभिजीत राज, गुंजन सिंह, आमिर हाशमी और नेली नाथन मौजूद थे।

केंद्र की हर गतिविधि पर नजर : मीर

मीर ने कहा कि हम केंद्र सरकार की हर गतिविधि पर नजर रख रहे हैं। जनता भी मोदी सरकार के समाजविरोधी कार्यों को देख रही है। उन्होंने कहा कि देश में बदलाव का दौर आने वाला है। इसके लिए हमें पूरी ताकत से चुनाव में जुट जाना होगा। हमारी मेहनत और जनता का साथ, देश को बदलाव के नए दौर में ले जाएगी। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि झारखंड में कांग्रेस सभी लोकसभा क्षेत्र में चुनाव लड़ने के लिए कमर कसकर तैयार है। कार्यकताओं में भरपूर उत्साह है। उन्होंने कहा कि हमारे लोकप्रिय नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की सफलता से झारखंड के कार्यकताओं में नए जोश का संचार हुआ है। यह जोश लोकसभा चुनाव आने तक केंद्र सरकार के खिलाफ जुनून में तब्दील हो जाएगा। इसके बाद केंद्र की वर्तमान सरकार को हम उखाड़ फेंकेंगे।

झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन ने जेएसएससी पेपर लीक मामले में राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

मास्टरमाइंड व मामले में शामिल दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन ने राज्यपाल को दी विस्तृत जानकारी।

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात कर जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक मामले में विस्तृत जानकारी दी। यूनियन प्रमुख देवेंद्र नाथ महतो ने इस घटना के मास्टरमाइंड और इसमें शामिल दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने समेत कई मांगों पर ज्ञापन सौंपा है। बातचीत में राज्यपाल ने साकारात्मक और निष्पक्ष कारवाई करने का भरोसा दिया है। राज्यपाल से मुलाकात के बाद झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन के प्रमुख देवेंद्र नाथ महतो ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को जेएसएससी सीजीएल परीक्षा के सारी सबूत दे दिये गये हैं। उन्होंने आश्वसन दिया है कि इस घटना में शामिल मास्टरमाइंड और उनके सहयोगियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही साथ देवेंद्र नाथ महतो ने यह भी जानकारी कि हमने इस आंदोलन में शामिल सभी निर्दोष छात्र-छात्राओं पर हुए एफआईआर को रद्द करने का आग्रह किया है।

क्या है प्रमुख मांगें

- भ्रष्टाचार का उजागर करने वाले निर्दोष छात्रों पर हुए एफआईआर को वापस लिया जाए।
- पेपर लीक मामले की हो सीबीआई जांच।
- जेएसएससी अध्यक्ष नीरज सिन्हा को सस्पेंड किया जाए।
- परीक्षा लेने वाली एजेंसी को ब्लैकलिस्टेड किया जाए।
- सीजीएल परीक्षा लेने वाली एजेंसी द्वारा संचालित सभी परीक्षा की जांच सीबीआई से करायी जाए।
- नयी विश्वसनीय एजेंसी का चयन कर परीक्षा का आयोजन जल्द से जल्द किया जाए।

ईडी कोर्ट में पेशी से पहले हाईकोर्ट में हेमंत सोरेन की याचिका पर हुई सुनवाई

अदालत ने याचिका स्वीकारी, ईडी को जवाब दाखिल करने का दिया निर्देश, अंतिम सुनवाई 27 फरवरी को

31 जनवरी को हेमंत ने दाखिल की थी याचिका

SPECIAL REPORTER RANCHI : पीएमएलए कोर्ट में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन की पेशी से पहले झारखंड हाईकोर्ट में उनकी याचिका पर सुनवाई हुई। हेमंत सोरेन की ओर से उनकी गिरफ्तारी और ईडी रिमांड के खिलाफ झारखंड हाईकोर्ट में क्रिमिनल याचिका दाखिल की गई है। इस पर झारखंड हाईकोर्ट में अब 27 फरवरी को सुनवाई होगी। इस पर महाधिवक्ता राजीव रंजन ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी में कहा है कि कोर्ट ने हमारी याचिका स्वीकार कर ली है। ईडी से उस पर जवाब मांगा है। सोमवार को हेमंत सोरेन की क्रिमिनल याचिका पर सुनवाई हुई। प्रवर्तन निदेशालय के वकील ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 9 फरवरी को अपना जवाब दाखिल किया था। इस पर सोमवार को सुनवाई हुई। प्रवर्तन निदेशालय ने हेमंत सोरेन के आईए पर जवाब दाखिल करने के लिए समय की मांग की। इस पर कोर्ट ने 27 फरवरी की तारीख तय की। उसी दिन इस मामले में अंतिम सुनवाई होगी। बता दें कि हेमंत ने पिटीशन में कहा था कि केंद्र सरकार ईडी का गलत इस्तेमाल कर रही है।

हेमंत सोरेन की ओर से 31 जनवरी की रात को ही हाईकोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई थी। इसमें उन्होंने ईडी की कार्रवाई को गैरकानूनी करार दिया था। हेमंत सोरेन के वकील ने अपील में कहा था कि उनके मुवक्किल की गिरफ्तारी गलत है। इसके बाद आईए के जरिए एक अमेंडमेंट दाखिल कर हेमंत सोरेन की रिमांड को भी गलत करार दिया गया। ईडी के वकील की ओर से सोमवार को कोर्ट से अमेंडमेंट का जवाब दाखिल करने के लिए समय की मांग की गई। एक्टिंग चीफ जस्टिस एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने ईडी को जवाब दाखिल करने के लिए समय प्रदान किया और फाइनल डिस्पोजल के लिए 27 फरवरी की तारीख मुकर्रर कर दी। झारखंड के एडवोकेट जनरल राजीव रंजन ने कहा है कि ईडी की ओर से कथित भूमि घोटाला मामले में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी गैर-काननूनी है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने हमारे अमेंडमेंट याचिका को स्वीकार कर लिया है। हमने इस याचिका में हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को चुनौती दी है। ईडी को 27 जनवरी को समग्र जवाब दाखिल करने के लिए कहा गया है। उसी दिन मामले की अंतिम सुनवाई होगी।

कई आईएएस अधिकारियों का तबादला, अनन्य मित्तल बने पूर्वी सिंहभूम के डीसी, अधिसूचना जारी

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार ने कई आईएएस अधिकारियों का तबादला किया है। साथ कई अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इस संबंध में सोमवार रात कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना के अनुसार मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल को स्थानार्तरित करते हुए अगले आदेश तक वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग का प्रधान सचिव बनाया गया है। साथ ही दादेल को महिला बाल विकास एवं समाजिक सुरक्षा विभाग का प्रधान सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री को स्थानांतरित करते हुए सुवर्णरेखा परियोजना का प्रशासक के पद पर नियुक्त किया गया है। पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा के डीसी अनन्य मित्तल को पूर्वी सिंहभूम का डीसी बनाया गया है।

आईएएस अनन्य मित्तल

सत्येन्द्र बने राज्य खाद्य निगम के प्रबंध निदेशक

श्रम नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग अपर सचिव सत्येन्द्र कुमार को झारखंड राज्य खाद्य निगम का प्रबंध निदेशक बनाया गया है। साहिबगंज के उपायुक्त रामनिवास यादव को झारखंड उच्च शिक्षा का निदेशक, लातेहार उपायुक्त हिमांशु मोहन को माध्यमिक शिक्षा का निदेशक, गरिमा सिंह लातेहार की नया उपायुक्त और गुमला के उपविकास आयुक्त हेमंत सती को साहिबगंज का उपायुक्त बनाया गया है। पदस्थापन के लिए प्रतिक्षारत विस्पुते श्रीकांत को गिरिडीह का अनुमंडल पदाधिकारी बनाया गया है। इसी प्रकार ग्रामीण कार्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह अपने कार्यों के अलावा मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग का प्रधान सचिव के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव मनीष रंजन को अपने कार्य के अलावा भवन निर्माण विभाग का सचिव और राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड रांची का प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के प्रभारी सचिव अरवा राजकमल को उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग का प्रभारी सचिव एवं ग्रेटर रांची विकास एजेंसी का प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसी प्रकार स्कूली शिक्षा एंव साक्षरता विभाग के प्रभारी सचिव उमा शंकर सिंह को अपने कार्यों के अलावा सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड का मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। हस्तकरघा, रेशम एंव हस्तशिल्प के निदेशक आकांक्षा रंजन को माटी कला बोर्ड के प्रबंध निदेशक सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

सातवें दिन राजभवन उद्यान का 39981 लोगों ने किया दीदार

राजभवन उद्यान का सातवें दिन सोमवार को 39981 लोगों ने भ्रमण किया। पहले दिन 3469, दूसरे दिन 9344, तीसरे दिन 15524, चौथे दिन41924, पांचवें दिन 55536, छठे दिन 104722 और सातवें दिन 39981 कुल दो लाख 70 हजार 500 लोगों ने सात दिनों में राजभवन का दीदार किया। इस दौरान लोग फूलों और झरने के साथ सेल्फी लेते नजर आये। राजभवन में 400 किस्म के लगभग 17 हजार गुलाब के अलावा अन्य फूल लगे है।

देश में पहली बार कार्बन उत्सर्जन और भविष्य की इकोनॉमी की रूपरेखा होगी तय

रांची में 14-15 फरवरी को जुटेंगे 30 देशों के एक्सपर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : रांची में पहली बार दुनिया भर के 30 देशों के एक्सपर्ट 14-15 फरवरी को जुटेंगे। इस दौरान वे कार्बन उत्सर्जन के चैलेंज को कम करने के साथ ही नये इकोनॉमिक मॉडल को लेकर अपने सुझाव साझा करेंगे। इस संबंध में होटल रेडिसन ब्लू में सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीड्स के रमापति कुमार ने बताया कि 2022 में झारखंड सरकार के स्तर से स्पेशल टास्क फोर्स का गठन यहाँ किया गया। चूंकि इस राज्य में आधे से अधिक जिलों में कोयला आधारित इकोनॉमी, कारोबार है। बिजली, स्टील और अन्य कारखाने हैं। ऐसे में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव यहां भी अब देखने को मिल रहा। एक ऐसी अर्थव्यवस्था की ओर अब बढना जरूरी हो गया है जिसमें कार्बन उत्सर्जन को न्यूनतम या खत्म किया जा सके। इसके लिए ही रांची में टास्क फोर्स के जरिये इस तरह की विशेष कार्यशाला का आयोजन होना है। इसमें 30 देशों के 300 डेलीगेट्स शामिल होंगे। इसके अलावा यूपी, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों के अलावा झारखंड सरकार के अलग अलग महत्वपूर्ण विभागों के सीनियर अफसर और अन्य भी इसमें शामिल होंगे। अलग- अलग सत्रों में विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी। देश दुनिया के अलावा बाकी राज्यों में कार्बन उत्सर्जन और नये तरह के इकोनॉमी को लेकर किस तरह के काम हो रहे हैं, उनके खट्टे- मीठे अनुभव क्या रहे, इसे जानने के अलावा इस आधार पर राज्य के लिए रोडमैप तैयार करने में मदद मिलेगी।

देश भर की निगाह रांची पर : रस्तोगी

पूर्व वन अधिकारी और टास्क फोर्स के चेयरपर्सन एके रस्तोगी ने बताया कि इस कार्यशाला को लेकर देश दुनिया के अलावा सभी राज्यों की भी नजर इस ओर है। देश भर में पहली बार इस विषय को लेकर इतने बड़े स्तर पर इंटरनेशनल कान्फ्रेन्स होने जा रहा है। जापान, साउथ अफ्रीका, साउथ कोरिया सहित दुनियाभर के 30 देशों के 300 डेलीगेट्स के अनुभव बेहद कारगर साबित होंगे। देश दुनिया में कार्बन उत्सर्जन और इसके साथ नये तरह की अर्थव्यवस्था के लिए किए गए प्रयासों को जानने का यह प्रभावी मंच साबित होगा। क्लिन एनर्जी, एनर्जी सेविंग के साथ कैसे सब आगे बढेंगे, इसे समझने में मदद मिलेगी। कोयला और ऊर्जा जरूरतों के सीमित होने से नये तरह से कैसे छोटी- बड़ी इंडस्ट्री आगे बढेगी, पैसे कहां से आएंगे, रोजगार कैसे मिलेगा और अन्य बिंदुओं पर भी एक्सपर्ट के विचारों को हमसब जान सकेंगे।

चंपाई सोरेन को श्रीशिव बारात में सम्मिलित होने का मिला आमंत्रण

RANCHI : मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से सोमवार को मोरहाबादी स्थित मुख्यमंत्री आवास में श्री शिव बारात आयोजन महासमिति, पहाड़ी मंदिर रांची के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने आठ मार्च को महाशिवरात्रि पूजा के अवसर पर आयोजित होने वाले श्री शिव बारात में सम्मिलित होने के लिए मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने महासमिति के सदस्यों से शिव बारात के आयोजन की तैयारियों की जानकारी ली। प्रतिनिधिमंडल में महासमिति के अध्यक्ष राजेश कुमार साहू, कोषाध्यक्ष दीपक नंदा, सचिव राज तनेजा, बारात प्रभारी मेहुल प्रसाद, प्रवक्ता बादल सिंह, वरीय उपाध्यक्ष उर्मिला चौधरी, सोशल मीडिया प्रभारी अंशु तिवारी, सह सचिव दिलीप वर्मा, सदस्य स्वप्ना चटर्जी, झांकी कलाकार राम सिंह सहित अन्य लोग शामिल थे।

रांची की योग विशेषज्ञ डॉक्टर अर्चना को मिला योगिनी अवार्ड

PHOTON NEWS RANCHI : रांची की योग विशेषज्ञ डॉक्टर अर्चना कुमारी को योगिनी अवार्ड से सम्मानित किया गया है। ये सम्मान परमार्थ निकेतन ऋषिकेश, उत्तराखंड और एडु गर्ल लाइफ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित एक समारोह में प्रदान किया गया। भारतीय योग संघ के सचिव डॉ। सुबोध तिवारी ने यह सम्मान दिया। डॉ अर्चना कुमारी झारखंड की एकमात्र ऐसी उम्मीदवार थी, जिन्हें इस अवार्ड से नवाजा गया है। बता दें कि यह अवार्ड योग के क्षेत्र में महिलाओं को मिलने वाला एक प्रतिष्ठित सम्मान है, जिसे देश और विदेश में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को दिया जाता है। समारोह में परमार्थ निकेतन के संस्थापक स्वामी चिदानंद सरस्वती, पूज्य साध्वी भगवती, एडु गर्ल लाइफ के संस्थापक के अलावा उत्तराखंड के कई मंत्री एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

BRIEF NEWS

जमशेदपुर में एक दर्जन इंस्पेक्टरों की हुई पोस्टिंग

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर में एक दर्जन इंस्पेक्टर की पोस्टिंग की गई है। एसएसपी किशोर कौशल ने इससे सम्बंधित आदेश जारी कर दिया है। मधुसूदन डे को घाटशिला, रामबाबू मंडल को एमजीएम, निरंजन कुमार को मानगो, नित्यानंद प्रसाद को जुगसलाई, संजय कुमार मालवीय को गोलमुरी, कुमार सरयु आनंद सोनारी, प्रवेश चन्द्र सिन्हा को बागबेड़ा, शैलेन्द्र को टेल्को, उमेश कुमार ठाकुर को बिष्टुपुर, आलोक कुमार दुबे को बमार्माइंस, राकेश कुमार सिंह को आजादनगर ओर फैज अहमद को परसुडीह का थानेदार बनाया गया है।

हॉकी प्रो लीग हुआ शुरू

ROURKELA : एफआईएच हॉकी प्रो लीग राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में सोमवार शुरू हुआ। पहला मैच नीदरलैंड और यूएसए महिला हॉकी टीम के बीच है, जबकि उद्घाटन मैच भारत और चीन के बीच है। खेल प्रेमियों के बीच खेल देखने की गहरी दिलचस्पी देखा जा रहा है।हजारों के संख्या में हॉकी प्रेमी स्टेडियम पोहुंचे। सुरक्षा के लिए व्यापक पुलिस बंदोबस्त किये गये हैं।

समेलई परिक्रमा परियोजना के तहत श्रद्धालु हुए रवाना

ROURKELA : समलेई परिक्रमा परियोजना को दर्शन के लिए रघुनाथपाली विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों महिला, पुरुष और बुजुर्ग माताएं पहुंचे। रघुनाथपल्ली के विधायक सुब्रत तराई के नेतृत्व में सुबह करीब 22 बसों के साथ यात्रा संबलपुर के लिए रवाना हुई।

रवि राय बने जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष

ROURKELA : वरिष्ठ कांग्रेस नेता रवि राय को राउरकेला जिला कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष चुना गया है। खबर प्रचार के बाद कांग्रेस के हर तरफ से रवि राय को शुभकामनाओं का तांता लग गया। वह पहले भी इस पद पर काम कर चुके हैं और अब यह महत्वपूर्ण समय पर उन्हें दोबारा इस पदभार से नवाजा गया है। उन्होंने संगठन को मजबूत करने और सभी के साथ मिलकर काम करने के प्रयास जारी रखने का काम करेंगे कहा है। रवि राय ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सभापति सरत पटनायक एवं ओडिशा प्रभारी अजय कुमार के प्रति अपना आभार व्यक्त किया है।

भलियाडीह में पानी की समस्या, ग्रामीणों ने जतायी नाराजगी

CHAIBASA : चक्रधरपुर प्रखंड की ईटोर पंचायत के भलियाडीह गांव में स्थानीय ग्रामीण पानी की समस्या से जुझ रहे है। गांव में पानी की समस्या रहने पर सोमवार को ग्रामीणों ने नाराजगी जतायी। इस दौरान ग्रामीणों ने पेयजल विभाग व स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों के खिलाफ भी रोष व्यक्त किया। मौके पर ग्रामीणों ने कहा कि गांव में पानी के लिए वर्षों पूर्व बनाया गया जल मीनार पिछले लगभग दो साल से खराब पड़ा है।वहीं डीएमएफटी फंड से निर्माण कराया गया जलमीनार का टंकी फटा होने के कारण ग्रामीणों को पानी नहीं मिल पाता है। ग्रामीणों ने बताया कि भलियाडीह गांव में लगभग एक हजार से अधिक की आबादी है।गांव में पानी की समस्या रहने पर लंबी दूरी तय कर दूसरे गांव से जाकर पीने व अन्य जरुरत के लिए पानी लाना पड़ता है। ग्रामीणों ने कहा कि इसे लेकर कई बार विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ पंचायत प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया है, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। पंचायत प्रतिनिधि कहते हैं कि फंड आने पर ही जलमीनार की मरम्मति करायी जाएगी।

श्रम मंत्री ने विभिन्न विकास योजनाओं का किया शिलान्यास

वार्ड नंबर 22 से रेलवे कॉलोनी तक की सड़क का काम शुरू

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला विधायक और ओड़िशा सरकार के श्रम और ईएसआई विभाग के मंत्री सारदा प्रसाद नायक ने सोमवार को राउरकेला के विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों का शुभारंभ किया है। राउरकेला 33 नंबर बोर्ड सेक्टर-21 और नया बाजार क्षेत्र में गुंडिचा मंदिर के सामने सड़क और नाली के लिए 3.49 लाख, रहमतनगर क्षेत्र में सड़क के लिए 40.80 लाख और राजीव बस्ती क्षेत्र में 14.51 लाख रुपये स्वीकृत हुए है। वार्ड नंबर 22 से रेलवे कॉलोनी तक की सड़क का काम शुरू हो गया है।

कार्यक्रम में उपस्थित श्रम मंत्री व अन्य। ● फोटोन न्यूज

राउरकेला महानगर निगम द्वारा प्रस्तावित इस सुधार परियोजना में बीजू जनता दल शहर अध्यक्ष गगन पांडा, अनिल जेना, निमाइ राऊत, इजाज अहमद, समसेर, मिनकेतन नयाक डॉ. अनिल जेना, निरंजन नाइक, पुपु महंती, श्याम सुंदर पांडा, राजेंद्र यादव, बब्लू प्रसाद, केशव जेना, विकास जेना काली दास, दिलीप साहू, विनय महंती, राजू मल्लिक, सरोज जेना, योगिंदर सिंह, बिशन साव, प्रह्लाद सिंदरिया प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का पानपोसा स्थित मां काली मंदिर में सम्मेलन आयोजित

PHOTON NEWS ROURKELA : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद राउरकेला की ओर से पानपोसा स्थित मां काली मंदिर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। एबीभीपी ने नगर सम्मेलन के माध्यम से शैक्षणिक वर्ष 2024 के लिए अपने नगर कार्यकर्ताओं की घोषणा की। जिसमें एबीभीपी के सुंदरगढ़ के विभाग संगठन संपादक उपस्थित रहे और उन्होंने नगर शाखा की घोषणा की और एबीवीपी के लक्ष्य और आदर्शों की जानकारी दी। सम्मेलन में छात्र स्वयं को राष्ट्रीय सेवा में कैसे संलग्न कर सकते हैं, इस पर चर्चा की गई। बच्चों को अपने ज्ञान, चरित्र और एकता पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए गए और उन्हें सेवा और विकास में लगे रहने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अर्घदीप बनर्जी को महानगर अध्यक्ष के रूप में चुना गया, जबकि राउरकेला ऑटोनॉमस कॉलेज के छात्र नेता ज्योतिर्मय स्वाई को महानगर संपादक के रूप में चुना गया।

कार्यक्रम में उपस्थित परिषद के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

इस सम्मेलन में विभिन्न कॉलेजों के 20 से अधिक छात्र उपस्थित थे। लक्ष्मीधर सर के रूप में उपाध्यक्ष सहसंपादक-राजेंद्र प्रसाद प्रधान, लकी मिश्रा, छात्र विकास समन्वयक-कान्हू चरण बारिक, छात्र सेवा समन्वयक-कुंदन सिंह, राष्ट्रीय कला रंगमंच समन्वयक-सोनम गिरी, छात्रा प्रमुख-सोनाली गोराई, स्पोर्ट्स इंडिया समन्वयक-अजय गौड़ , सीडीडी समन्वयक - सतीश होता, नगर पदाधिकारी - विशाल राम, इंद्रजीत राऊत, नंदिनी बड़ाईक, तारामणि ओराम, समीर मुंडा की घोषणा की गई।इस अवसर पर विभाग सह प्रमुख समीर राउत उपस्थित होकर बच्चे का प्रोत्साहित किए।

सुंदरगढ़ में 31 लक्ष्मी बस सेवा शुरू, मंत्री विधायक व जिला अध्यक्ष ने की यात्रा

PHOTON NEWS SUNDARGARH : सुंदरगढ़ जिले में आज से सोमवार से लक्ष्मी बस शुरू हो गयी। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने आज वर्चुअल माध्यम से बरगढ़, बलांगीर, क्योंझर, मयूरभंज जिलों के साथ सुंदरगढ़ जिले में इस बस सेवा का उद्घाटन किया। इस बस सेवा का लाभ जिले के 269 पंचायतों के लाभुकों को मिलेगा। सुंदरगढ़ जिले में 65 लक्ष्मी बसें चलेंगी।

यात्रा के लिए तैयार मंत्री, विधायक व अन्य। ● फोटोन न्यूज

उनमें से प्रथम चरण में आज पंचायत से ब्लॉक महकुमा तक 31 बसें चलेंगी। इस बस में महिलाएं और छात्राएं सिर्फ 5 रुपये में सफर कर सकेंगी। सुंदरगढ़ में आयोजित उद्घाटन समारोह में सोमवार को श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक, सुंदरगढ़ विधायिका कुसुम टेटे, बणई विधायक लक्ष्मण मुंडा, जिला परिषद अध्यक्ष कुंती प्रधान, विशेष विकास परिषद अध्यक्ष बीनय टोप्पो और पूर्व विधायक योगेश सिंह उपस्थित थे। उद्घाटन सभारोह में सैकड़ों के संख्या लोग शामिल हुए। उद्घाटन के बाद मंत्रियों, विधायकों, जिलापाल और अन्य अधिकारियों ने टिकट खरीदे और बस में पहले यात्रा किए हैं।

विधायक दीपक बिरुवा ने किया पीसीसी सड़क का शिलान्यास, बोले-

विकास कार्य के लिए समर्पित है सरकार

PHOTON NEWS CHAIBASA : विधायक दीपक बिरुवा ने सदर प्रखंड अंतर्गत पंडावीर पंचायत के पासुबेड़ा में पीसीसी सड़क का शिलान्यास किया। यह सड़क डीएमएफटी फंड से करीब एक करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से पासुबेड़ा देवस्थल से पासुबेड़ा मुख्य सड़क तक बनेगी। इस दौरान पुजारी के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना के बाद नारियल फोड़ कर कार्य का शुभारंभ किया गया। सड़क का निर्माण कार्य को शुभारंभ करते हुए विधायक ने कहा कि यह सड़क काफी जर्जर हालत थी।

शिलान्यास कार्यक्रम में उपस्थित विधायक। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि लोगों को आवागमन में काफी असुविधा हो रही थी। ग्रामीणों द्वारा इसके निर्माण की मांग काफी दिनों से की जा रही थी। ग्रामीणों को जर्जर सड़क से निजात मिले, इसलिए इस सड़क का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार विकास कार्य को लेकर समर्पित है। इसलिए क्षेत्र में सड़क, पुल और पीसीसी सड़क का निर्माण किया जा रहा है। मौके पर विधायक ने संवेदक को पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस सड़क के बन जाने से ग्रामीणों को सीधे तौर पर इसका लाभ मिलेगा। इसलिए इसका निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण कराया जाए। इसके अलावा क्षेत्र में कई ऐसी सड़कों का चिन्हित किया गया है। इसका निर्माण व जीर्णोद्धार जरूरी है। जल्द ही उन सड़कों का भी कायाकल्प कराया जाएगा। इस दौरान विधायक ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी एवं ससमय समाधान करने का आश्वासन दिया।

मौके पर झामुमो पांडवीर पंचायत अध्यक्ष सूरज बोयपाई, ग्रामीण मुंडा सोनाराम सुरीन, तुलसी नाथ बोयपाई, सुखबीर बोयपाई, दिलीप बोयपाई, डांगुर सुरीन, सिदीयू सुरीन, रामकृष्ण सुरीन, मालती, जीरा, शांति, चरीबा, रीना, महेंद्र नाग सहित काफी संख्या में स्थानीय लोगों के अलावा संवेदक मौजूद थे।

एमबीएनएस में लैंगिक समानता के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर कार्यशाला

लैंगिक समानता की जानकारी देते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : एमबीएनएस इंस्टिट्यूट ऑफ एजूकेशन में लैंगिक समानता के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसकी शुरूआत प्रिंसिपल इन चार्ज पिंकी सिंह के द्वारा की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और व्याख्याता निश्चय के संस्थापक एवं सचिव तरुण कुमार थे। इस कार्यशाला में तरुण कुमार ने छात्र छात्राओं के बीच लैंगिक समानता के बारे बताये साथ साथ सुदूर इलाको के ग्रामीण क्षेत्रों में लकड़ियों के बाल बिवाह और लड़कियों में होने बाले पीड़ा के बारे में जानकारी दी। तरुण कुमार ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आज क्यों जरुरी है उसके बारे जागरूक करने की कोशिश की। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य पिंकी सिंह, एसिटेंट प्रोफेसर सपना कुमारी राय, दीपिका राज, भबतारण भकत एवं छात्र-छात्रा और छात्रों आदि शामिल हुए।

सिदगोड़ा में चोरी के दो आरोपी की पिटाई, एक की मौत, दूसरा घायल

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के सिदगोड़ा में चोरी के आरोपी की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के जाहेर टोला के पास सोमवार तड़के चार बजे की है। भीड़ ने चोरी के दो आरोपियों की बुरी तरह से पिटाई कर दी। घटना की सूचना पाकर सिदगोड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया। वहां इलाज के दौरान अमन मुंडा की मौत हो गई, जबकि घायल संजीत धान का इलाज चल रहा है। संजीत का दायां हाथ टूट गया है।

एमजीएम में इलाजरत घायल। ● फोटोन न्यूज

चोरी का सिलेंडर बेचने निकले थे दोनों : घायल संजीत ने बताया कि सुबह अमन ने उसे फोन किया और कहा कि सिलेंडर को बेचकर पैसे ले लेते हैं। दोनों सुबह चार बजे चोरी का सिलेंडर बेचने निकले थे। इतने में जाहेर टोला के पास 20 से 25 की संख्या में बस्ती वालों ने उन्हें घेर लिया और पिटाई शुरू कर दी। सभी लाठी डंडे से पिटाई कर रहे थे। पुलिस ने दोनों को बचाया और इलाज के लिया अस्पताल पहुंचाया। इधर सूचना पाकर डीएसपी सिटी सुधीर कुमार मौके पर पहुंचे और पूछताछ शुरू कीर दी है।

गुईरा गांव में समुदाय शिक्षण संसाधन केंद्र का हुआ उद्घाटन

PHOTON NEWS CHAIBASA : चाईबासा सदर प्रखंड के बड़ा गुईरा गांव में एस्पायर सामाजिक संस्था के समुदाय शिक्षण संसाधन केंद्र का उद्घाटन डीडीसी संदीप कुमार मीणा ने फीता काट कर किया। जिसमे संस्था द्वारा समुदाय को कम्प्यूटर शिक्षा से जोड़ने हेतु इस सेंटर में 7 सिस्टम, 5 लैपटॉप,प्रिंटर,जेरॉक्स मशीन,प्रोजेक्टर आदि प्रकार की गशैक्षणिक सामग्रियां प्रदान की गयी। जिसका संचालन समुदाय के लोगों के द्वारा टीम गठित कर कम्प्यूटर टीचर भी संस्था के द्वारा ही प्रदान की जायेगी।

इसका लाभ गांव के लोगों, बच्चों, महिलाओं को डिजिटल दुनिया से अवगत कराये रखने मे सम्पूर्ण सहयोग मिलती है। मौके पर डीडीसी ने इस पहल की काफी सराहना किया और कहा की गांव के विकास हेतु प्रशासन से जितनी सुविधाएं मिलती है इसे मुहैय्या करवाने की कोशिश करूंगा। साथ ही लाइब्रेरी के लिए भी जितना हो सके हर संभव सहयोग करूंगा। वही मुखिया संघ के अध्यक्ष हरिन तामसोय ने कहा कि यह एस्पायर सामाजिक संस्था ड्राप आउट और अनामांकित बच्चों को पुनः विद्यालय भेजने हेतु सहयोग करती है। इसके साथ ही विद्यालयों में बेहतर शिक्षा का माहौल बनाने में सहयोग करती है।

उन्होंने कहा कि कम्प्यूटर ज्ञान देकर यह पहल एक नयी पीढ़ी की शुरूआत करती है। वहीं मौके पर एस्पायर सामाजिक संस्था के स्टेट कोर्डिनेटर सह जिला कोर्डिनेटर जी नरेश ने संस्था का विस्तार रूप से चर्चा किया।

घोड़ाबंधा में विकसित भारत संकल्प यात्रा आयोजित

PHOTON NEWS CHAIBASA : मझगांव प्रखंड अंतर्गत घोड़ाबंधा पंचायत भवन में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम सोमवार को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में काफी संख्या में महिलाएं पुरुष एवं ग्रामीण उपस्थित हुए। केंद्र सरकार के सभी जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में आयुष्मान भारत, पीएम किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, उज्ज्वला गैस योजना, अटल पेंशन योजना, पी एम जीवन ज्योति बीमा योजना आदि के बारे में पूर्व मझगांव भाजपा प्रत्याशी भूषण पाट पिंगुआ ने विस्तारपूर्वक बताया।

इस कार्यक्रम में अल्पसंख्यक मोर्चा के मंडल अध्यक्ष मजहर हुसैन, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुजीत कुमार बेहरा,मंडल उपाध्यक्ष अर्जुन हेंब्रम, घनपती पान,मंगल सिंह जेराई, विस्तारक सूरज राज, कुमारडूंगी मंडल अध्यक्ष नारायण हेंब्रम ,जिला महामंत्री जगदीश पाट पिंगुआ एवं प्रखंड कृषि पदाधिकारी बस्के जी उपस्थित हुए।

रोलाडीह में 15 व 16 को खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

CHAIBASA : रोलाडीह गांव में बसंत पंचमी के अवसर पर प्रत्येक साल झारखंड स्पोर्टिंग क्लब मागुरदा की ओर से दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इस साल यह प्रतियोगिता 15 व 16 फरवरी को आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर पूरी तैयारी कर ली गई है। प्रतियोगिता में विभिन्न इवेंट का आयोजन किया गया है।

दिल्ली हाट में माघे पर्व में शामिल हुए पश्चिम सिंहभूम के आदिवासी संगठनों के पदाधिकारी

PHOTON NEWS CHAIBASA : आदिवासियों का दिसुम दिल्ली नामक संस्था द्वारा दिल्ली हाट में आयोजित माघे पर्व के दौरान उक्त संस्था के महासचिव सुरेंद्र आल्डा, सचिव विक्रम हेस्सा, आयोजक सचिव रुपेश बुडिउली, कोषाध्यक्ष रूप नारायण देवगम को आदिवासी कल्याण केन्द्र किरीबुरू के प्रतिनिधि गोपी लागुरी, श्याम बिरुवा, सतीश कुमार बोयपाई एवं आदिवासी हो समाज युवा महासभा के केंद्रीय महासचिव गब्बर सिंह हेंब्रम, केंद्रीय उपाध्यक्ष इपिल सामड, कोषाध्यक्ष महर्षि महेंद्र सिंकु, चक्रधरपुर के मदन बोदरा के द्वारा सम्मानित किया गया। गोपी लागुरी ने बताया कि देश की राजधानी दिल्ली में आदिवासियों का ऐतिहासिक माघे पर्व का आयोजन अपने आप में मिशाल है। ऐसे आयोजनों से हमारी भाषा व संस्कृति को अन्य समुदाय के लोग बेहतर तरीके से जान व समझ सकेंगे।

बिसरा के सेंट जेवियर्स पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव आयोजित

ग्रामीण क्षेत्र में इस स्तर का विद्यालय शिक्षा के स्तर को दशार्ता है

PHOTON NEWS ROURKELA : बिसरा सेंट जेवियर्स पब्लिक स्कूल का छठवां वार्षिक उत्सव सोमवार को धूमधाम से मनाया गया । कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बिश्रा से जिला परिषद सदस्य एवं पूर्व विधायक हालू मुंडारी मंचासिन थे, वहीं राउरकेला के प्रमुख अधिवक्ता सत्यव्रत ओझा एवं बिश्रा ब्लाक चेयरपर्सन फूलमनी केरकेट्टा सम्मानित अतिथि, जराईकेला के समिति सदस्य सोमनाथ राहा , पत्रकार देव कुमार दे विशेष अतिथि और प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की संयोजक ज्योत्स्ना नन्दा मुख्य वक्ता के रूप में मंचासिन थे।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

सर्वप्रथम विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय के राम गुप्ता को सभी अतिथियों ने श्रद्धांजलि अर्पित किए एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। सेंट जेवियर्स पब्लिक स्कूल के निर्देशक सह प्रिंसिपल विभूति कुमार गुप्ता ने वार्षिक विवरण प्रस्तुत किया और कहा कि बिश्रा ब्लाक जैसे छोटे अंचल में भी अंग्रेजी माध्यम का विद्यालय खोलकर हर तरह की अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होकर बच्चों को शिक्षित किया जा रहा है, इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय का वेबसाइट का आरम्भ किया।

मुख्य अतिथि हालु मुंडारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि बिश्रा जैसे ग्रामीण क्षेत्र में इस स्तर का विद्यालय का होना शिक्षा के स्तर को दशार्ता है और हम विद्यालय कमेटी को धन्यवाद देते हैं।

कार्यक्रम में सेंट जेवियर्स पब्लिक स्कूल को प्रत्येक क्षेत्र में सहयोग करने के लिए कई समाज सेवियों को सम्मानित किया गया ,बिसरा के तारिक अनवर अंसारी, वयोवृद्ध समाजसेवी गोपाल सिंह , बाबू खान, विजय प्रसाद साहू, भालूलता की समाज सेविका बिलासी चेरोवा ,शिक्षक विद्याधर सेठी एवं पत्रकार देव कुमार दे को मानपत्र और गमछा देकर सम्मानित किया गया। छात्रों को विभिन्न खेलों में एवं पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर उत्साहित किया गया साथ ही शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए कई शिक्षक शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया।

समारोह में नर्सरी एवं अन्य कक्षा के बच्चों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और अपने प्रतिभा का लोहा मनवाया। कार्यक्रम में सेंट जेवियर्स पब्लिक स्कूल के निर्देशक प्रिंसिपल विभूति कुमार गुप्ता , नीनेन्दू कर ,संतोष तराई, सिराज मलिक, कल्याणी गुप्ता, संध्या सिंह, प्रतिमा दास, पूनम साहू, आकांक्षा साहू, के प्रबल्लिका, अमृत गुप्ता, के नेहा, रूमीना सतपति, पंकज शर्मा, अभिजीत आचार्या, सोनिया शर्मा ,स्मिता पाल ,लाडली परवीन, रश्मि मिंस एवं सबीना खातून मुख्य रूप से उपस्थित थे।

प्रोटोकॉल तोड़कर बस्ती पहुंचे राज्यपाल लोगों के समस्याओं की ली जानकारी

बस्ती के लोगों की समस्या सुनते राज्यपाल। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS SUNDARGARH : ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास सुंदरगढ़ जिले के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे हैं। कल शाम जब वह झारसुगुड़ा से सड़क मार्ग पर आ रहा था तो रास्ते में बीजेपी विधायिका कुसुम टेटे ने उन्हें रोका। विधायिका ने राज्यपाल को किरेई के पास झुग्गी बस्ति की गंभीर स्थिति के बारे में सूचित किया। राज्यपाल भी प्रोटोकॉल तोड़कर लोगों से मिलने झुग्गी बस्ती में पहुंच गये। राज्यपाल ने पाड़ा बस्ती के लोगों की समस्याओं और पीड़ाओं के बारे में जानकारी ली। बस्ती पड़ा के लोगों ने राज्यपाल को बिजली, पेयजल और सड़कों की खराब स्थिति से अवगत करवाए। विधायिका ने अभियोग किए कि वहां रहने वाले 50 से अधिक परिवार बुनियादी सेवाओं से वंचित हैं। लोगों ने राज्यपाल से अपील की कि वे स्थानीय प्रशासन को झुग्गी-झोपड़ी की समस्या का समाधान करने का निर्देश दें।

तेजस्वी आवास में रात 1 बजे घुसी पुलिस

समर्थकों ने नारेबाजी की फ्लोर टेस्ट से पहले विजय चौधरी के घर मीटिंग, 4 विधायक नहीं पहुंचे

एजेंसी

पटना । बिहार में नीतीश सरकार का सोमवार (12 फरवरी) को फ्लोर टेस्ट है। इससे पहले यहां सियासी हलचल तेज हो गई है। BJP, RJD, JDU, कांग्रेस, लेफ्ट और हम पार्टी ने अपने-अपने विधायकों की तगड़ी बाड़ेबंदी की है। तेजस्वी आवास पर रविवार शाम से गहमागहमी रही। लालू-राबड़ी ने शाम में कैंप किया। इस बीच पूर्व सांसद आनंद मोहन के छोटे बेटे अंशुमन आनंद ने एक पुलिस कंप्लेन की। इसमें दावा किया गया कि उनके बड़े भाई और RJD विधायक चेतन आनंद 10 फरवरी से गायब हैं। इसके बाद रात 10 बजे तेजस्वी आवास पर अचानक सिटी SP चंद्र प्रकाश और SDM भारी संख्या में पुलिस बल के साथ पहुंचे। इसको लेकर राजद समर्थकों ने जमकर हंगामा किया।

इसके बाद प्रशासन को तुरंत लौटना पड़ा। फिर रात 1 बजे भारी पुलिस फोर्स के साथ सिटी SP और SDM फिर से तेजस्वी आवास पहुंचे। इस बार फोर्स की मदद से अफसर राजद समर्थकों को हटाकर तेजस्वी आवास के अंदर घुस गए। करीब 40 मिनट तक पुलिस अफसर अंदर रहे। भारी विरोध के बीच उन्हें फिर लौटना पड़ा। मुख्य गेट से पुलिस भी हटानी पड़ी। RJD ने रात 1:15 बजे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट करके लिखा- नीतीश कुमार ने सरकार जाने के डर से हजारों की संख्या में पुलिस भेजकर तेजस्वी के आवास को चारों तरफ से घेर लिया है। ये किसी भी तरह से तेजस्वी आवास के

अंदर घुसकर विधायकों के साथ अप्रिय घटना करना चाहते हैं।इधर, दो दिन से गया के होटल में रुके BJP के सभी विधायक रविवार की देर शाम तीन बसों में पटना लौटे। विधायक डिप्टी CM विजय कुमार सिन्हा के आवास पर रात्रि भोज में शामिल हुए। इन विधायकों के साथ बिहार प्रभारी विनोद तावड़े भी मौजूद रहे। वहीं, मंत्री विजय चौधरी के आवास पर JDU विधायकों की बैठक डेढ़ घंटे तक चली। बैठक में 4 विधायक नहीं पहुंचे थे। ये चारों विधायक बीमा भारती, संजीव सिंह, दिलीप राय और सुदर्शन शनिवार को मंत्री श्रवण कुमार के बंगले पर आयोजित भोज में भी नहीं पहुंचे थे। रूपौली विधायक बीमा भारती का मोबाइल स्विच ऑफ है।बैठक खत्म होने के बाद विजय चौधरी ने कहा कि CM हम हर हाल में बहुमत हासिल करेंगे। जो 2 या 3 विधायक नहीं आए, वह पार्टी को विधिवत सूचना दी है। कल सबसे पहले राज्यपाल का अभिभाषण होगा। फिर विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आएगा।पूर्व डिप्टी CM के बंगले पर लालू यादव की उपस्थिति में RJD-कांग्रेस और लेफ्ट के सभी विधायकों ने तेजस्वी यादव को अपना नेता चुना है।कांग्रेस विधायक हैदराबाद से पटना पहुंच गए हैं। उन्हें रिसीव करने खुद प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह पहुंचे। एयरपोर्ट से सभी विधायक तेजस्वी यादव के आवास पहुंचे।फ्लोर टेस्ट से पहले राजभवन में लीगल एडवाइजर की पूरी टीम को बदल दिया गया है।

संक्षिप्त डायरी

अपराधियों ने पूर्व मुखिया और व्यपारी को मारी गोली

पटना । पटना के नौबतपुर में थाने से महज 200 मीटर की दूरी पर अपराधियों ने रविवार की शाम दो लोगों को गोली मार दी। गोलीबारी से पूरे बाजार में भगदड़ मच गया। लोग इधर-उधर भागने लगे। इस बीच मौके का फायदा उठाकर अपराधी वहां से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही नौबतपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को इलाज के लिए पटना एम्स में भर्ती कराया है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।दरअसल, पूर्व मुखिया सह होम्योपैथिक डॉ. बृजभान प्रसाद (75) अपने दुकान पर मरीजों को देख रहे थे, तभी मोटरसाइकिल से आए दो अपराधियों ने उन पर फायरिंग कर दी। भागने के दौरान अपराधियों ने पास के एक दुकानदार नवरत्न कुमार (40) पर भी गोली चला दी। आसपास के लोगों ने बताया कि गोली बृजभान के कंधे से लगते हुए सीने में टकरा गई। वहीं नवरत्न कुमार के हाथ में गोली लगी है। गोलीबारी की घटना के बाद अपराधी वहां से हथियार लहराते हुए फरार हो गए।फुलवारी शरीफ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी विक्रम सिहाग ने बताया कि घटना के कारणों का फिलहाल कुछ भी पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरा को खंगाल जा रहा है।

आग में झुलसने से महिला की मौत

पूर्णिया । पूर्णिया में एक महिला की अलाव की आग में झुलसने से मौत हो गई। हादसा तब हुआ जब वे अलाव के समीप बैठकर आग ताप रहीं थीं। आग की लपटों से महिला के शरीर का 70 फीसद से अधिक हिस्सा झुलस गया था। घटना के फौरन बाद आग में झुलसी महिला को इलाज के लिए हायर सेंटर ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। दर्दनाक घटना बीकोठी थाना क्षेत्र के ओरलाहा गांव की है।मृतका की पहचान बड़हरा थाना क्षेत्र के ओरलाहा गांव निवासी कमलेश्वरी पासवान की पत्नी अरुणा देवी (60) के रूप में हुई है।दामाद विनोद पासवान ने बताया कि ठंड लगने पर रविवार शाम उनकी सास चबूतरे में अलाव जलाकर आग ताप रही थीं। कि तभी कुछ पल के लिए उनका ध्यान भटका और इसी दौरान उनकी साड़ी का निचला हिस्सा अलाव के आग की चपेट में आ गया। देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो उठी। जिसके बाद चीखने की आवाज घर में मौजूद सदस्यों ने किसी तरह आग बुझाया और आग की लपटों में झुलसी महिला को स्थानीय अस्पताल में एडमिट कराया गया। जहां महिला की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने महिला को GMCH पूर्णिया रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई।वहीं, मृतका की मौत की खबर जैसे ही परिजनों तक पहुंची चीख पुकार मच गई। घटना की जानकारी देते हुए जीएमसीएच के चिकित्सक डॉक्टर अवनीश कुमार ने बताया कि आग में झुलसने से महिला की बॉडी का 70 फीसद से अधिक हिस्सा झुलस गया था।

शौचालय की टंकी में गिरने से बच्चे की मौत

गया । बोधगया थाना क्षेत्र अंतर्गत मगध विश्वविद्यालय में खेलने के दौरान दो साल के बच्चे की शौचालय की टंकी में गिरने से मौत हो गई। जिसको लेकर कर्मियों और यूनियन संघ के नेताओं का कुलपति और रजिस्ट्रार के प्रति खासा नाराजगी है। लोगों ने मगध विश्वविद्यालय प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है।बता दे, बच्चा अपनी दादी के साथ घूम रहा था, कुछ देर बाद बच्चे को न देख स्वजन उसकी तलाश में जुटे पर उसका पता नहीं चल सका। फिर हार थककर कैंपस में रहे शौचालय की ओर बढ़े तो सभी सन्न रह गए, जर्जर शौचालय की टंकी में झांक कर देखा तो दो साल का मासूम शौचालय टंकी के अंदर पानी में उपलाया हुआ था। घटना रविवार की शाम बताई जा रही है। जांच-पड़ताल के दौरान बच्चे को शौचालय की टंकी से बाहर निकाला गया। अचेत बच्चे को आनन-फानन में एम्स अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।इधर, इस घटना से परिजनों का रो-रो कर बूरा हाल है। पूरे मगध विश्वविद्यालय के कैंपस में मातम पसरा है। मृत बालक की पहचान मगध विश्वविद्यालय में सूचना शाखा में क्लर्क रामा शंकर सिंह उर्फ सोनू का दो वर्षीय बेटे मुक्कू बाबू बताया जा रहा है।मगध विश्वविद्यालय प्रशासन पर लापरवाही का आरोप मगध विश्वविद्यालय के सरकारी क्वार्टर में रह रहे कर्मियों और यूनियन संघ के नेताओं का कुलपति और रजिस्ट्रार के प्रति खासा नाराजगी है। महासचिव शशि शेखर ने नाराजगी की वजह यह बताई है कि कई बार इस जर्जर शौचालय की टंकी की मरम्मत के लिए कुलपति और रजिस्ट्रार को यूनियन के माध्यम से लिखित पत्र दिया गया था लेकिन उनके कानों पर जूं तक नहीं रेंगी, जर्जर होने के साथ शौचालय की टंकी का मुंह भी टूटा था जिसे खुला छोड़ दिया गया था।

बालू लदे ट्रक ने बाइक सवार मैनेजर को रौंदा,मौत

आरा । सकड्डी-नासरीगंज मार्ग पर जिले के संदेश थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव के समीप रविवार की रात अज्ञात बालू लदे ट्रक ने बाइक सवार बालू घाट के मैनेजर को रौंद दिया। हादसे में उसकी मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। मृतक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के धोबहा ओपी अंतर्गत सलेमपुर गांव निवासी संतोष सिंह का 26 वर्षीय पुत्र भवेश सिंह उर्फ राहुल कुमार सिंह है। वह संदेश गांव स्थित 17 नंबर बालू घाट पर मैनेजर के पद पर कार्यरत था।इधर,मृतक के परिजन धर्मेन्द्र ने बताया कि उसके पिता की तबीयत खराब थी। जिसको लेकर रविवार की देर शाम वह दवा लेकर संदेश बालू घाट से बाइक पर सवार होकर वापस अपने गांव आ रहा था। उसी दौरान नारायणपुर गांव के समीप किसी अज्ञात बालू लदे ट्रक में उसे रौंद दिया। जिससे गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए संदेश रेफर अस्पताल ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत को चिंताजनक देखते हुए आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।इसके बाद परिजनों से इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ला रहे थे। तभी उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। बावजूद इसके परिजन उसे आरा सदर अस्पताल ले आए। जहां चिकित्सक ने देखा उसे मृत घोषित कर दिया। इसके पश्चात परिजनों ने इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम करवाया।

झोपड़ी में गैस सिलेंडर फटा ब्लास्ट

एजेंसी

भोजपुर। जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के वासुदेवपुर गांव में रविवार को गैस सिलेंडर फटने के कारण एक झोपड़ी में आग लग गई। वही, झोपड़ी से 30 मीटर की दूरी पर खेत में काम कर रहे बुजुर्ग किसान पर फटा गैस सिलेंडर उड़कर पैर पर जा गिरा। जिससे उनका पैर धड़ से अलग हो गया और बुरी तरह लहूलुहान हो गए। इसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया।

जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। जबकि झोपड़ी में आग लगने के कारण झोपड़ी में रखा पूरा सामान जलकर राख हो गया।जानकारी के अनुसार घायल बुजुर्ग बिहिया क्षेत्र के वासुदेवपुर गांव निवासी स्व.बलेश्वर सिंह के 60 वर्षीय बेटे भोला सिंह एवं पेशे से किसान है। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मच रही। इधर, घायल बुजुर्ग के पोते मनु कुमार ने बताया कि वह गांव में ही स्थित बृज किशोर उर्फ लंगड़ साव के झोपड़ी से कुछ दूरी पर अपना खेत पटा रहे थे।

डॉक्टर से असामाजिक तत्वों ने मांगी 10 लाख की रंगदारी

एजेंसी

सहरसा। सहरसा में जमीनी विवाद में कुछ असामाजिक तत्वों ने शहर के नामचीन डॉ संतोष कुमार सिंह को अपने निजी जमीन पर काम करने से रोका और 10 लाख की रंगदारी मांगी। इस मामले को लेकर रविवार को देर शाम आई एम ऐ.ने डॉ संतोष कुमार सिंह के नया बाजार स्थित क्लिनिक पर बैठक कर डॉ संतोष कुमार सिंह को मदद करने का आश्वासन दिया। इस बैठक में आई एम ए के अध्यक्ष डॉ के के झा,डॉ के सी झा,डॉ गोपाल शरण सिंह,डॉ आईडी सिंह,डॉ अजय कुमार सिंह,डॉ शैलेन्द्र कुमार,डॉ रवि,डॉ संतोष कुमार सिंह,डॉ जयंत आशीष,डॉ संजय

गुप्ता सहित कई डॉ मौजूद थे। मिली जानकारी के अनुसार डॉ संतोष कुमार सिंह सदर थाना क्षेत्र के नया बाजार स्थित सराही मोर के पास एक जमीन खरीदी थी। उक्त जमीन पर डॉ.संतोष कुमार सिंह के लोगों के द्वारा बीते 7 फरवरी को बॉण्डरी का कार्य करवाया जा रहा था। इसी दौरान कुछ आसमाजिक तत्वों द्वारा उक्त जमीन पर काम रोकने को कहा गया।लेवर मजदूर के साथ मारपीट किया गया था। साथ ही साथ डॉ से 10 लाख की रंगदारी की मांग की गई थी। इसी मामले को लेकर डॉ संतोष कुमार सिंह द्वारा सदर थाने में राहुल सिंह, उमेश पासवान, इंद्रजीत पासवान, मनोज पासवान, आशीष पासवान, छोटे लाल पासवान, संजीव पासवान, अनोज पासवान, विसुदेव पासवान के विरुद्ध मामला दर्ज करवाया था।लेकिन अभी तक पुलिस के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। आज फिर उक्त लोगों द्वारा उक्त जमीन पर पहुंच कर गेट में ताला मार दिया गया। इसको लेकर डॉ द्वारा पुलिस को सूचना भी दिया गया। इसी मामले को लेकर आज डॉ संतोष कुमार सिंह ने अपने निज क्लिनिक पर आई एम की बैठक आयोजित कर अपनी बातों को रखा।

जमीन बेचकर शादी के लिए रखे थे रुपए

एजेंसी

भागलपुर । भागलपुर मुजाहिदपुर थाना क्षेत्र के क्लबगंज में 26 जनवरी को हुए चोरी मामले में पुलिस का हाथ खाली है। पुलिस ना तो अभी तक चोरों की पहचान कर पाई है ना तो उनके पास कोई सबूत है। कलबगंज निवासी धनेश्वर प्रसाद यादव के बेटे बाबूलाल यादव के घर में 26 जनवरी को चोरी की गई थी। चोरों ने घर में शादी के लिए रखे रुपए करीब 3 लाख 25 हजार चोरी कर लिया था। मामले को लेकर बाबूलाल यादव ने मुजाहिदपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराया था।लेकिन पुलिस मामले का

खुलासा नहीं कर पाई। इधर, बबलू यादव के द्वारा चोरी की आशंका पर जगदीश चौधरी के बेटे राहुल चौधरी को पकड़कर थाने में सौंपा। बाबूलाल यादव ने बताया कि बेटी के घर से नतनी की शादी के लिए लाखों रुपए रखे थे। दूसरे दिन जब बैंक में जमा करने के लिए घर में पैसा खोजने लगे तो घर से संदूक बक्सा गायब था। उन्होंने आगे बताया कि चोरी की शिकायत मोजाहिदपुर थाना में लिखित रूप से दी गई थी। लेकिन पुलिस ने चोरों की पहचान नहीं कर पाई। चोरी की वारदात में चोरों ने लाखों रुपए समेत जेवरात जमीन के कागजात एवं जरूरी कागजात भी चोरी कर लिया था। मामले को लेकर शक के आधार पर बाबूलाल यादव ने मोहल्ले के एक युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया है। इधर, मामले को लेकर पुलिस छानबीन में जुट गई है।बाबूलाल यादव ने अपने बेटी के घर में नतनी के शादी के लिए लाखों रुपए जमा कर रखे थे। जब बैंक में जमा करने के लिए घर में रुपए खोजने लगे तो संदूक गायब था। जहां पर उन्होंने रुपए रखा था, इसके बाद उन्होंने घटना की जानकारी पुलिस को लिखित रूप से दिया।

डूबने से एक वृद्ध व्यक्ति की मौत

बगहा। बिहार के एक व्यक्ति की मौत डूबने से हो गई है। घटना उत्तर प्रदेश के नरकहा तुर्कहा की है। मौत से गांव में सन्नाटा फैल गया है। घटना रविवार की शाम की है, मृत व्यक्ति की पहचान पिपरासी प्रखंड के बहरी माई स्थान निवासी चुलाई साहनी के रूप मे हुई है।वृद्ध गांव से बाहर गए थे। उनके वापस आने के दौरान नदी में गिर गए। इसी क्रम में उनकी डूबने से मौत हो गई। घटना बिहार यूपी बॉर्डर के हनुमान गंज थाना क्षेत्र के तुर्कही नाला की है। स्थानीय ग्रामीण शैलेश यादव ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। स्थानीय मुखिया चंद्रिका प्रसाद ने

घटना की पुष्टि की है।उन्होंने कहा कि अक्सर इस नाला पर ऐसी घटनाएं हो जाती हैं। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वृद्ध उत्तर प्रदेश से बाजार करके बिहार आ रहे थे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया। वह नाले में गिर गए। जब तक उन्हें निकाला जाता तब तक उनकी डूब कर मौत हो चुकी थी।वहीं पुलिस घटना की जांच कर रही है।

महिलाओं के लिए बनेंगे पोर्टेबल पिंक मोबाइल टॉयलेट

पटना। पटनादरअसल पटना नगर निगम ने जर्जर वाहनों का इस्तेमाल कर छह मोबाइल टॉयलेट बनाने का फैसला लिया है। इस मोबाइल टॉयलेट को 6 अंचल में शुरू किया जाएगा। हर अंचल में एक मोबाइल टॉयलेट होगा। आयुक्त ने कहा कि पुणे से हम लोग लगातार संपर्क में है क्योंकि वहां का मोबाइल टॉयलेट और पिंक टॉयलेट काफी सफल रहा है, इसलिए हमलोग वहां से कुछ आइडिया ले रहे हैं।मोबाइल टॉयलेट अलग-अलग स्थल पर जाने वाला पोर्टेबल टॉयलेट होता है। इसे बनाने के लिए ऐसे वाहनों की जरूरत है, जिनकी बॉडी जर्जर हो चुकी है, लेकिन इंजन सही है। ऐसे वाहनों की जर्जर बॉडी को हटाकर नई बॉडी बनाई जाती है और उन्हें टॉयलेट का रूप दिया जाता है। इंजन सही होने पर ऐसे वाहनों को जरूरत के अनुसार अलग-अलग स्थलों पर ले जाया जा सकता है।

एक नाबालिग मैट्रिक की छात्रा से गैंगरेप

एजेंसी

जमुई। जमुई में एक नाबालिग (16) के साथ 5 लड़कों ने गैंगरेप किया है। गैंगरेप के बाद सभी लड़की को खेत में छोड़कर भागने की तैयारी में थे। ग्रामीणों ने चार युवकों को बंधक बना लिया। एक युवक भाग निकला। गांव वालों ने चारों युवकों को पुलिस को सौंप दिया। पुलिस चारों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बच्ची मैट्रिक में पढ़ती है।लड़की की मां ने मामले में खैरा थाना पुलिस को लिखित आवेदन देकर मामले की पूरी जानकारी दी है। सभी आरोपी पीड़िता के दूर के रिश्तेदार बताए जा रहे हैं।पीड़िता की मां ने बताया कि गांव में कुछ युवक अपने एक रिश्तेदार के घर आए थे। सभी युवक बरहट थाना क्षेत्र के रहने

वाले हैं। जो नाबालिग के दूर के रिश्तेदार बताए जाते हैं। नाबालिग की मां ने अपने आवेदन में बताया उनमें से दो युवकों का उसके घर अक्सर आना-जाना होता रहता था। बीते 8 फरवरी को भी सभी युवक

गांव के बालदेब राय के घर आए थे।बालदेव राय के घर किसी के नहीं होने के कारण वे लोग मेरी बेटी को अपने घर खाना बनाने ले गए, लगभग 11 बजे रात तक जब मेरी बेटी घर वापस नहीं आई तो उसे खोजने के लिए बालदेव राय के घर गई। जहां मेरी बेटी और सभी लड़कों को नहीं देखकर खोजबीन शुरू कर दी।लगभग एक घंटे के बाद मैंने अपनी बेटी को खेत में अस्त-व्यस्त अवस्था में देखा। इस घटना को लेकर पीड़िता की मां को आशंका है कि सभी आरोपियों ने उसके मुंह दबाकर खेत में ले गए फिर घटना को अंजाम दिया है। जिसके बाद पीड़िता ने अपनी मां को सारी कहानी बताई। पीड़िता की उम्र 16 वर्ष है और बताया जा रहा है कि वह मैट्रिक की छात्रा है।सदर एसडीपीओ सतीश सुमन ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। अनुसंधान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्थानीय थाना में आवेदन दिया गया है।

अंतरिक्ष की खास सैर

अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में एक नई क्रांति हुई है, जिसका स्वागत होना चाहिए। एक निजी कंपनी एक्सिओम ने अभियान चलाया था, जिसके तहत चार अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से होकर लौटे हैं। सबसे खास यह कि इस अंतरिक्ष यान में तीन सीटों के लिए भुगतान किया गया था। यह भी खास कि यह भुगतान दुनिया के तीन अमीरों ने नहीं, बल्कि तीन देशों की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसियों ने किया था। पहली बार तुर्किए के भी एक अंतरिक्ष यात्री को सफर का मौका मिला और यह तुर्किए के लिए बड़ी कामयाबी है। दरअसल, जिन देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां छोटी हैं, वैसे देश निजी अंतरिक्ष कंपनियों की मदद से अपनी इच्छाओं और अध्ययन को पूरा करना चाहते हैं। चूंकि अंतरिक्ष के सफर को स्वतंत्र रूप से साकार करना एक बेहद महंगा और बेहद कठिन काम है, इसलिए इस विरल सेवा में निजी कंपनियों का उतरना किसी खुशखबरी से कम नहीं है। आश्चर्य नहीं कि एक निजी कंपनी के दम पर तुर्किए, स्वीडन, इटली में जश्न का माहौल है, क्योंकि इन देशों के नागरिक अंतरिक्ष की सैर कर आए हैं। अंतरिक्ष यात्रियों की एक अखिल यूरोपीय चौकड़ी शुक्रवार की सुबह फ्लोरिडा तट पर अंतरिक्ष से नीचे उतरी और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए निजी कंपनी एक्सिओम स्पेस का तीसरा निजी मिशन पूरा हो गया। अभियान का नेतृत्व करने वाले एक्सिओम के मुख्य अंतरिक्ष यात्री माइकल लोपेज-एलेग्रिया, एक स्पेनिश-अमेरिकी नागरिक हैं और 65 की उम्र में भी एक सक्रिय अंतरिक्ष यात्री हैं। उन्हें नासा के साथ काम करने का भी लंबा अनुभव है। एलेग्रिया के नेतृत्व में यह अभियान अंतरिक्ष भ्रमण का कार्यक्रम नहीं था, बल्कि इस अभियान के तहत विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक प्रयोग किए गए हैं, जिनमें सभी अंतरिक्ष यात्रियों ने भाग लिया है। एक्सिओम के अनुसार, अंतरिक्ष यात्रियों ने परस्पर सहयोग से 30 से ज्यादा प्रकार के शोध-अध्ययन को अंजाम दिया है। सभी यात्रियों ने पेशेवर अंतरिक्ष यात्रियों जैसा प्रदर्शन किया है। ध्यान रहे, अभियान शुरू में दो सप्ताह तक चलने वाला था, पर खराब मौसम की वजह से वापसी यात्रा में कई दिनों की देरी हुई। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में यात्रियों को अतिरिक्त 18 दिन रुकना पड़ा। लोपेज-एलेग्रिया के साथ तुर्किए के पायलट और वायु सेना के कर्नल अल्पर गेजेरवसी, इतालवी वायु सेना के कर्नल वाल्टर विलादेई और स्वीडन के मार्कस वांड्ट ने सदा के लिए एक इतिहास रच दिया है। अंतरिक्ष विज्ञान में निजी क्षेत्र के लिए यह बहुत उत्साह बढ़ाने वाली बात है। एक्सिओम स्पेस की स्थापना 2016 में नासा के पूर्व वैज्ञानिक माइकल सुफ्रेडिनी और उद्यमी गफरियन ने की थी। यह कंपनी न केवल अंतरिक्ष यात्रा को संभव बना रही है, बल्कि यह स्पेससूट व स्पेस स्टेशन के विकास में भी लगी है और दुनिया की सबसे कुशल अंतरिक्ष एजेंसी नासा की भी मदद कर रही है। यह उन तमाम स्टार्टअप के लिए प्रेरणादायी है, जो अंतरिक्ष के क्षेत्र में काम करना चाहते हैं। यह भविष्य में एक बहुत बड़ा व्यवसाय हो सकता है।

एक और लंबी छलांग

इलेक्ट्रिक वीइकल, स्पेस ट्रैवेल से लेकर मंगल पर इंसानी बस्ती बसाने जैसे अनोखे आइडिया लाने और उन पर अमल के प्रयास शुरू कर देने के लिए मशहूर इलॉन मस्क ने एक बार फिर सबको चौंकाया है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया साइट एक्स पर यह जानकारी दी कि उनकी कंपनी न्यूरालिंक ने पहली बार किसी इंसान के दिमाग में चिप लगाई और शुरूआती संकेतों के मुताबिक यह प्रयोग सफल भी रहा। यह कदम मानव जीवन में साइंस और टेक्नॉलजी की भूमिका के नए दौर की शुरूआत साबित हो सकता है। वैसे, यह काम न्यूरालिंक से पहले दूसरी कंपनियां कर चुकी हैं। ब्लैकरॉक न्यूरोटेक नाम की कंपनी जो इस क्षेत्र में न्यूरालिंक की प्रतिद्वंद्वी है, वह पहले ही कई इंसानों के दिमाग में ऐसी चिप लगा चुकी है। खैर, न्यूरालिंक की यह पहल बड़ी है, लेकिन शुरू में इसका फायदा उन्हीं लोगों को मिलेगा, जो किसी वजह से अपने अंग गंवा चुके हैं या उनके अंग बेकार हो चुके हैं। ऐसे मरीजों के लिए सिर्फ सोचकर फोन, कंप्यूटर या ऐसे अन्य उपकरणों का इस्तेमाल करने की क्षमता वरदान साबित हो सकती है। थोड़ा आगे की बात करें तो इससे उन लोगों को भी फायदा हो सकता है, जिनके शारीरिक अंग तो दुरुस्त हैं, लेकिन दिमागी बीमारियों की वजह से वे उन्हें ठीक से काम में नहीं ला पाते। उदाहरण के लिए अलजाइमर, पार्किंसन ही नहीं, डिप्रेशन और यहां तक कि अडिक्शन के मामलों में भी यह चिप उपयोगी साबित हो सकती है। यह ध्यान में रखना जरूरी है कि बीमारियों का इलाज इस प्रयोग का सिर्फ एक पहलू है। मस्क ही नहीं, इस प्रयोग पर काम कर रहे अन्य लोगों का भी ध्यान वास्तव में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (अक) के जरिए इंसानी दिमाग की क्षमता बढ़ाने पर रहा है। तो आज नहीं तो कल बात उस तरफ जाएगी। यह विचार काफी लुभावना है कि दिमाग में एक चिप के जरिए दुनिया भर की जानकारी डाउनलोड कर इंसान बेतहाशा सूचनाओं को स्टोर करने की क्षमता बढ़ा ले। लेकिन इसमें खतरे भी कम नहीं। बुनियादी बात यह है कि ऐसा कोई चिप छह महीने या साल भर के लिए नहीं बल्कि लंबे समय (10-20 साल या इससे भी ज्यादा) के लिए लगेगा। लेकिन इतने लंबे समय तक दिमाग और चिप के बीच तालमेल बना रहेगा या नहीं, इस बारे में कोई स्टडी अभी नहीं हुई है।

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में विकास की नई सुबह

ANALYSIS

✍ जी. किशन रेड्डी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन आठ राज्यों को भारत की अष्टलक्ष्मी, विकास और समृद्धि का अग्रदूत कहा, तो पहली बार इनकी अंतर्निहित क्षमताओं को स्वीकार किया गया। इस क्षेत्र में तेज गति से स्थापित हो रहे सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी के जरिए इतिहास रचा जा रहा है। जहां तक गुणवत्ता का प्रश्न है, तो ये अवसंरचनाएं शेष भारत में उपलब्ध विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे जैसी ही हैं। यहां का युवा अब बंद, चक्काजाम और हड़ताल से परेशान नहीं हैं। अब उनके सपने पहले से कहीं ज्यादा सच हो रहे हैं। व्यापार को आसान बनाया गया है और पर्यटकों के लिए आकर्षण के नए केन्द्र बनाए गए हैं। यह सब बेहतर कनेक्टिविटी के कारण संभव हुआ है। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, अपने आप में, अभूतपूर्व राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रेरणादायक समर्पण और प्रत्येक भारतीय के लिए बेहद प्रिय एक लक्ष्य के सामूहिक स्वामित्व की गाथा है और वह लक्ष्य है-भारत के ईशान कोण में प्रगति व विकास की एक नई सुबह की शुरूआत।

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के राज्यों के अनूठे एवं खूबसूरत पहाड़ों व घाटियों में बदलाव की बयार बह रही है। दस वर्षों के अथक प्रयासों के बाद यहां शांति और विकास का एक नया युग शुरू हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन आठ राज्यों को भारत की अष्टलक्ष्मी, विकास और समृद्धि का अग्रदूत कहा, तो पहली बार इनकी अंतर्निहित क्षमताओं को स्वीकार किया गया। इस क्षेत्र में तेज गति से स्थापित हो रहे सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी के जरिए इतिहास रचा जा रहा है। जहां तक गुणवत्ता का प्रश्न है, तो ये अवसंरचनाएं शेष भारत में उपलब्ध विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे जैसी ही हैं। यहां का युवा अब बंद, चक्काजाम और हड़ताल से परेशान नहीं हैं। अब उनके सपने पहले से कहीं ज्यादा सच हो रहे हैं। व्यापार को आसान बनाया गया है और पर्यटकों के लिए आकर्षण के नए केन्द्र बनाए गए हैं। यह सब बेहतर कनेक्टिविटी के कारण संभव हुआ है। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, अपने आप में, अभूतपूर्व राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रेरणादायक समर्पण और प्रत्येक भारतीय के लिए बेहद प्रिय एक लक्ष्य के सामूहिक स्वामित्व की गाथा है और वह लक्ष्य है-भारत के ईशान कोण में प्रगति व विकास की एक नई सुबह की शुरूआत। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही में संपन्न एनईसी की 71वीं पूर्ण बैठक के दौरान सही ही कहा है कि पिछला दशक उत्तर-पूर्वी भारत के इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय रहा है। इस परिवर्तनकारी दृष्टिकोण ने न केवल इस क्षेत्र में संघर्ष-केंद्रित-प्रशासन के पारंपरिक मॉडल की अवधारणा को तोड़कर शासन के विकास-उन्मुख मॉडल को खड़ा किया है, बल्कि एक मजबूत एवं अपेक्षाकृत अधिक एकजुट भारत को बढ़ावा देते हुए सांस्कृतिक और सामाजिक एकीकरण के बीज बोए हैं। हाल ही में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में पहली अंतरराष्ट्रीय रेलवे कनेक्टिविटी, अगरतला-अखौरा रेल लिंक को हरी झंडी दिखाना, इस बात का गौरवपूर्ण उदाहरण है कि कैसे एक समय उपेक्षित रहा भारत का यह सुदूरवर्ती इलाका अब अंतरराष्ट्रीय व्यापार और पर्यटन मानचित्र पर उभर आया है। जीवंत संस्कृतियों और प्रचुर संसाधनों से लैस भारत का उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, एक ऐसा इलाका है जिसने काफी लंबे समय तक राजनीतिक उदासीनता का दंश झेला है। वास्तविक प्रतिबद्धता की कमी को छुपाने के लिए अक्सर हिंसा और अस्थिरता को एक सुविधाजनक ओट के रूप में इस्तेमाल किया जाता था और सिद्धांत एवं व्यवहार के बीच की बड़ी खाई बिल्कुल स्पष्ट दिखाई देती थी। हालांकि, पिछले दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किए गए निरंतर प्रयासों से इस क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में शांति और सुरक्षा का वातावरण बना है। सरकार भौगोलिक और सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों का डटकर सामना करते हुए विकास एवं समृद्धि के राजमार्ग तैयार कर रही है। अरुणाचल के किबिथू को देश के अंतिम गांव के बजाय भारत के पहले गांव और राष्ट्रव्यापी वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के लॉन्च पैड के रूप में पुनर्कल्पित करना उत्तर-पूर्वी क्षेत्र एवं इसके सुदूरवर्ती इलाकों के विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। वर्ष 2014 के बाद से 50 से अधिक मंत्रालयों द्वारा क्षेत्रीय विकास में पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ, यह क्षेत्र विकास के अवसरों का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है। वर्ष 2014 से, यहां एक वित्तीय क्रांति जारी है, जिसके तहत 54 केन्द्रीय मंत्रालयों द्वारा व्यय में 233 प्रतिशत की भारी वृद्धि (2014 में 24,819 करोड़ रुपये से बढ़कर 2023 में 82,690 करोड़ रुपये) या डोनर मंत्रालय के लिए बजट आवंटन में 152 प्रतिशत की वृद्धि (2014 में 2,332 करोड़ रुपये से बढ़कर 2023 में 5,892 करोड़ रुपये) की गई है। यह तथ्य एक ऐसे ठोस वित्तीय परिदृश्य की ओर इंगित करता है, जो परिवर्तनकारी एजेंडे को बढ़ावा देता है। हालिया पीएम-डिवाइन योजना, जिसमें विभिन्न राज्यों की जरूरतों के लिए 6,600 करोड़ रुपये की सहायता का वादा किया गया है, इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में परिवहन से परिवर्तन के अपने दृष्टिकोण को साझा किया था। आज 10 साल बाद, हम उनके इस दृष्टिकोण को अद्भुत रूप से साकार होते देख रहे हैं। कनेक्टिविटी अब सबसे गतिशील क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। चाहे वह 75 वर्षों में मणिपुर में पहली माल ढुलाई से संबंधित कनेक्टिविटी हो या 100 वर्षों के बाद नागालैंड में राज्य के दूसरे रेलवे स्टेशन की स्थापना हो या कई राज्यों से पहली बार हवाई सेवाओं का उड़ान भरना हो या 75 वर्षों में पहली मालगाड़ी का 2022 में मणिपुर पहुंचना हो या फिर दुनिया के सबसे ऊंचे गर्डर रेल ब्रिज के साथ जिरीबाम-इम्फाल रेलवे लाइन पर 141 मीटर ऊंचे पाए का निर्माण, एनईआर में कनेक्टिविटी में सुधार विस्मय एवं प्रेरणा का विषय रहा है। वर्ष 2014 से पहले, विशाल भारतीय रेलवे कभी भी गुवाहाटी या त्रिपुरा से आगे नहीं बढ़ पाई थी। लेकिन आज इसका नेटवर्क दूर-दूर तक फैला हुआ है और सभी राज्यों की राजधानियों को जोड़ने की योजना लगभग पूरी होने वाली है तथा स्वीकृत किए गए सेक्शनों में 170 प्रतिशत की पर्याप्त वृद्धि हुई है, जो प्रति वर्ष औसत से दोगुने से भी अधिक है (यूपीए-2 अवधि के दौरान 66.6 किलोमीटर प्रति वर्ष से बढ़कर वर्तमान में 179.78 किलोमीटर प्रति वर्ष)। राजनीतिक इच्छाशक्ति और सहयोग के भरोसे आए एक उल्लेखनीय वित्तीय उछाल ने इस बदलाव को संभव बनाया। यूपीए-2 युग की तुलना में वार्षिक बजट आवंटन में 384 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह वित्तीय वर्ष 2023-24 में बढ़कर 9,970 करोड़ रुपये हो गई। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी का यह प्रसिद्ध कथन कि अमेरिका की सड़कें इसलिए अच्छी नहीं हैं क्योंकि अमेरिका अमीर है, बल्कि अमेरिका अमीर इसलिए है क्योंकि अमेरिका की सड़कें अच्छी हैं, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में बिल्कुल सटीक तरीके से चरितार्थ होता है। एनईआर के विकास को प्राथमिकता देने के साथ, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग का विकास राष्ट्रीय औसत से भी आगे निकल गया है। इस सरकार के तहत उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में सड़कों का निर्माण कार्य दोगुना से अधिक हो गया है, जो यूपीए सरकार के तहत प्रतिदिन केवल 0.6 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग से बढ़कर 2014 से 2019 के बीच 1.5 किलोमीटर हो गया है। परिणामस्वरूप, आजादी के बाद से 2014 तक, एनईआर में केवल 10,905 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग थे, लेकिन केवल 10 वर्षों की अवधि में, 2023 तक यह आंकड़ा बढ़कर इस क्षेत्र में 16,125 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग हो गया। आज 1.11 लाख करोड़ रुपये की लागत से 5,388 किलोमीटर की विभिन्न परियोजनाओं पर काम चल रहा है! इसी तरह, 2014 के बाद से आठ नए हवाई अड्डों के निर्माण के साथ हवाई कनेक्टिविटी को एक बड़ा प्रोत्साहन मिला है। क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी योजना एनईआर में हवाई यात्रा की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हुई है, जो चुनौतीपूर्ण मार्गों के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण की पेशकश करती है। उड़ान योजना के तहत आज 64 नए मार्गों पर परिचालन शुरू किया गया है। पहली बार, प्रत्येक राज्य में एक सक्रिय हवाई अड्डा उपलब्ध है। हाल ही में पाकयोंग, उमरोई और ईटानगर जैसे हवाईअड्डे पर हवाई सेवाएं शुरू हुई हैं। नदियां, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाती हैं। विभाजन से पहले कई नौगम्य परिवहन मार्ग उपलब्ध थे जिससे माल तक पहुंचना सुलभ था। अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के टूट जाने से लोगों के लिए आर्थिक अवसर समाप्त हो गए। आश्चर्यजनक रूप से, अंतर्देशीय जलमार्ग संपर्क को बहाल करने में सात दशक लग गए। कुल 19 नए राष्ट्रीय जलमार्ग (2014 तक केवल एक के साथ) और बांग्लादेश के साथ अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) प्रोटोकॉल तथा चटगांव एवं मोंगला बंदरगाहों के उपयोग सहित विभिन्न द्विपक्षीय समझौते, आसियान और पड़ोसी देशों के साथ व्यापार को आगे बढ़ाते हुएनए आर्थिक अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेंगे। चूंकि कनेक्टिविटी के बदलते प्रतिमान आर्थिक परिदृश्य से कहीं आगे तक जाने वाले लाभों के साथ जबरदस्त प्रभाव पैदा करते हैं, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि उत्तर-पूर्वी क्षेत्र न केवल बुनियादी ढांचे के मामले में समृद्ध हो रहा है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभाओं को भी निखार रहा है।

लेखक, केंद्रीय उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकासमंत्री हैं।

पाकिस्तान में लोकतंत्र है या सेनातंत्र?

पाकिस्तान के बनने के पश्चात प्रारंभ से पैदा हुई उसकी राजनीतिक दुश्वारियां अभी तक पीछा नहीं छोड़ रही हैं। सत्ता के संघर्ष के इस खेल में पाकिस्तान ने पाया कुछ नहीं, इसके विपरीत खोया बहुत है। आम चुनाव में पाकिस्तान के राजनीतिक आसमान में फिर से अस्थिरता के बादल उमड़ते-घुमड़ते दिखाई दिए। पाकिस्तान की सेना और आतंकियों के संकेत पर जबरदस्ती पदच्युत किए गए पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के लिए इस चुनाव में राह को कठिन बनाने की भरपूर राजनीति की गई। इसके बाद भी पाकिस्तान में एक बड़ी ताकत के रूप में अपना स्थान कायम रखा। इसे इमरान खान की लोकप्रियता ही कहा जाएगा कि उनके विरोधी दल ताल ठोककर मैदान में सामने खड़े थे, इसके बाद भी इमरान की पार्टी पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ सबसे बड़े दल के रूप में उभर कर आई। वहीं नवाज शरीफ की पार्टी मुस्लिम लीग नवाज दूसरे और बिलावल भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी तीसरे स्थान को ही प्राप्त कर सके। इसके यह भी निहितार्थ हैं कि इन दोनों से इमरान खान ज्यादा लोकप्रिय हैं। जैसा कि पाकिस्तान का चरित्र रहा है कि वहां प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने वाला व्यक्ति तब तक कुछ नहीं कर सकता, जब तक सेना और आतंकी आकाओं का आदेश नहीं मिल जाए। इसे इस रूप में कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि पाकिस्तान की सत्ता का निर्धारण सेना के हाथ में ही रहता है। पाकिस्तान में कहने को ही लोकतंत्र है, सच मायनों में वहां सेना का तंत्र ही कार्य करता है। सेना के अधिकारी जब चाहें जैसा चाहें, निर्णय कर सकते हैं। वहां सेना के मुख्य अधिकारी सत्ता को गिराने का काम करते आए हैं। उल्लेखनीय है कि परवेज मुशर्रफ सेना के अधिकारी ही थे, जिन्होंने पाकिस्तान में तख्तापलट करते हुए शासन की बागडोर संभाली थी। इसी प्रकार अन्य भी कई उदाहरण हैं। यह पाकिस्तान की नियति बन चुकी है कि वहां अभी तक कोई भी राजनीतिक दल सत्ता का संचालन पूरे कार्यकाल तक नहीं कर सका है। क्योंकि वहां सरकार के कामों में सेना का हस्तक्षेप बहुत ज्यादा है। ऐसा इसलिए भी हो रहा है क्योंकि पाकिस्तान में सेना ने ज्यादातर शासन किया है। एक प्रकार से पाकिस्तान बनने के बाद से ही सेना की राजनीतिक सक्रियता रही है। जिसके कारण पाकिस्तान में लोकतंत्र होते हुए भी सैनिक शासन जैसा ही रहा है। इस बार के चुनाव में लोकतंत्र के हिसाब से इमरान खान काफी मजबूत दिखाई दे रहे थे, जो चुनाव के परिणामों ने भी स्पष्ट किया, लेकिन इमरान खान की पार्टी बहुमत के आंकड़े से बहुत दूर रही। इमरान खान की पार्टी के नेताओं ने दावा किया था कि उनकी पार्टी 150 से ज्यादा सीटों पर विजय प्राप्त कर रही है। यह आंकड़े मतों की गिनती होते समय प्रारंभिक रूप से दिखने लगे थे, लेकिन उसके बाद स्थिति अचानक से बदल गई। उसके जो उम्मीदवार आगे चल रहे थे, वे पीछे होते चले गए। इस चुनाव में एक बार फिर राजनीतिक विद्वेष की खाई और ज्यादा चौड़ी होती दिखाई दी। नवाज शरीफ के पार्टी ने अपने रास्ते साफ करने के लिए इमरान को जेल भेजने का कुचक्र रचा। इमरान को चार मामलों में सजा भी मिली है, जिसके कारण चुनाव के दौरान इमरान जेल में ही रहे। इसे चुनाव प्रचार से दूर करने की कवायद के रूप में देखा जा गया। इतना ही नहीं इमरान की पार्टी के नेताओं के सामने भी कई प्रकार के संकट खड़े किए गए। फिर भी इमरान को नहीं रोक सके। अब इमरान को रोकने के लिए एक बार फिर से पाकिस्तान गठबंधन सरकार बनाने की ओर कदम बढ़ा चुका है। यानी फिर से पाकिस्तान में ऐसा राजनीतिक भंवर बन रहा है, जिसमें पाकिस्तान निकलने की कवायद कर रहा था। पाकिस्तान में कहा यह भी जा रहा कि सेना के हस्तक्षेप के चलते इमरान को सत्ता के मुहाने पर आकर रोक दिया है। चुनाव परिणाम के बाद पाकिस्तान में इमरान के समर्थक सड़कों पर उतर आए और जमकर विरोध किया। इमरान समर्थकों की यह कवायद थम जाएगी, ऐसा फिलहाल तो नहीं लगता। इसलिए कहा यह भी जा रहा है कि पाकिस्तान में आगामी हालात राजनीतिक रूप से रस्साकसी वाले ही रहेंगे, जिससे फिर राजनीतिक अस्थिरता होगी और पाकिस्तान के बिगड़े हुए हालात और भी ज्यादा खराब होते जाएंगे, यह तय है। आज पाकिस्तान की स्थिति किसी से छुपी नहीं है। पाकिस्तान में भुखमरी के हालात हैं। इसका एक बड़ा कारण पाकिस्तान में लोकतंत्र का गिरवी होना ही है। स्थिति यह है कि पाकिस्तान में राजनेता मौज कर रही है और जनता दर दर की ठोकर खाने के लिए मजबूर है। शासन की जिम्मेदारी होती है कि वह अपने देश की स्थिति को संभाले, परंतु पाकिस्तान में सरकार को संभालने की राजनीति ही की जाती रही है। जिसके कारण पाकिस्तान के ऐसे हालात बने। इतना ही वहां के राजनेता आतंकी आकाओं और सेना की कठपुतली ही बने रहे, जिसके चलते उनको सत्ता का सुख भी प्राप्त हुआ। पाकिस्तान की मौजूदा परिस्थितियां वहां के राजनीतिक नेताओं की देन हैं। यही कारण है कि पाकिस्तान आज बबार्दी के कगार पर जा चुका है। हम जानते हैं कि इमरान के शासनकाल के दौरान जनता अपना पेट भरने के लिए सड़कों पर उतर आई। लूटपाट भी की, लेकिन राजनेताओं ने इस ओर ध्यान नहीं दिया और पाकिस्तान की दुर्गति होती चली गई। अब पाकिस्तान के हालात उससे भी बुरे हो सकते हैं, क्योंकि वहां जोड़तोड़ करके जो सरकार बनेगी, उसके सामने एक मजबूत विपक्ष होगा, जो सरकार की निरंकुश कार्रवाई पर लगाम लगाने में समर्थ होगी। अब अगर पाकिस्तान को अपनी स्थिति सुधारना है तो उसे सत्ता की राजनीति करने की बजाय जनहित की राजनीति पर ध्यान देने पर बल देना होगा।

सरकार पर हावी रहेगी पाकिस्तानी सेना

बड़े पैमाने पर हिंसा और भरोसे की कमी के बीच पाकिस्तान की नेशनल असेंबली और चार प्रांतीय असेंबलियों के लिए मतदान हुआ है। मतदान के दौरान समूचे देश में इंटरनेट सेवाओं को भी बंद रखा गया है। जैसा कि पहले से आशंका जतायी जा रही है, इस चुनाव और इसके नतीजों को संदेह की नजर से देखा जायेगा। इस माहौल में यही लग रहा है कि नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) पहले स्थान पर रहेगी, लेकिन शायद उन्हें बहुमत जुटाने के लिए बिलावल भुट्टो जरदारी की पार्टी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी का समर्थन लेना होगा। आखिर इमरान खान को सत्ता से हटाने और उन्हें एवं उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के कई नेताओं को चुनाव से अलग रखने में दोनों पार्टियों की भूमिका रही है। ऐसी संभावना बन रही है कि नवाज शरीफ चौथी बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बनने में कामयाब रहेंगे। उनकी राह में कोई बड़ी बाधा भी नहीं है क्योंकि उनके ऊपर लगे आरोपों को वापस ले लिया गया है। चुनाव आयोग ने इमरान खान की पार्टी को लड़ने से रोक दिया है और उसके चुनाव चिह्न के इस्तेमाल पर भी पाबंदी है। सो, उनके उम्मीदवारों को निर्दलीय लड़ना पड़ रहा है। जिस प्रकार इमरान खान को रोकने की कवायद राजनीतिक रूप से तथा अदालत और सेना के द्वारा हुई है, उससे यही लगता है कि इमरान के समर्थक कोई उल्लेखनीय जीत हासिल नहीं कर पायेंगे। असल में इस चुनाव का मकसद ही है इमरान खान को पाकिस्तान की राजनीति से बाहर कर देना। इस चुनाव ने फिर यह साबित किया है कि अगर पाकिस्तान में किसी भी प्रकार का लोकतंत्र चलाना है, तो वह पाकिस्तानी सेना को विश्वास में लिये बिना नहीं किया जा सकता है। इमरान खान के साथ जो भी हुआ है और हो रहा है, उसकी एकमात्र वजह उनका सेना से टकराव रहा है। जैसा कि बहुत समय से कहा जा रहा है कि नवाज शरीफ को लंदन निर्वासन से वापस बुलाया ही गया है उन्हें प्रधानमंत्री बनाने के लिए। इसीलिए उनके खिलाफ सारे मुकदमों को हटा लिया गया है। इसलिए भी लगता है कि पाकिस्तान की आगामी सरकार मिली-जुली सरकार होगी और बिलावल भुट्टो को सरकार से बाहर रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। बहरहाल, जो लोग भी पाकिस्तान की राजनीति को समझते हैं, उन्हें इस चुनाव से बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं थीं। लेकिन कम से कम यह संतोषजनक माना जा सकता है कि वहां सेना का सीधा शासन न होकर एक सरकार के हाथ में सत्ता की बागडोर होगी। पर साथ में यह भी रेखांकित करना जरूरी है कि बहुत से पाकिस्तानी नागरिकों तथा अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजर में पाकिस्तान की लोकतांत्रिक व्यवस्था की साख नहीं बढ़ेगी। नवाज शरीफ पुराने नेता हैं और वे पहले तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। दक्षिण एशिया और दुनिया के दूसरे हिस्सों में नेताओं के साथ उनके संबंध हैं। ऐसे में यह उम्मीद की जा सकती है कि पाकिस्तान की अगली सरकार इस क्षेत्र में अपनी भूमिका की समीक्षा करेगी और उसमें ठोस सुधार की कोशिश करेगी। तीन अहम पड़ोसी देशों- भारत, ईरान और अफगानिस्तान- के साथ पाकिस्तान के संबंध बेहद खराब हैं। यह स्थिति इस क्षेत्र की शांति एवं सुरक्षा के लिए ठीक नहीं है। नवाज शरीफ के सामने यह एक बड़ी चुनौती होगी। पड़ोसी देशों के साथ खराब संबंध पाकिस्तान के लिए भी हितकर नहीं हैं। देश की राजनीतिक और न्यायिक प्रक्रिया में नागरिकों के एक बड़े हिस्से का भरोसा नहीं होना, कई क्षेत्रों में आतंकवाद और अलगाववाद की मौजूदगी तथा राजनीतिक टकराव जैसे गंभीर मुद्दों पर अगर पाकिस्तान की अगली सरकार को सकारात्मक पहल करनी है।

ट्रम्प पर मुकदमा

कोलंबिया सर्किट जिले के अमेरिकी अपीलीय अदालत ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ देश के संवैधानिक लोकतंत्र को कमजोर करने से संबंधित आरोपों के संदर्भ में यह फैसला दिया है कि श्री ट्रम्प को उन अपराधों के लिए अभियोजन से छूट प्राप्त नहीं है जो उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किए होंगे। अदालत के संघीय अपीलीय पैनल के इस फैसले का आशय यह है कि श्री ट्रम्प पर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को पलटने की साजिश से संबंधित मामले में मुकदमा चलाया जा सकता है। इस मुकदमे में उन्हें अमेरिका को धोखा देने की साजिश रचने और एक आधिकारिक कार्यवाही में बाधा डालने सहित चार आरोपों का सामना करना है। हालांकि अदालत द्वारा अभियोजन से छूट के मसले पर दलीलें सुनने और ताजा व्यवस्था देने की प्रक्रिया में एक महीने का वक्त गुजर चुका है, लिहाजा इस साल के चुनाव की निर्धारित तारीख 5 नवंबर से पहले साजिश के इस मुकदमे को सूचीबद्ध करने और उसे चलाने के मामले में एक भारी दबाव की स्थिति पैदा हो गई है। विशेष वकील जैक स्मिथ के नेतृत्व में अभियोजन दल को यह चिंता सता रही है कि अगर श्री ट्रम्प अभियोजन से छूट से संबंधित फैसले के खिलाफ अपील करते हैं और साजिश के मामले में अन्य अड़ंगा डालने वाली रणनीति का इस्तेमाल करते हैं, तो यह मुकदमा चुनाव की तारीख से आगे खिंच सकता है। ऐसी स्थिति में, एक वास्तविक जोखिम यह हो सकता है कि अगर श्री ट्रम्प फिर से राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत जाते हैं, तो वह मौजूदा राष्ट्रपति के रूप में अपनी हैसियत का इस्तेमाल या तो अपने खिलाफ मामले को खारिज करने या संभावित रूप से खुद को क्षमादान देने के लिए कर सकते हैं। अब जबकि सर्किट अदालत ने श्री ट्रम्प को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपने फैसले के खिलाफ अपील करने के लिए 12 फरवरी तक का समय दिया है, यह साफ नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश राजनीतिक रूप से इतने गर्मागर्म मामले को सुनेंगे या नहीं।

Social Media Corner

सच के हक में...

भारत रत्न से सम्मानित जननायक कपूर्री ठाकुर जी के परिजनों से मिलकर बहुत खुशी हुई। कपूर्री जी समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों के मसीहा रहे हैं, जिनका जीवन और आदर्श देशवासियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

स्वामी जी के समानता तथा समावेश के आदर्शों के अनुरूप, अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ द्वारा जनजातीय आबादी वाले क्षेत्रों में विद्यालय चलाए जा रहे हैं; आदिवासी युवाओं के लिए कौशल विकास केंद्र चलाए जा रहे हैं। इन स्कूलों और केन्द्रों में छात्रों को निशुल्क आवास और शिक्षा प्रदान की जाती है।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 'एक्स' पर पोस्ट)

महान समाज सुधारक एवं आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती जी की जयंती पर, उन्हें शत शत नमन।

(सीएम चंपाई सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

सोने में सुस्ती, चांदी की कीमत में तेजी

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह सोमवार को सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। इस तेजी के साथ चांदी के वायदा भाव बढकर 71 हजार रुपये पार कर गए हैं। जबकि सोने के वायदा भाव 62,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वै श्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। हालांकि बाद में सोने के भाव सुस्त पड़ गए, जबकि चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 54 रुपये की गिरावट के साथ 62,240 रुपये के भाव पर खुलकर 69 रुपये की गिरावट के साथ 62,225 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 249 रुपये की तेजी के साथ 71,023 रुपये के भाव पर खुलकर 263 रुपये की तेजी के साथ 71,037 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै श्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में सोने के भाव सुस्त पड़ गए, जबकि चांदी के वायदा भाव में तेजी बरकरार

रही। कॉमेक्स पर सोना 2,038.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,034.50 डॉलर था।` फिलहाल यह 2.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,036.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 22.63 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 22.59 डॉलर था।` फिलहाल यह 0.15 डॉलर की तेजी के साथ 22.74 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

देश के कई राज्यों में बदले पेट्रोल और डीजल के भाव

- ब्रेंट क्रूड 81.76 डॉलर प्रति बैरल पर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट देखी जा रही है। सोमवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड बढ़कर 76.38 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 81.76 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। सोमवार को महाराष्ट्र में पेट्रोल 25 पैसे और डीजल 24 पैसे, राजस्थान में पेट्रोल 21 और डीजल 20 पैसे सस्ता हो गया है। इसके अलावा ओडिशा, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और केरल में भी तेल सस्ता हुआ है। दूसरी ओर हरियाणा में पेट्रोल 18 पैसे और डीजल 17 महंगा हो गया है। गुजरात, कर्नाटक, यूपी और पश्चिम बंगाल में भी पेट्रोल और डीजल के दाम में हल्की बढ़ोतरी दिख रही है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97 रुपये और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.56 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

कॉमेट ईवी मॉडल पर दिया जा रहा 1.40 लाख का डिस्काउंट

-इलेक्ट्रिक व्हीकल मार्केट में खलबली मचाई

नईदिल्ली ।

एमजी मोटर्स कंपनी ने कॉमेट ईवी पर 1.40 लाख रुपये तक डिस्काउंट देने का ऐलान किया है। कंपनी ने अपनी एंट्री-लेवल इलेक्ट्रिक कार पर भारी डिस्काउंट देकर इलेक्ट्रिक व्हीकल मार्केट में खलबली मचा दी है। कंपनी इसके बेस मॉडल पर 99,000 रुपये का डिस्काउंट दे रही है। एमजी कॉमेट ईवी को तीन वैरिएंट - पेस, प्ले और प्लश में बेचा जा रहा है। इनकी नई कीमत क्रमशः रुपए 6.99 लाख रुपये, रुपए 7.88 लाख रुपये और रुपए 8.58 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) हैं। एंट्री लेवल वैरिएंट पेस की कीमत में 99,000 रुपये की कटौती की गई है जिससे इसकी कीमत 7.98 लाख रुपये से कम होकर 6.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) हो गई है।

इस कीमत पर कॉमेट ईवी अब देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार बन गई है। वहीं, टियागो ईवी की कीमत 8.69 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से शुरू होती है। कॉमेट ईवी की बात करें तो मिड लेवल प्ले और टॉप लेवल प्लश की कीमतों में 1.40 लाख रुपये की कटौती की गई है। प्ले की कीमत अब रुपए 9.28 लाख (एक्स-शोरूम) से कम होकर रुपए 7.88 लाख (एक्स-शोरूम) हो गई है, जबकि प्लश की कीमत रुपए 9.98 लाख (एक्स-शोरूम) से कम होकर रुपए 8.58 लाख (एक्स-शोरूम) हो गई है।

कॉमेट ईवी चीन की वुलिंग ईवी पर बेस्ड इलेक्ट्रिक कार है जो अपनी कीमत के हिसाब से कई एडवांस फीचर्स और जबरदस्त रेंज के साथ आती है। कॉमेट ईवी 17.3केडब्ल्यूएच बैटरी पैक से लैस है। बैटरी के फुल चार्ज होने पर यह कार 230 किलोमीटर की अराई प्रमाणित ड्राइव रेंज देती है। कंपनी ने इसमें रियर-एक्सल-माउंटेड इलेक्ट्रिक मोटर का इस्तेमाल किया है जो 42 बीएचपी की पीक पॉवर और 110 एनएम का टॉर्क देता है। इस इलेक्ट्रिक कार का सिस्टम 3.3केडब्ल्यू एसी चार्जिंग को सपोर्ट करता है, जिससे बैटरी को 0 से 100 प्रतिशत तक चार्ज करने में 7 घंटे लगते हैं। इसे 10-80 प्रतिशत से चार्ज करने में सिर्फ 5 घंटे लगते हैं।

प्रत्यक्ष कर संग्रह बढ़कर 15.60 लाख करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष में अब तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर 20 फीसदी बढ़कर 15.60 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह राशि 2023-24 के संशोधित अनुमानों का 80 प्रतिशत है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा कि प्रत्यक्ष कर संग्रह के अनंतिम आंकड़ों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। ऐसे में 10 फरवरी, 2024 तक प्रत्यक्ष कर संग्रह से पता चलता है कि सकल संग्रह 18.38 लाख करोड़ रुपये है। यह राशि पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 17.30 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में 10 फरवरी तक रिफंड को हटाकर प्रत्यक्ष कर संग्रह 15.60 लाख करोड़ रुपये है, जो पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 20.25 प्रतिशत अधिक है।

यह संग्रह 2023-24 के लिए प्रत्यक्ष करों के कुल संशोधित अनुमान का 80.23 प्रतिशत है।

बयान में कहा गया कि एक अप्रैल, 2023 से 10 फरवरी, 2024 के दौरान 2.77 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया है। इस दौरान कॉरपोरेट आयकर (सीआईटी) और व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) के सकल राजस्व संग्रह में भी लगातार वृद्धि देखी गई। सीआईटी की वृद्धि दर 9.16 प्रतिशत थी, जबकि पीआईटी की वृद्धि दर 25.67 प्रतिशत रही।

ओप्पो रेनो 11एफ 5जी थाईलैंड में लॉन्च

-फोन में दिया गया है 64एमपी प्राइमरी कैमरा

नई दिल्ली।

चाइनीज कंपनी ओप्पो रेनो 11एफ 5जी को थाईलैंड में लॉन्च कर दिया गया है। नए ओप्पो रेनो 11एफ 5जी में 64एमपी प्राइमरी कैमरा और मीडियाटेक डायमेंसिटी 7050 प्रोसेसर दिया गया है। इसे तीन कलर ऑप्शन और सिंगल रैम और स्टोरेज वेरिएंट में उतारा गया है। ओप्पो रेनो 11एफ 5जी को ओशियन ब्लू, कोरल पर्पल और पाम ग्रीन कलर ऑप्शन में उतारा गया है। अब ये मॉडल ओप्पो रेनो 11 5जीऔर ओप्पो रेनो 11 प्रो 5जीके साथ मौजूद रहेगा, जिसे जनवरी में भारत में लॉन्च किया गया था।ओप्पो रेनो 11एफ 5जी की कीमत टीएचबी 10,990 (लगभग 25,540 रुपये) रखी गई है। इसे सिंगल 8जीबी + 256जीबी वेरिएंट में उतारा गया है। थाईलैंड में इसकी बिक्री लाझाडा के जरिए की जा रही है। फिलहाल भारत में इसकी लॉन्चिंग को लेकर कोई जानकारी नहीं मिली है। हालांकि, एक पुरानी लीक के मुताबिक भारत में इसे ओप्पो एफ 25 के नाम से उतारा जा सकता है। ओप्पो रेनो 11एफ 5जी एंड्रॉयड 14 बेस्ड कलर्स ओएस 14 पर चलता है और इसमें 120एचझेड रिफ्रेश रेट और 240एचझेड टच सैंपलिंग रेट के साथ 6.7-इंच फुल-एचडी+ (1,080म2,412 पिक्सल) अमोलेड डिसप्ले दिया गया है। फोटोग्राफी के लिए फोन के रियर में 64एमपी प्राइमरी कैमरा, 8एमपी अल्ट्रा-वाइड एंगल कैमरा और 2एमपी मैक्रो कैमरा दिया गया है। सेल्फी के लिए फोन के फ्रंट में 32 एमपी कैमरा भी मौजूद है। ओप्पो रेनो 11एफ 5जी की बैटरी 5,000 एमएएच की है और यहां 67 डब्ल्यू सुपर वॉक फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट दिया गया है। सिक्योरिटी के लिए इसमें इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर मौजूद है।ओप्पो के इस स्मार्टफोन में एआरएम माली जी68 एमसी4 जीपीयू, 8जीबी एलपीडीडीआर 4एक्स रैम और 256जीबी यूएफएस 3.1 स्टोरेज के साथ मीडियाटेक डायमेंसिटी 7050 प्रोसेसर मौजूद है। इसमें 8जीबी तक वर्चुअल रैम का भी सपोर्ट दिया गया है।

आईसीआईसीआई और फेडरल बैंक अब एफडी पर देंगे ज्यादा ब्याज

नई दिल्ली ।

आईसीआईसीआई बैंक और फेडरल बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट्स की ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर दी है। आईसीआईसीआई बैंक ने बल्क एफडी की ब्याज दर बढाई है। बैंक अब 2 करोड़ रुपये से लेकर 5 करोड़ रुपये तक एफडी कराने पर ज्यादा ब्याज देगा। नई दरें 8 फरवरी 2024 से लागू हो चुकी हैं। बैंक अब अधिकतम 7.40 फीसदी सालाना ब्याज ऑफर कर रहा है। वहीं फेडरल बैंक के भी एफडी की ब्याज दरों में वृद्धि करने के बाद ग्राहकों को अधिकतम 8 फीसदी सालाना की दर से ब्याज मिल सकता है। फेडरल बैंक की नई ब्याज दरें 6 फरवरी से लागू हो चुकी हैं। आईसीआईसीआई बैंक 7 दिन से लेकर 10 साल तक की बल्क एफडी ऑफर कर रहा है। बैंक 1 साल से 389 दिन में मैचे योर होने वाली बल्क एफडी पर सबसे ज्यादा ब्याज दे रहा है। इस अवधि की एफडी पर बैंक आम ग्राहक और सीनिजन, दोनों को ही 7.40 ब्याज दे रहा है। फेडरल बैंक 500 दिनों की एफडी पर सामान्य नागरिकों को 7.50 फीसदी ब्याज दे रहा है, वहीं सीनियर सिटीजन को 8 फीसदी ब्याज ऑफर कर रहा है।

स्पाइसजेट 1,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

मुंबई । वित्तीय संकट का सामना कर रही विमानन कंपनी स्पाइसजेट आने वाले दिनों में कम से कम 1,000 कर्मचारियों की छंटनी करने की तैयारी कर रही है। एयरलाइन ने लागत में कमी लाने और अपने कम होते विमान बेड़े के संचालन को सुव्यवस्थित करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए यह फैसला किया है। मामले की जानकारी रखने वाले एक अे धिकारी ने बताया कि वित्तीय संकट, कानूनी लड़ाई तथा अन्य प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करते हुए वाहक अधिक कर्मचारियों को छोड़ने के लिए कह सकता है क्योंकि अभी जितने विमान सेवा में हैं उनकी तुलना में कर्मचारी अधिक हैं। अधिकारी ने बताया कि एयरलाइन में करीब 9,000 कर्मचारी हैं। कर्मचारियों की संख्या 10-15 प्रतिशत कम करने पर विचार किया जा रहा है। कुल लागत को कम करने के लिए छंटनी आवश्यक है और वार्षिक बचत 100 करोड़ रुपये तक हो सकती है। 15 प्रतिशत की कटौती का मतलब होगा कि करीब 1,350 लोग अपनी नौकरियां खो देंगे। हालांकि, छंटनी को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

हल्द्वानी हिंसा के बाद नैनीताल का पर्यटन कारोबार प्रभावित

- कारोबार में 50 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई

नैनीताल ।

बनभूलपुरा हिंसा के बाद नैनीताल के पर्यटन कारोबार काफी प्रभा वित हो गया है। हिंसा के कारण कारोबार में 50 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। वेलेंटाइन वीक के लिए जिन पर्यटकों ने बुकिंग कराई थी वो उन बुकिंग को कैंसिल कर दी हैं। अब प्रशासन ने कहा कि नैनीताल वाले पर्यटकों को कोई परेशानी नहीं होगी, क्योंकि बाहर से आने वाले पर्यटक रामनगर एवं कालाढूंगी होते हुए आसानी से नैनीताल जा सकते हैं और अब बनभूलपुरा को छोड़कर हल्द्वानी के अन्य क्षेत्रों से कर्फ्यू हटा लिया गया है। तो हल्द्वानी होते हुए भी आसानी से नैनीताल जाया जा सकता हैं। बनभूलपुरा को छोड़ कर हल्द्वानी सहित अन्य क्षेत्रों में इंटरनेट सेवा भी बहस कर दी गई है। साथ ही रेलवे ने भी हल्द्वानी आने वाली ट्रेनों को हल्द्वानी स्टेशन पर रोकना बंद कर दिया है। ये ट्रेनें अब सीधे काठगोदाम जाएगी और यात्री सुरक्षित वहां से नैनीताल के पर्यटक स्थलों तक पहुंच सकेंगे। हल्द्वानी से नैनीताल जाने वाली टैक्सी व्यवसाय भी पूरी तरह से चौपट हो गया है क्योंकि अधिकांश टैक्सी चालक शहर के बनभूलपुरा क्षेत्र के रहने वाले थे। कर्फ्यू लगने के बाद से टैक्सी चालक अपने घरों से नहीं निकल पा रहे हैं। हल्द्वानी से रोजाना नैनीताल करीब 70 से 80 टैक्सी वाहनों के माध्यम से स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटक सफर करते हैं लेकिन शहर में कर्फ्यू के बाद से हल्द्वानी और नैनीताल के टैक्सी स्टैंड पर पूरी तरह से सन्नाटा पसरा हुआ है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 523 अंक, निफ्टी 166 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी होने के कारण आई है। इसके साथ ही निवेशकों ने जनवरी के मुद्रास्फीति आंकड़े से पहले सतर्क रुख अपनाया जिससे भी बाजार पर दबाव पड़ा और उसमें गिरावट दर्ज की गयी। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला पर कुछ देर में ही उसमें गिरावट आने लगी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 0.73 फीसदी करीब 523.00 अंक नीचे आकर 71,072.49 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.76 फीसदी तकरीबन 166.45 अंक टूटकर 21,616.05 के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 2.6 फीसदी और बीएसई स्मॉलकैप में 3.12 फीसदी की गिरावट रही। वहीं व्यापक बाजारों को बड़ा नुकसान हुआ। तीस शेयरों वाले बीएसई सेंसेक्स की 22 कंपनियों के

शेयर नुकसान के साथ ही गिरावट पर बंद हुए। वहीं निफ्टी-50 के 34 घटकों में भी गिरावट देखी गयी। आज कारोबार के दौरान विप्रो, एचसीएल टेक , महिंद्रा एंड महिंद्रा और नेस्ले के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं एनटीपीसी, टाटा स्टील, एसबीआई और इंडसइंड बैंक के शेयर में गिरावट रही। लूनर न्यू ईयर की छुट्टियों के कारण हांगकांग, चीन, जापान, ताइवान और दक्षिण कोरिया के बाजार बंद रहे। ऑस्ट्रेलिया में एएसएक्स 200 0.2 फीसदी कम पर कारोबार करता दिखा। इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार ने शुरुआती बढ़त खो दी और गिरावट लेकर लाल निशान में चले गए। सेंसेक्स 150 अंक गिरकर 71,442 पर और एनएसई निफ्टी50 53 अंक गिरकर 21,726 पर कारोबार कर रहा था हालांकि सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 52.48 अंक चढ़कर 71,647.97 अंक पर और निफ्टी भी 30.70 अंक की बढ़त के साथ 21,813.20 अंक पर पहुंच गया था।

सिग्नेचर ग्लोबल गुरुग्राम में विकसित करेगी आवासीय परियोजना

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने अपनी विस्तार योजना के तहत गुरुग्राम में 20 एकड़ भूमि पर आवासीय परियोजना विकसित करने की योजना बनाई है। इसके लिए उसने जमींदारों के साथ साझेदारी की है। इससे कंपनी को 4,500 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल होने की उम्मीद है। सिग्नेचर ग्लोबल ने गुरुग्राम के सेक्टर-71 में 20.32 एकड़ भूमि के लिए संयुक्त विकास समझौता किया है। सिग्नेचर ग्लोबल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस आगामी परियोजना में करीब 4,500 करोड़ रुपये की संभावित बिक्री होगी। कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद आवासीय मांग में वृद्धि के साथ, रियल एस्टेट डेवलपर्स अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए जमीन का अधिग्रहण करने के साथ-साथ जमींदारों के साथ भी साझेदारी कर रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में सिग्नेचर ग्लोबल ने कुल 21.38 एकड़ भूखंड पर आवासीय परियोजनाएं विकसित करने के लिए जमींदारों के साथ तीन अलग-अलग जेडीए पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की थी। सिग्नेचर ग्लोबल का 2023 अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में मुनाफा 2.17 करोड़ रुपये रहा था, जबकि 2022 की समान अवधि में उसे 44.89 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

कारोबार अलग-अलग करने की प्रक्रिया 9-12 महीने में होगी पूरी: वेदांता

झारसुगुड़ा ।

वेदांता एल्युमीनियम सहित अपने प्रमुख कारोबार को अलग-अलग सूचीबद्ध कंपनियों में विभाजित करने के लिए काम कर रही है। यह प्रक्रिया अगले नौ से 12 महीने में पूरी होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। अरबपति अनिल अग्रवाल के स्वामित्व वाली वेदांता लिमिटेड ने अपने धातु, बिजली, एल्यूमीनियम और तेल व गैस व्यवसायों को अलग-अलग करके स्वतंत्र कार्यक्षेत्र बनाने की पिछले साल घोषणा की थी। वेदांता के एल्युमीनियम कारोबार के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा ` कि हम एल्युमीनियम व्यवसाय के विभाजन को सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि व्यवसायों को अलग-अलग करने की प्रक्रिया अभी जारी है और विभिन्न प्राधिकरणों से कई अनुमोदनों के अधीन है। उन्होंने कहा ` कि अलग की जाने वाली विभिन्न संस्थाओं में ऋण के आवंटन में वर्तमान ऋणदाताओं से भी अनुमति लेने की जरूरत है। यह प्रक्रिया जारी है। यह प्रत्यक्ष तौर पर हमारे हाथ में नहीं है। इसलिए दुर्भाग्य से मैं आपको स्पष्ट रूप से यह बताने की स्थिति में नहीं हूं कि यह कब होगा। हमें विश्वास है कि अगले नौ से 12 महीने में यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह वेदांता के एल्युमीनियम व्यवसाय के लिए एक विकासात्मक कदम साबित होगा क्योंकि इससे वेदांता एल्युमीनियम को अपना रास्ता तय करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने बताया कि वेदांता की सिजिमाली

बॉक्साइट खदान में उत्पादन अगले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुरू हो जाएगा। इसके अलावा कंपनी की कुरलोई, राधिकापुर, घोघरपल्ली स्थित अन्य तीन कोयला खदानों में करीब नौ से 18 महीने में उत्पादन शुरू होगा।

यूपी-बिहार के लिए पूसा ने खोजा खास बीज, बंपर होगी पैदावार

नई दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश और बिहार के किसानों को अब गेंहू की फसल बोने से नुकसान होने की आशंका कम रहेगी। किसानों को इस नुकसान से बचाने के लिए इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट (आरएआरआई-पूसा) ने गेहूं की नई वैराइटी खोजी है, जो इस वर्ष पहली बार किसानों को मिलेगा। पूसा के वरिष्ठ वैज्ञानिक और गेंहू के नए बीज की रसिर्च करने वाले डॉ. राजबीर यादव ने बताया कि उत्तर प्रदेश और बिहार गेहूं की फसल बोने वाले किसान नुकसान की वजह से परेशान रहते हैं, कभी फसल में बीमारी लग गयी तो कभी समय से पहले ही तापमान बढ़ गया या अन्य कई वजह होती हैं, जिससे खामियाजा किसानों को उठाना पड़ता है। किसानों की इस तरह की समस्े या से राहत दिलाने के लिए दोनों प्रदेशों की जलवाऊ के अनुसार पूसा ने एचडी 3388 बीज खोजा गया है। इसकी खासियत यह है कि सामान्य गेहूं के मुकाबले इसका दाना काफी बड़ा है, जिससे किसानों को अच्छी कीमत मिल सकती है। इसके अलावा इसमें बीमारी लगने की आशंका भी कम रहेगी। इस तरह नया बीज किसानों के लिए वरदान साबित होगा। नए बीज से गेहूं की पैदावार भी बढ़ेगी। इसकी पैदावार 6 टन प्रति हेक्टेयर तक होगी। इसका दाना साफ होगा और खाने में सामान्य गेहूं की तुलना में बेहतर स्वाद वाला होगा।

सॉवरेन गोल्ड बांड स्कीम खुली, 1 ग्राम के देने होंगे 6,263 रुपए

नई दिल्ली । सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना 2023-24 सीरीज-4 निवेश के लिए सोमवार से खुल गई है और यह 16 फरवरी तक खुली रहेगी। इसके लिए इश्यू प्राइस 6,263 रुपए प्रति ग्राम तय किया गया है। इस स्कीम में निवेश करने पर ब्याज की कमाई भी होगी और जीएसटी भी बचेगा। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का रिटर्न शानदार रहा है। इसकी वजह से निवेशक बड़ी संख्या में इसमें निवेश करना चाह रहे हैं। भारत सरकार ने ऑनलाइन आवेदन करने वाले और डिजिटल माध्यम से भुगतान करने वाले निवेशकों को अंकित मूल्य से 50 रुपए प्रति ग्राम की छूट देने का फैसला किया है। सरकार ने नवंबर 2015 में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम की शुरुआत की थी। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड सरकार की ओर से रिजर्व बैंक जारी करता है। इसलिए इसकी सरकारी गारंटी होती है। इसमें निवेश पर गारंटीडे रिटर्न मिलता है। इसमें निवेश पर सालाना 2.5 फीसदी ब्याज मिलता है। यह पैसा हर 6 महीने पर निवेशकों के बैंक अकाउंट में डाल दिया जाता है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम को सभी बैंकों, स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड से खरीदा जा सकता है। इसके अलावा इसे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड (बीएसई) से भी लिया जा सकता है।

अगर आप भी उन पेरेंट्स में से हैं, जो यह मान कर बैठे हैं कि बच्चों को सब कुछ सिखाने की जिम्मेदारी स्कूल की है, तो अपने को थोड़ा दुरूस्त कर लें। अगर बच्चों को सुनहरे कल के लिए तैयार करना है, तो कुछ बातें आपको भी उन्हें सिखानी होंगी...

..बहुत जरूरी है बच्चों को यह सिखाना

सवाल पूछना

हम बच्चों से क्या चाहते हैं? यही न कि वे चीजों को खुद ब खुद सीखना और समझना जानें। इसके बाद हमें उन्हें हर चीज सिखाने की जरूरत नहीं होगी। जो कुछ उन्हें भविष्य में जानना-सीखना होगा, वे अपने आप उन चीजों को कर पाएंगे। बच्चे ऐसा कर सकें, इसका सबसे बेहतर तरीका यही है कि आप उन्हें सवाल पूछना सिखाएं। हालांकि ज्यादातर बच्चे ऐसा करते भी हैं, ऐसे में पेरेंट्स होने के नाते आपकी यह जिम्मेदारी है कि आप बच्चों के हर सवाल का जवाब यथा-संभव देने की कोशिश करें। वैसे भी बच्चों की आदत होती है कि वे जब भी कुछ नया देखते हैं, उसके बारे में सवाल पूछना शुरू कर देते हैं। लिहाजा जब बच्चे सवाल पूछें तो उन्हें डांटें या दुत्कारें नहीं, बल्कि इनाम दें।

पैशन खोजना

आपको क्या चीज आगे बढ़ाती है? आपका लक्ष्य, अनुशासन, बाहरी प्रेरणा, इनाम? नहीं, इनमें से एक भी चीज आपको आगे नहीं बढ़ाती। आपको आगे बढ़ाता है आपका पैशन। आप किसी चीज को लेकर इतने उत्साहित रहते हैं, कि हर वक्त उसी के बारे में सोचते रहते हैं। आपको कोई भी चीज करने में मजा आता है और जब वह चीज आकार लेती है तो आपको भीतर से खुशी होती है, यह है आपका किसी भी काम को करने का पैशन। अपने बच्चे की मदद उसका पैशन खोजने में कीजिए। किस काम को करने में उसे बहुत मजा आता है। उसकी रूचियों, उसके काम को हतोत्साहित मत कीजिए और न ही किसी चीज का मजाक उड़ाइए।

प्रोजेक्ट संभालना

एक किताब लिखना, उसे बेचना, घर का कोई भी काम करना एक प्रोजेक्ट जैसा ही है। आप किसी भी एक प्रोजेक्ट पर अपने बच्चे के साथ काम कीजिए और उसे देखने दीजिए कि कोई भी चीज कैसे पूरी की जाती है। इसके बाद कोई भी काम उसे अपने-आप ज्यादा से ज्यादा करने दीजिए। उसमें आत्मविश्वास बढ़ेगा। उसके बाद उसके सीखने की प्रक्रिया एक प्रोजेक्ट के समान ही होगी।

समस्याएं सुलझाना

यदि एक बच्चा कोई समस्या सुलझा सकता है तो वह दुनिया का कोई भी काम कर सकता है। कोई भी काम हमें डराने वाला हो सकता है, लेकिन देखा जाए तो वह महज एक समस्या है, जिसका हल होना है। एक नई स्किल, नया वातावरण, एक नई जरूरत किसी भी समस्या की वजह बन सकती हैं। इसलिए अपने बच्चे को समस्याएं सुलझाना सिखाइए। आप बच्चे के सामने साधारण समस्याएं रखिए और उसे कहिए कि वह इन्हें अपने हिसाब से सुलझाए। अगर वह उस समस्या को सुलझा नहीं पा रहा है तो आप तुरंत उसका हल मत बताइए, उसे थोड़ा जूझने दीजिए, उसे उस समस्या के सभी संभावित हल निकालने दीजिए और उसके प्रयासों के लिए उसे पुरस्कृत भी कीजिए। धीरे-धीरे बच्चे में किसी भी समस्या को लेकर आत्मविश्वास पैदा हो जाएगा और फिर शायद ऐसा कुछ नहीं बचेगा, जिसे वह हल नहीं कर सकता हो और आपकी समस्या भी बड़ी आसानी से हल हो जाएगी।

अपने आप में खुश रहना

सभी पेरेंट्स अपने बच्चों को बहुत लाड़ करते हैं और यह मानकर चलते हैं कि बच्चों की खुशी के लिए उनका बच्चों के साथ होना बहुत जरूरी है। जब बच्चे बड़े हो जाते हैं तो उन्हें पता ही नहीं होता कि खुश कैसे रहा जाए और वे दोस्तों, शॉपिंग, वीडियो गेम्स, इंटरनेट जैसी बाहरी चीजों में अपनी खुशी ढूंढते हैं। जबकि एक बच्चे को आसानी से अपने-आप में खुश रहना सिखाया जा सकता है। वह खुद खेल सकता है, पढ़ सकता है, अपनी कल्पनाओं में खो सकता है। अपने बच्चे को शुरू से थोड़ी निजता की आदत डालें। उसे अकेले थोड़ा वक्त बिताने दें, वह खुद-ब-खुद खुश रहना सीख जाएगा।

सहनशक्ति

घर में बच्चों के चारों ओर सुरक्षित वातावरण होता है, लेकिन जब वे बाहरी दुनिया के संपर्क में आते हैं तो कई बार यह अनुभव उनके लिए डराने वाला, तकलीफदेह हो सकता है। इसलिए अपने बच्चों को शुरू से ही हर तरह के लोगों से मिलने की आदत डालें। उन्हें बताएं कि दुनिया में अलग-अलग तरह के लोग होते हैं और अलग होना कोई बुरी बात नहीं है।

बदलाव स्वीकार करना

दुनिया हर क्षण बदलती रहती है और जो इस बदलाव को स्वीकार करके उसके साथ-साथ चलता है, वह हमेशा सुखी रहता है। जो लोग बदलाव नहीं चाहते या उससे डरते हैं, वे जिंदगी में बहुत ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाते। चार्ल्स डार्विन का सिद्धांत भी यही कहता है। किसी चीज पर अडिग होना अच्छा है, लेकिन उस पर अड़ जाना खराब है, जिंदगी में चीजों को लेकर थोड़ी नरमाई या लोच होना चाहिए। यदि आप बदलाव के अनुकूल बन जाते हैं तो आपको नए-नए अवसर मिलते हैं। ये नए अवसर आपकी प्राथमिकता बन जाते हैं, जबकि ये पहले आपके आस-पास भी नहीं थे। तो बच्चों को सिखाएं कि यदि वे किसी भी तरह के बदलाव को स्वीकार करेंगे तो जिंदगी रोमांच से भरपूर बनी रहेगी।

आप किसी चीज को लेकर इतने उत्साहित रहते हैं, कि हर वक्त उसी के बारे में सोचते रहते हैं। आपको कोई भी चीज करने में मजा आता है और जब वह चीज आकार लेती है तो आपको भीतर से खुशी होती है....

कैसे सजाएं आशियाना

अपने घर को ज्यादा सजाने के चक्कर में हम कभी-कभी इतना मशगूल हो जाते हैं कि वह बनावटी लगने लगता है। हमें लगता है कि हम हर तरह के सामान से अपने घर को सजाएं, परंतु वह सही नहीं है। कोई एक थीम लें और उसी पर कायम रह कर अपने घर को संवारें। हम आपको बता रहे हैं कुछ सामान्य गलतियां जो हम अपने नए घर को सजाने के वक्त कर बैठते हैं।

कमरे को हद से ज्यादा ना सजाएं

एक कमरे को फर्नीचर और दूसरे सामानों से भरने में वक्त नहीं लगता, वकत लगता है उसके सही प्लेसमेंट में। कमरे को खचाखच ना भरें। उसमें आराम से आने-जाने की और कुछ खाली जगह हो। साज-सज्जा सोबर रखें और सफाई पर ध्यान दें, क्योंकि कमरा भरा-भरा होगा तो साफ सफाई नहीं हो पाएगी।

जगह ना होने पर जबरदस्ती सामान जमाना

इसके लिए सबसे पहले अपनी बेकार की खरीददारी पर रोक लगाएं। बाजार में जो अच्छा दिख गया खरीद लाए, यह आदत गलत है। अगर कोई सामान कमरे के लिए फिट नहीं है तो उसे जमाने की कोशिश में समय ना बरबाद करें। एक व्यवस्थित और साफ कमरा ही दिखने में सुन्दर लगता है।

अव्यवस्था फैलाना

घर में अधिक अव्यवस्था की जरूरत नहीं है। अव्यवस्था से आसानी से बचा जा सकता है, इसके लिए तीन बातें याद रखें -

- चीजें जो महत्वपूर्ण हैं
- चीजें जिनके बिना काम नहीं चल सकता
- अनावशयक चीजों को बाहर निकाल दें

ये तीन बातें अव्यवस्था को रोक देंगी

कमरों में रोशनी के स्त्रोत कम होना

प्रकाश एक जरूरत है। यह सजावट के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है। सबसे पहले तो घर में प्राकृतिक प्रकाश आना चाहिए। पर्दे और सामान के गलत प्लेसमेंट से प्राकृतिक प्रकाश स्त्रोतों को ब्लॉक मत होने दें। अपने कमरे में एक से अधिक प्रकाश के स्त्रोत लगाएं।

वेराइटी पर ध्यान ना देना

एक ही दुकान से अपना सारा सामान ना खरीदें। अलग-अलग दुकानों पर जाएं, इससे आपको भाव भी समझ आएगा और सामान की वेराइटी भी मिलेगी।

बजट के महत्व को कम समझना

बहुत उत्सुक ना बनें और बहुत ज्यादा खरीदी ना करें। थोड़ा-थोड़ा कर के खरीददारी करें। सबकुछ एक बार में खरीदने की जल्दबाज़ी सही नहीं है। वही खरीदें जिसकी हाल-फिलहाल में ज़रूरत हो। एक बजट बनाएं और उस पर कायम रहें।

चेहरे की झाइयों का कैसे होता है उपचार

झाइयां एक ऐसी अवस्था है जिसमें चेहरे पर भूरे व काले रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। यह दोनों गालों से शुरू होकर, बाद में बटर फ्लॉय शेप में होने लगते हैं। कभी-कभी यह नाक और आंख के ऊपरी हिस्से (भौंहे) में भी होते हैं। पिगमेंटेशन कितनी गहराई तक है, उसके अनुसार झाइयों को चार भागों में विभाजित किया गया है, पढें अगले पेज पर ...

एपीडर्मल झाइयां

इस अवस्था में केवल ऊपरी सतह ही प्रभावित होती है। इस तरह की झाइयों को ठीक करना आसान होता है।

डर्मल झाइयां

इसमें पिगमेंटेशन त्वचा की गहराई तक होता है। इसका ट्रीटमेंट कठिन होता है।

मिश्रित = इस तरह की झाइयों का ट्रीटमेंट काफी कठिन होता है। इसमें लेज़र और पील उपचार आदि को संयुक्त रूप में दिया जाता है।

अस्पष्ट झाइयां

इस तरह की झाइयां बहुत गहरे रंग की त्वचा में पाई जाती हैं। ऐसी अवस्था में त्वचा की स्थिति के बारे में जानना आसान नहीं होता।

हार्मोनल असंतुलन

यह झाइयों का मुख्य कारण होता है। गर्भधारण करने की स्थिति में हो सकता है या गर्भ निरोधक गोलियां लंबे समय तक लेने से हो सकता है।

अनुवांशिक कारण

अनुवांशिक कारणों से। धूप की किरणों से बचाव न करने की वजह से।

एलर्जी = कुछ कॉस्मेटिक उत्पाद जिनसे एलर्जी होने के बाद भी उपयोग करने के कारण।

थायरॉइड = झाइयां थायरॉइड बीमारी के मरीजों में भी देखी जा सकती है।

रजोनिवृत्ति = रजोनिवृत्ति के समय बढ़ जाती हैं।

हार्मोनल असंतुलन होने की वजह से झाइयों का उपचार करना कठिन होता है। सही ढंग से उपचार कराने पर यह ठीक हो जाती है।

गोरेपन की क्रीम

झाइयां दूर करने के लिए हायड्रोक्विनोन, ट्रेटिनोइन, रेटिनॉइड्स, कोजिक एसिड और विटामिन-सी आदि कई तरह की क्रीम्स का त्वचा की प्रकार व पिगमेंटेशन के अनुसार उपयोग किया जाता है।

लेजर उपचार-

लेज़र उपचार से भी काफी मदद मिलती है। लेसर में क्यू-स्विच्ड लेज़र का उपयोग करते हैं जिससे मिलेनोसाइट कम हो जाते हैं। यह उपचार लेने के लिए कई बार क्लिनिक पर जाना पड़ता है यानी यह कई सीटिंग्स में किया जाता है। यह सीटिंग्स महीने में एक बार होती हैं।

केमिकल पील उपचार-

इसमें ग्लाइकोपील, टीसीए पील, मेंडेलिक एसिड पील आदि विभिन्न पील का उपयोग होता है। पील उपचार के लिए कई सीटिंग होती हैं, इनमें 10 दिनों का अंतराल होता है।

कच्चे बोरबेल में 90 फीट नीचे 7 दिनों से फंसी है महिला

गंगानगर सिटी । एक महिला पिछले सात दिनों से कच्चे बोरबेल में 90 फीट की गहराई पर फंसी हुई है। इसके लिए बाजू से 100 फीट ड्रीलिंग भी कर ली गई है, लेकिन पानी और कीचड़ ने रास्ता रोक दिया है। हालांकि एनडीआरएफ के जवान बारी-बारी से ऑक्सीजन सिलेंडर और मास्क लगाकर गड्ढे में उतरे और बोरबेल तक चार फीट लंबी व ढाई फिट चौड़ी सुरंग बनाने का काम शुरू किया है। सुरंग बनाने का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है और उम्मीद है कि जल्द ही महिला को रेस्क्यू कर लिया जाएगा। जानकारी के अनुसार राजस्थान के गंगापुर सिटी जिले में एक महिला 7 दिन पहले बोरवेल में गिर गई थी, जिसे रेस्क्यू करने के लिए 6 दिन से ऑपरेशन चल रहा है। घटना बामनवास क्षेत्र के रामनगर ढोसी गांव की बताई जा रही है, जहां खेत में बने एक कच्चे बोरवेल में महिला गिर गई थी। मिली जानकारी के अनुसार विगत छह दिनों से एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीमें महिला को बाहर निकालने का लगातार प्रयास कर रही हैं। लेकिन बार-बार आ रही बाधाओं के चलते रेस्क्यू में देरी हो रही है। बताया जा रहा है कि बोरवेल में 90 फीट की गहराई पर महिला फंसी हुई है। रेस्क्यू टीम ने बोरवेल के समीप 100 फीट गहरा गड्ढा खोदा है। लेकिन गड्ढे में पानी आने से सुरंग बनाने व महिला को रेस्क्यू करने में दिक्कतें आ रही हैं। गड्ढे से बोरवेल तक चार फीट लंबी ब ढाई फिट चौड़ी सुरंग बनाई जानी है। गड्ढे में भरे पानी को पम्प सेट के माध्यम से बाहर निकाला जा रहा है। लोगों ने बताया कि गत 6 फरवरी की रात 8 बजे एक 25 वर्षिय महिला मोना बैरवा खेत में गई थी और धोखे से वहां बने कच्चे बोरवेल में गिर कर फंस गई। महिला के देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की लेकिन उसका पता नहीं चल सका। बुधवार सुबह कच्चे बोरवेल के पास महिला की चप्पल दिखाई दी, तो परिजनों को उसके बोरवेल में गिरने का अंदेशा हुआ। परिजनों ने प्रशासन को इसकी सूचना दी। तब एनडीआरफ को भी सूचित किया गया और एक मेडिकल टीम भी मौके पर पहुंची। बोरवेल 90 से 100 फीट गहरा बताया जा रहा है। जहां एसडीआरएफ व एनडीआरफ की टीमें बुधवार शाम करीब 5 बजे मौके पर पहुंचीं और तभी से रेस्क्यू ऑपरेशन भी शुरू कर दिया है, जो अभी तक चल रहा है।

दिल्ली में चल रही बर्फीली हवाओ ने ठिठुराया, बारिश की बनी संभावना

नई दिल्ली । पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में देखने को मिल रहा है। यहां मौसम के बदलते रंग के साथ ठिठुरन बढ़ गई है। जहां दिन में खिली धूप तो सुबह और शाम सर्द हवाओं का प्रकोप बना रहता है। वहीं मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में बारिश का दौर जारी रहेगा। उत्तरप्रदेश बिहार झारखंड के साथ उत्तर भारत के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। दिल्ली में मौसम का मिजाज स्थिर नहीं हो पा रही है। सुबह के समय में सर्द हवाएं तो सुबह कोहरा और दिन में चमकीली चटक धूप का खेल जारी है। हर पहर मौसम बदलाव के मोड़ पर है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर प्रदेश और बिहार साथ-साथ उत्तर भारत के कई इलाकों में 10 से 14 फरवरी तक बारिश होने की संभावना के चलते अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी दिल्ली में रविवार को सुबह के तापमान में जहां खासी गिरावट दर्ज की गई। वहीं, एक बार फिर कोहरे का असर भी देखा गया। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में अगले कुछ दिन सुबह-शाम की ठंडक बनी रहेगी। जबकि दिन में निकलने वाली धूप के चलते ठंड से राहत भी मिलती रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में अगले कुछ दिन सुबह के समय हल्का कोहरा रह सकता है। हवा की रफ्तार चार से आठ किमी के बीच रहेगी। बुधवार को हल्की वर्षा की संभावना है। बिहार में एक बार फिर मौसम अपना करवट बदलने वाला है। अनेक हिस्सों में मध्यम कोहरा छाया रहा। वहीं अब वहीं मौसम विभाग का कहना है कि 18 फरवरी तक बिहार में ठंड से राहत नहीं मिलेगी। हालांकि दिन में धूप निकलने के कारण लोगों को फिलहाल राहत मिल रही है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि अगले तीन दिनों तक राज्य का वातावरण शुष्क बना रहेगा। उसके बाद राज्य में वर्षा के आसार बन रहे हैं।

एलओसी के पास पुंछ में सेना ने पाकिस्तानी ड्रोन पर की गोलाबारी

श्रीनगर । एलओसी के पास सेना के जवानों ने एक पाकिस्तानी ड्रोन पर गोलाबारी की है। मिली जानकारी के अनुसार जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन के उड़ने की अधिकारियों जानकारी दी थी। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन रविवार देर रात भारतीय क्षेत्र में कुछ देर मंडराने के बाद पाकिस्तान की ओर लौट गया। उन्होंने कहा कि मेंढर के नार मनकोट इलाके में दुश्मन के ड्रोन की गतिविधि देखी गई, जिसके बाद नियंत्रण रेखा पर तैनात सैनिकों ने उसे गिराने के लिए उस पर कम से कम तीन गोलियां चलाईं। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सैनिकों की गोलीबारी के बाद ड्रोन पाकिस्तान की ओर लौट गया। उन्होंने बताया कि इलाके में लगातार सघन तलाशी अभियान जारी है। इस घटना के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सीमा पार से नशीले पदार्थों, हथियारों और विस्फोटक सामग्री को गिराने के लिए भेजे जाने वाले ड्रोन के बारे में सूचना देने वालों को तीन लाख रुपये का नकद इनाम देने की हाल में घोषणा भी कर दी है।

मछली पकड़ने वाली नाव बीच समंदर में हुई खराब, 168 घंटे फंसे रहे 11 भारतीय

मुंबई। भारतीय तट रक्षक जहाज विक्रम ने मछली पकड़ने वाली नाव आईएफबी किंग के चालक दल के 11 सदस्यों को बचाया, जो 5 फरवरी से इंजन की खराबी के कारण गहरे समुद्र में फंसे हुए थे। आईसीजी अधिकारियों ने पुष्टि की, कि नाव को मिनिकॉय द्वीप के 280 समुद्री मील पश्चिम से सुरक्षित रूप से खींच लिया गया और आईसीजीएस मिनिकॉय को सौंप दिया गया। इसमें कहा गया है कि मत्स्य पालन विभाग के सहयोगात्मक प्रयास से नाव को मिनिकॉय हार्बर में आश्रय दिया गया है। बता दें कि नौका पर क्रू के 11 सदस्य थे। तटरक्षक बल ने अपने जहाज विक्रम की मदद से नौका को खींचकर तट पर पहुंचाया। भारतीय तटरक्षक बल ने सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक पोस्ट में बताया कि मछली पकड़ने वाली नौका का इंजन खराब हो गया था और वह बीती 5 फरवरी से अरब सागर में फंसी हुई थी। मछुआरों ने मदद मांगी तो भारतीय कोस्ट गार्ड ने मदद पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपना विक्रम जहाज को घटनास्थल पर भेजा। मछुआरे लक्षद्वीप के मिनिकॉय द्वीप से 280 नॉटिकल मील दूर पश्चिम में सागर के मध्य फंसी थी। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद भारतीय तटरक्षक बल के जहाज विक्रम ने नौका को खींचकर मिनिकॉय द्वीप के तट पर पहुंचा दिया। बता दें कि लक्षद्वीप का मिनिकॉय द्वीप अरब सागर में स्थित है।

केरल के पटाखा गोदाम में तेज धमाके से एक व्यक्ति की मौत, 16 घायल

कोच्चि। केरल के कोच्चि के त्रिपुनिथुरा में एक आवासीय क्षेत्र में संचालित अवैध पटाखा गोदाम में सोमवार को हुए भीषण विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा महिलाओं और बच्चों सहित 16 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चार घायलों की हालत कथित तौर पर गंभीर है और उन्हें विशेषज्ञ देखभाल के लिए नजदीकी अस्पताल से कलामासेरी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। जिला प्रशासन के अनुसार, मृत व्यक्ति की पहचान तिरुवनंतपुरम के रहने वाले विष्णु के रूप में की गई, लेकिन अन्य विवरण उपलब्ध नहीं हो पाया है। विस्फोट के सटीक कारण का हालांकि अब तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन मौके पर पहुंचे दमकल एवं बचावकर्मियों ने कहा कि गोदाम में लाए गए भारी मात्रा में पटाखों में एक साथ विस्फोट होने की आशंका है। अग्निशमन एवं बचाव विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि यह एक भीषण विस्फोट था, जिसके कारण कई किलोमीटर दूर तक कंपन महसूस किये गये। उन्होंने कहा कि स्थानीय अग्निशमन केंद्र पर भी झटके महसूस किए गए और वे विस्फोट की तेज आवाज से चिंतित होकर घटनास्थल की ओर रवाना हो गए। अधिकारी ने बताया कि आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया, लेकिन इससे पहले ही आसपास के इलाकों में भारी नुकसान हो चुका था। दमकल विभाग के सहायक स्टेशन अधिकारी ने मीडिया को बताया, 'हमें इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि इस घनी आबादी वाले इलाके में पटाखा गोदाम संचालित किया जा रहा है। इसे संचालित करने वालों ने इसके लिए कोई अनुमति नहीं ली थी।' यह स्पष्ट करते हुए कि विस्फोट का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चला है, उन्होंने कहा कि वे स्थानीय लोगों द्वारा दी गई जानकारी पर भरोसा कर रहे हैं जिन्होंने कहा कि दुर्घटना तब हुई जब एक वाहन से पटाखे गोदाम में उतारे जा रहे थे। अधिकारी ने कहा, 'स्थानीय लोगों ने कहा कि गोदाम कुछ समय से इलाके में संचालित किया जा रहा था और स्थानीय मंदिर उत्सव के हिस्से के रूप में पटाखों का भंडारण किया गया था।

पलटने की गारंटी पर तेजस्वी ने पीएम मोदी से किया सवाल

-सदन में विश्वास प्रस्ताव के दौरान नीतीश के सामने पूर्व डिप्टी सीएम ने सुनाई खरी-खरी

पटना(एजेंसी)। तेजस्वी यादव ने सोमवार को विधानसभा में पीएम मोदी से सवाल किया। उन्होंने कहा कि मोदी इस बात की गारंटी लेंगे कि नीतीश कुमार अब नहीं पलटेंगे। पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी ने विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 9 बार सीएम बनकर इन्होंने रिकॉर्ड बना दिया है। लेकिन एक टर्म में ही तीसरी बार शपथ लेकर भी इतिहास रच दिया गया है। तेजस्वी यादव की यह बात सुनकर सदन में जोर-जोर से ठहाके लगने लगे। बता दें कि बिहार विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच चर्चा चल रही है। इस दौरान तेजस्वी यादव अलग ही अंदाज में नजर आए। पूर्व डिप्टी सीएम ने नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधते हुए उन्हें राजा दशरथ भी बता दिया।

राजद नेता तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार की तुलना दशरथ से कर दी। तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री हमारे लिए आदरणीय थे, हैं और हमेशा रहेंगे, लेकिन उन्होंने जो किया वो सही नहीं किया। तेजस्वी यादव ने इस दौरान पीएम मोदी से भी सवाल पूछ लिया। उन्होंने कहा कि क्या मोदी जी इस बात की गारंटी लेंगे कि नीतीश दोबारा पलटेंगे या नहीं?

तेजस्वी यादव ने कहा कि कई बार सीएम नीतीश कुमार हमें बोलते रहे की तुम हमारे बेटे की तरह हो, हम भी नीतीश कुमार को राजा दशरथ की तरह ही पिता मानते हैं, इनकी मजबूरी रही होगी जैसे राजा दशरथ की रही थी कि भगवान राम को वनवास भेज दिया गया। हालांकि, हम इसे वनवास नहीं मानते हैं। हमें तो इन्होंने (जनता के बीच भेजा है, उनके सुख और दुख का भागीदार बनने के लिए। तेजस्वी ने यह भी कहा कि मैं इस नई सरकार के खिलाफ खड़ा हूं। इस दौरान तेजस्वी यादव ने सदन में नीतीश कुमार को एक ही टर्म में तीन बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई दी। इस पर सदन में ठहाके लगने लगे।

जयंत चौधरी के बीजेपी में जाने पर नरेश टिकैत खफा, करनी चाहिए थी सलाह

बागपत । भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष नरेश टिकैत ने कहा कि जयंत चौधरी को बीजेपी के साथ जाने से पहले अपने साथी नेताओं से भी बात करनी चाहिए थी। उन्होंने रालोद प्रमुख जयंत चौधरी के एनडीए में शामिल होने पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि जयंत चौधरी को ऐसा फैसला करने से पहले उन लोगों से बात करनी चाहिए था जो दशकों से उनके साथ हैं। नरेश टिकैत ने मीडिया से बात करते हुए जयंत चौधरी के एनडीए में शामिल होने की चर्चा पर निराशा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि राजनीति में कब दुश्मन-दोस्त बन जाए, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। जयंत चौधरी की अपनी सोच है, लेकिन उन्हें कम-से-कम उन लोगों से सलाह तो करनी चाहिए थी जो तीन पीढ़ियों से उनके साथ काम रक रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष ने आगे कहा कि चौधरी चरण सिंह किसानों के मसीहा थे और वह भारत रत्न के हकदार थे। उन्हें यह सम्मान पहले ही मिलना चाहिए था। किसानों ने पहले ही चौधरी चरण सिंह के लिए भारत रत्न की मांग की थी। सरकार को अब किसानों की ज्वलंत समस्याओं का भी समाधान करना चाहिए। बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने की घोषणा के बाद राष्ट्रीय लोकदल के प्रमुख जयंत चौधरी ने केंद्र सरकार की जमकर सराहना की थी। इसके बाद उनके राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन एनडीएमें जाने की अटकलें तेज हो गई हैं।

शिवसेना, एनसीपी के बाद अब कांग्रेस की बारी!

अशोक चव्हाण के साथ 10-12 विधायक बीजेपी में हो सकते हैं शामिल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता अशोक चव्हाण ने लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक को एक और झटका देते हुए सोमवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। यह घटनाक्रम महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं बाबा सिद्दीकी और मिलिंद देवड़ा द्वारा सबसे पुरानी पार्टी छोड़ने के कुछ दिनों बाद आया है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख नाना पटोले को लिखे अपने इस्तीफे में उन्होंने लिखा कि मैं 12/02/2024 को दोपहर से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से अपना इस्तीफा सौंप रहा हूं। 65 वर्षीय नेता ने विधायक पद से अपना इस्तीफा भी स्पीकर को भेज दिया है।

इस्तीफे के बाद पत्रकारों से बात करते हुए चव्हाण ने कहा कि मैंने विधायक के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी के सभी पदों से अपना इस्तीफा दे दिया है। एक दो दिनों में मैं तय करूंगा कि आगे क्या करना है। मैंने कांग्रेस के लिए पूरा काम किया है। मेरी जिंदगी लेकिन मैं अब विकल्पों की तलाश में हूं। उन्होंने कहा कि मैं अपने पूरे जीवन में एक कांग्रेसी रहा हूं और ईमानदारी से पार्टी के लिए काम किया है। मुझे नहीं लगता कि हर बार हमें यह बताना होगा कि मैंने पार्टी क्यों छोड़ी है; यह मेरा निजी कारण है।

बीजेपी से मिल सकती है राज्यसभा सीट

सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी चव्हाण को राज्यसभा सीट की पेशकश कर सकती है। सूत्रों ने बताया कि 10 से 12 विधायक भी चव्हाण के संपर्क में हैं और आने वाले समय में पाला बदल लेंगे। चव्हाण के अगले कदम के बारे में अटकलों के बीच, भाजपा नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इंतजार करने और देखने के लिए कहा कि क्या होगा।

चव्हाण के इस्तीफे पर कांग्रेस ने कहा : जांच एजेंसियों का दबाव है वजह

नई दिल्ली। कांग्रेस ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण के पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद सोमवार को कहा कि जो लोग ऐसे कदम उठा रहे हैं उन पर जांच एजेंसियों का दबाव है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि जो नेता किसी न किसी वजह से खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं कि उनके लिए भारतीय जनता पार्टी की 'वाशिंग मशीन' वैचारिक प्रतिबद्धता के मुकाबले ज्यादा आकर्षक रहेगी। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका देते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चह्वाण ने सोमवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। ऐसी अटकलें हैं कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो सकते हैं। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'जब मित्र और सहकर्मी उस राजनीतिक दल को छोड़ देते हैं जिसने उन्हें बहुत कुछ दिया है - शायद उससे भी अधिक जिसके वे हकदार थे, तो यह हमेशा पीड़ा का विषय होता है। लेकिन जो लोग असुरक्षित महसूस करते हैं, उनके लिए वह 'वॉशिंग मशीन' हमेशा वैचारिक प्रतिबद्धता या व्यक्तिगत वफादारी से अधिक आकर्षक साबित होगी।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दी स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सीख

-गोंदिया में सरकारी मेडिकल कॉलेज के नए भवन का हुआ भूमिपूजन

गोंदिया (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सीख दी है। उन्होंने रविवार को कहा कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का सपना तभी साकार हो सकता है, जब सभी देशवासियों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा कि तभी देश पूर्ण रूप से शक्तिशाली बन सकेगा। महाराष्ट्र के गोंदिया में सरकारी मेडिकल कॉलेज के नए भवन के भूमिपूजन समारोह में बोलते हुए श्री धनखड़ ने सभी से स्वस्थ जीवन शैली बनाए रखने और आयुर्वेद जीवन शैली को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह देश की एक अनमोल सांस्कृतिक विरासत है। आयुष्मान भारत योजना के जरिए देश के नागरिकों को दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य सुरक्षा कवर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस माध्यम से न केवल नागरिकों को इलाज के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं भी बहुत प्रभावी ढंग से प्रदान की जा रही हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम अच्छे स्वास्थ्य का ध्यान रखकर नये भारत के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। यह कहते हुए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल के कारण योग दुनिया भर में पहुंच गया है, श्री धनखड़ ने कहा कि पहले साधारण बीमारियों के इलाज के लिए भी विदेश जाना पड़ता था। अब देश में हर जगह उन्नत उपचार उपलब्ध हैं।

उपराष्ट्रपति ने महाराष्ट्र में उपलब्ध चिकित्सा शिक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जिला स्तर पर सुपरस्पेशलिटी अस्पताल स्थापित करने की पहल सराहनीय है। इससे आम लोगों को बहुत मदद मिलेगी। उन्होंने दवाओं की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के सरकार के प्रयासों की सराहना की। श्री धनखड़ ने प्राचीन आयुर्वेद जीवन शैली को संरक्षित करने की अपील की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र राज्य के हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने में अग्रणी है और बताया कि सरकारी अस्पतालों में सभी सेवाएं मुफ्त प्रदान की जाएंगी।

सिद्धारमैया ने तोड़े रिकॉर्ड : 90 लोगों को प्रसाद की तरह बांटा कैबिनेट मंत्री का दर्जा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बने हुए अभी सालभर भी नहीं हुआ है। लेकिन असंतुष्टों की फौज खड़ी हो गई। यही वजह है कि राज्य की सिद्धारमैया सरकार ने सभी रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए 90 लोगों को कैबिनेट मंत्री का दर्जा देकर उन्हे खुश करने की कोशिश की है। इसमं 77 विधायक और 9 अन्य लोग शामिल हैं। कर्नाटक के इतिहास में पहली बार है जब इतने लोगों को मंत्री का दर्जा दिया गया है। अलग-अलग वर्गों को संतुष्ट करने के लिए सिद्धारमैया सरकार ने 77 विधायकों और चार एमएलसी को मंत्री का दर्जा दिया। कर्नाटक में कांग्रेस के कुल 135 विधायक हैं। इसमें मंत्रियों के अलावा कॉर्पोरेशन और बोर्ड के अध्यक्षों, मुख्यमंत्री के कई सलाहकारों और यहां तक कि विधानसभा और विधानसभा में पार्टी के चीफ विप को भी कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है।

मुख्यमंत्री के जिन 9 सलाहकारों की नियुक्ति की गई है वे किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं। इसमें कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करवाने वाले सुनील कानुगोली, मुख्मंत्री के स्वास्थ्य सलाहकार डॉ. एच रविकुमार, पूर्व आईएएस और ब्रैंड बेंगलुरु एक्सपर्ट पीएस पाटिल और डॉ. आरती कष्ण शामिल हैं। बता दें कि कैबिनेट मंत्री को कई तरह की सुविधाएं मिलती हैं। जैसे कि वह 14 स्टाफ को हायर कर सकता है। इसके अलावा उसे सरकारी गाड़ी के साथ ही अंगरक्षक दिए जाते हैं। उसे तनख्वाह भी मिलती है। बता दें कि दर्जा प्राप्त मंत्री कोई संवैधानिक पद नहीं होता है। लोगों को खुश करने के लिए अलग-अलग निगम और परिषद का चेयरमैन बना दिया जाता है। ये लोग मंत्रिपद की शपथ भी नहीं लेते हैं। ना तो इसके लिए किसी लिखित आदेश की जरूरत होती है। चुनाव के गणित को देखते हुए भी सरकार कैबिनेट मंत्री का दर्जा दे देती है।

पहले बेटी ने राममंदिर के विरोध में रखा था व्रत, अब पिता मणिशंकर अय्यर जप रहे हैं पाकिस्तान की माला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंक की फैक्ट्री कहे जाने वाले पाकिस्तान की अंध भक्ति कैसे की जाती है, ये कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर से बेहतर कोई नहीं जानता होगा। हाल ही में उन्होंने लाहौर के अलहमरा में फैज महोत्सव के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए पाकिस्तान की जमकर तारीफ की। वहां का स्नेह और पाकिस्तान का प्यार अय्यर को इतना भाया की, अपने भाषण में वे पाकिस्तान... पाकिस्तान... की ही माला जपते रहे। बता दें कि हाल ही में अय्यर की बेटी सुरन्या अय्यर से जुड़ा एक मामला भी सामने आया था, जहां उन्होंने अयोध्या में निर्मित राम मंदिर के विरोध में उपवास रखने का ऐलान किया था। इसके चलते आरडब्ल्यूए की तरफ से उन्हें नोटिस भी मिला था और माफी मांगने के लिए कहा गया था। हालांकि, उन्होंने दावा किया था कि जिस सोसाइटी की तरफ से उन्हें पत्र लिखा गया है, वह वहां नहीं रहती हैं। सुरन्या ने 19 जनवरी को एक सोशल मीडिया पोस्ट में भारत के मुसलमानों के

समर्थन में उपवास का ऐलान किया था। बीते सप्ताह ही सुरन्या के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के वकील अजय अग्रवाल ने दिल्ली के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत भी दर्ज कराई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अग्रवाल के आरोप थे कि अय्यर ने 20 जनवरी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर रामलला मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं।

पाकिस्तानी अखबार के अनुसार, अय्यर ने कहा, मेरे अनुभव से पाकिस्तानी ऐसे लोग हैं, जो दूसरे पक्ष के लिए जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया देते हैं। अगर हम दोस्ती का व्यवहार रखते हैं, तो वे और ज्यादा दोस्ती रखते हैं। अगर हम शत्रुतापूर्ण बर्ताव करते हैं, तो वे और भी ज्यादा शत्रुतापूर्ण हो जाते हैं। इस दौरान उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की भी जमकर आलोचना की। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि आज तक किसी भी दूसरे देश में मेरा ऐसा स्वागत नहीं किया गया जितना पाकिस्तान में किया गया। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, अय्यर ने शनिवार को लाहौर के अलहमरा में फैज महोत्सव के दौरान यह बात कही। अय्यर ने कहा कि जब वह कराची में महावाणिज्य दूत के रूप में तैनात थे तो हर किसी ने उनकी और उनकी पत्नी की खातिरदारी की। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेता ने सुझाव दिया कि व्यापारियों, छात्रों और शिक्षाविदों को दोनों देशों की सरकारों को दरकिनार करते हुए भारत और पाकिस्तान के बाहर मिलना जारी रखना चाहिए।

यूट्यूबर एल्विश यादव ने शख्स को मारा थप्पड़, जमकर हुई हाथापाई

जयपुर । रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी 2' में भाग लेने वाले एल्विश यादव ने एक शख्स को जमकर थप्पड़ मार दिया है। इसके बाद लोग तरह तरह के कामेंट्स कर रहे हैं। बता दें कि काफी लोकप्रिय हो चुके यूट्यूबर एल्विश यादव की सोशल मीडिया पर बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है। वे कुछ म्यूजिक वीडियो में भी नजर आते रहे हैं। फिलहाल वे किसी को थप्पड़ मारने के कारण से सुर्खियों में आए हैं। मी ?डिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 26 वर्षीय एल्विश यादव ने जयपुर के एक रेस्टोरेंट में एक आदमी को थप्पड़ मार दिया। जानकारी के अनुसार, एक अज्ञात व्यक्ति ने एल्विश यादव के परिवार पर कमेंट किया, जिसके बाद उन्होंने गुस्से में थप्पड़ मार दिया। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर इस समय काफी वायरल हो रहा है। कुछ फैन बता रहे हैं कि उस शख्स ने एल्विश पर गलत कमेंट्स किए थे जिससे वे नाराज हो गए।

राज्यसभा के चुनाव में भी ममता ने कांग्रेस को दिया झटका, चल दिया लोकसभा का दांव

कोलकाता (एजेंसी)। ममता बनर्जी ने रविवार को राज्यसभा की चार सीटों के चुनाव के लिए अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। इस बार अभिषेक मनु सिंघवी को दरकिनार करते हुए ममता बनर्जी ने प्रोफेशनल कोटे से पत्रकार सागरिका घोष को टिकट दिया है। यह कांग्रेस के लिए बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल इससे पहले ममता बनर्जी ने कांग्रेस के कम विधायक होने के बावजूद अपने विधायकों से समर्थन दिलवाकर वकील अभिषेक मनु सिंघवी को राज्यसभा भिजवाया था। ढृहष्ठढृ गठबंधन में बिखराव की खबरों के बीच यह कांग्रेस के लिए एक और बड़ा झटका है। वहीं ममता बनर्जी ने चार उम्मीदवारों के जरिए लोकसभा चुनाव के समीकरण भी साधने की कोशिश की है।

ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पत्रकार सागरिका घोष, राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव, मतुआ समुदाय से आने वाली ममता बाला ठाकुर और पूर्व राज्यसभा सांसद मोहम्मद नदीमुल हक को राज्यभा भेजने का फैसला किया है। 27 फरवरी को राज्यसभा के चुनाव होने हैं। ममता बनर्जी ने महिला वोटर्स को लुभाने के लिए चार में से तीन महिलाओं को टिकट दिया है। वहीं मतुआ और अल्पसंख्यकों को साधने के लिए भी दो नामों का ऐलान किया है।

सुष्मिता देव ने कहा, मैं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को धन्यवाद देती हूं। उन्होंने मुझे एक बार फिर राज्यसभा के लिए अवसर दिया है। मैं उनकी आभारी हूं।

ममता बाला ठाकुर को टिकट देकर ममता बनर्जी ने 2024 चुनाव के लिए बड़ा दांव खेला है। मतुआ लीडर ममता ठाकुर का नाम इसलिए अहम है क्योंकि हाल ही में अमित शाह ने ऐलान किया था कि लोकसभा चुनाव से पहले सीएए लागू किया जाएगा। ऐसे में ममता बनर्जी मतुआ समुदाय को साधने की कोशिश कर रही हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में ममता ठाकुर को शांतनु ठाकुर के खिलाफ टिकट दिया गया था। भाजपा के शांतनु के आगे उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

ममता बनर्जी ने कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी को समर्थन देने की बजाय इस बार पत्रकार सागरिका घोष को राज्यसभा भेजने का फैसला किया जो कि टीएमसी की सदस्य भी नहीं हैं। बताया जा रहा है कि सीटों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस के साथ डील ना हो पाने की वजह से उन्होंने सिंघवी को किनारे कर दिया। कांग्रेस की बात करें तो उसके खाते में 10 ही सीटें जाती दिख रही हैं। ऐसे में कांग्रेस पार्टी के अंदर भी सबको संतुष्ट कर पाना मुश्किल हो रहा है। वहीं सूत्रों का कहना है कि इस बार सोनिया गांधी भी राज्यसभा जा सकतीहैं।

स्टब बने फिनलैंड के राष्ट्रपति, चुनाव में हुई जीत

हेलसिंकी । अलेक्जेंडर स्टब फिनलैंड के राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं। उन्होंने चुनाव में बड़ी जीत हासिल कर ली है। मिली जानकारी के अनुसार फिनलैंड में राष्ट्रीय गठबंधन के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अलेक्जेंडर स्टब ने रविवार को चुनाव में जीत दर्ज की। फिनलैंड के न्याय मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार श्री स्टब को 51.6 प्रतिशत वोट मिले हैं, जबकि स्वतंत्र ग्रीन उम्मीदवार पेक्का हाविस्टो को 48.4 प्रतिशत मत ही मिले। श्री हाविस्टो ने श्री स्टब को चुनाव जीतने पर बधाई दी है। चुनाव विश्लेषक सामी बोर्ग ने कहा कि प्रत्यक्ष लोकप्रिय वोट के युग के दौरान यह परिणाम सबसे कठिन है। चुनाव में 70.7 प्रतिशत मतदान हुआ था।

राफा इलाके में मरने वालों की संख्या सौ से ऊपर पहुंची

गाजा । गाजा पट्टी के दक्षिणी शहर राफा और आसपास के इलाकों में मरने वालों की संख्या सौ पार कर गई है। यहां पर इजरायली सेना के भारी हमलों में मरने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जो कि सोमवार को बढ़कर सौ से अधिक हो गई। जबकि महिलाओं और बच्चों सहित सैकड़ों लोग घायल बताए जा रहे हैं। आधिकारिक फ़िलिस्तीनी मीडिया ने यह जानकारी दी है। उसने हा?लिया रिपोर्ट में कहा है कि इजरायली सेना ने आज तड़के राफा क्षेत्र पर लगभग 40 हवाई हमले किए। हमलों में जमीनी स्तर पर गोलाबारी की गई है। इज़रायली सेना ने अपने एक बयान में कहा कि उसने सोमवार को दक्षिणी गाजा में आतंकवादी ठिकानों पर सिलसिलेवार हमले किए हैं, लेकिन विस्तृत विवरण नहीं दिया गया है। हालांकि गाजा स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में कहा कि गाजा पट्टी में इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 28,176 हो गई है, जबकि 67,784 अन्य घायल हुए हैं। यहां उल्लेखनीय है कि गाजा में इजरायल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से यहां के लगभग आधे लोग सुरक्षा की तलाश में मिस्र से सटे राफा शहर में आ गए हैं।

गाजा पट्टी में इजरायली सेना ने दो बंधकों को छुड़ाया

येरुसलम । गाजा पट्टी में इजरायली सेना ने दो बंधकों को छुड़ाया है। जानकारी के अनुसार इजराइली सेना ने कहा कि उसने सोमवार सुबह गाजा पट्टी में दो बंधकों को छुड़ाया है। इजराइली सेना ने कैद से मुक्त कराए गए व्यक्तियों की पहचान फर्नांडो सिमोन मरमैन (60) और लुइस हार (70) के रूप में बताई है। सेना के प्रवक्ता ने बताया कि हमास के आतंकवादियों ने सात अक्टूबर को किए हमले में किबुत्ज निर यिझाक से इन दोनों को बंधक बनाया था। दोनों को गाजा पट्टी के दक्षिणी सीमावर्ती शहर रफह से छुड़ाया गया है। सेना ने बताया कि दोनों के स्वास्थ्य की स्थिति ठीक है। हालांकि ये उन 136 बंधकों में शामिल थे जो इजराइल के मुताबिक अब भी हमास के कब्जे में हैं।

पाकिस्तान में इस्लामिक स्टेट का आतंकी सरगना हुआ ढेर

करांची । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अशांत खैबर जिले में आतंकवादी सरगना को ढेर कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार खुफिया सूचना पर आधारित अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने प्रतिबंधित संगठन दाएश से जुड़े एक आतंकवादी सरगना को मार गिराया है। पाकिस्तानी सेना ने रविवार को यह जानकारी दी है। पाकिस्तानी सेना के मीडिया प्रकोष्ठ इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के मुताबिक इलाके में एक हाई-प्रोफाइल आतंकवादी की मौजूदगी बनी हुई थी। जिसकी सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने एक अभियान चलाया था। सेना ने एक बयान में कहा कि भीषण गोलीबारी के बाद, दाएश (इस्लामिक स्टेट) के हाई-प्रोफाइल आतंकवादी सरगना सूरत गुल उर्फ सैफुल्लाह को मार गिराया गया है। आईएसपीआर के मुताबिक मारे गए आतंकवादी सरगना के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए है। उसके कई आतंकवादी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहने की जानकारी मिली थी। बता दें कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों को इसकी लंबे समय से तलाश थी।

जासूसी के आरोपी यूक्रेनियाई व्यक्ति की रशियन जेल में मौत

मास्को । जासूसी के आरोप में बंद 71 वर्षीय एक कैदी की रूस के कारागार में मौत हो गई है। मानव अ?धिकार कार्यकर्ताओं ने रविवार को यह जानकारी दी है। मानवाधिकार समूह 'मेमोरियल' को प्राप्त हुए अदालती दस्तावेजों के मुताबिक रूस ने दिवंगत विक्टर डेमचेंको के खिलाफ अपना मामला बंद कर दिया था। उन पर जासूसी करने, एक आतंकवादी समूह का हिस्सा होने, हथियार और गोला-बारूद रखने का आरोप था। अधिकारियों ने बाद में मीडिया को बताया कि डेमचेंको की 31 दिसंबर को हुई मौत से कई दिन पहले उन्हें स्ट्रोक आया था, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि खबर सार्वजनिक होने में इतनी देरी क्यों हुई है। बताया जा रहा है कि डेमचेंको का जन्म यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र के मोस्पिनो शहर में हुआ था। उनके खिलाफ अगस्त, 2023 से दक्षिणी रूसी शहर रोस्तोव-ऑन-डॉन में मुकदमा भी चल रहा था।

गिरजाघर में महिला ने की गोलीबारी, दो लोग घायल, हमलावर ढेर

ह्यूस्टन। टेक्सास के ह्यूस्टन में एक महिला ने गिरजाघर में गोलीबारी की। इस दौरान दो लोग घायल हुए हैं, जबकि पुलिस ने हमलावर महिला को मार गिराया है। जानकारी के अनुसार प्रमुख ईसाई पादरी जोएल ओस्टीन द्वारा संचालित विशाल गिरजाघर में रविवार को गोलीबारी में दो लोग घायल हो गए हैं। शहर के पुलिस प्रमुख ट्रॉय फिनर ने कहा कि घायलों में लगभग पांच साल का बच्चा भी शामिल है जिसकी हालत गंभीर है जबकि कूल्हे में गोली लगने से घायल 57 वर्षीय व्यक्ति की हालत स्थिर बताई जा रही है। दोपहर बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में लेकवुड गिरजाघर ने कहा कि गोलीबारी की घटना से अफरा तफरी का माहौल था, इसके बाद कानून प्रवर्तन अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। फिनर ने कहा कि हमलावर महिला की उम्र लगभग 30 वर्ष के आसपास होगी, जो लगभग पांच साल के बच्चे के साथ गिरजाघर में दाखिल हुई और गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि दोपहर एक बजकर 50 मिनट पर गिरजाघर में गोलीबारी की घटना के दौरान दो कानून प्रवर्तन अधिकारी भी मौजूद थे जो उस वक्त ड्यूटी पर नहीं थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने ड्यूटी पर नहीं होने के बावजूद तत्परता दिखाई और महिला पर गोलियां दागीं जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। महिला की पहचान अभी उजागर नहीं हुई है। पुलिस प्रमुख ने कहा कि महिला ने धमकी दी थी कि उसके पास बम है और पुलिस के वहां पहुंचने पर उसने एक अज्ञात पदार्थ का छिड़काव भी किया था। उन्होंने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह पदार्थ क्या था, और उसने ऐसा क्यों किया। हालांकि दमकल विभाग के कर्मचारी जांच करने और घटनास्थल को साफ करने के लिए रवाना हो गए हैं।

मादक पदार्थ तस्करी के मामलों में 14 भारतीय नेपाल में हुए गिरफ्तार

काठमांडु । नेपाल पुलिस ने 14 भारतीयों को मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार रविवार को मादक पदार्थ की तस्करी के अलग-अलग मामलों में कम से कम 14 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार कर उनके पास से कुल 149 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया गया। नेपाल पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ये सभी गिरफ्तारियां धरान शहर से हुईं है। इस मामले में पुलिस ने बताया कि चार भारतीयों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 50 किलोग्राम हशीश बरामद की गई जबकि एक अन्य मामले में पांच भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 99 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक एक अन्य मामले में 23 वर्षीय एक भारतीय नागरिक को उसके चार साथियों के साथ मादक पदार्थ की तस्करी में संलिप्त होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पाकिस्तान में हजारे डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थक पक्षपात रहित चुनावों की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन करते हुए।

आम नागरिकों की सुरक्षा के बिना सैन्य अभियान न चलाने की सलाह

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने आम आदमी की सुरक्षा के बिना सैन्य अभियान न चालाने की सलाह दी है। बाइडन ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से कहा कि इजराइल को आम नागरिकों की सुरक्षा की ठोस योजना के बिना गाजा के घनी आबादी वाले रफह शहर में सैन्य अभियान शुरू नहीं करना चाहिए। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी है। बता दें कि मिस्र के दो अधिकारियों और एक पश्चिमी राजनयिक ने कहा था कि मिस्र ने चेतावनी दी है कि अगर इजराइली सैनिकों को रफह में भेजा जाता है तो वह इजराइल के साथ अपना शांति समझौता निलंबित कर देगा। मिस्र की चेतावनी के बाद बाइडन और नेतन्याहू के बीच भी बातचीत हुई है। हालांकि नेतान्याहू ने कुछ दिन पहले भी कहा था कि उन्होंने सेना को दक्षिण गाजा में रफह शहर पर संभावित इजराइली आक्रमण से पहले वहां से लोगों को निकालने की योजना तैयार करने का निर्देश दिया है।

यूएई भारतीय दूत बोले- अबू धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर भारत और खाड़ी के बीच मजबूत संबंधों का प्रमाण

वाशिंगटन। (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अबू धाबी में पहले बीएपीएस हिंदू मंदिर का उद्घाटन करने के लिए तैयार हैं। संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय दूत संजय सुधीर ने इसे भारत और खाड़ी क्षेत्र के बीच स्थायी सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक संबंधों का एक प्रमाण बताया है।

पीएम मोदी 13-14 फरवरी तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। सुधीर ने कहा- ÷ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में यह बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत और खाड़ी देशों के बीच सदियों से चले आ रहे सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जुड़ाव के बारे में बात करता है, हालांकि दुबई और संयुक्त अरब अमीरात के अन्य हिस्सों में कई और मंदिर हैं।÷

भारतीय दूत ने कहा- ÷इस मंदिर की खास बात यह है कि यह जिस पैमाने पर हो रहा है। साथ ही तथ्य यह है कि यह एक ऐसा मंदिर है, जो नेतृत्व के दृष्टिकोण से सामने आया है। कई भक्तों और भारतीय प्रवासियों के सदस्यों ने व्यक्तिगत रूप से निर्माण में भाग लिया,

जो श्रमदान या स्वैच्छिक श्रम के माध्यम से उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मंदिर का पूरा होना एक सामूहिक उपलब्धि है, जो समुदाय द्वारा निवेशित एकता और प्रेम को दर्शाता है। व्यापक द्विपक्षीय संबंधों की ओर मुड़ते हुए राजदूत सुधीर ने पिछले दशक में भारत-यूएई संबंधों में उल्लेखनीय परिवर्तन को रेखांकित किया। उनके अनुसार, 2015 में पीएम मोदी की यात्रा ने एक नए युग की शुरुआत की, जो पिछले भारतीय प्रधान मंत्री के संयुक्त अरब अमीरात के दौरे के बाद से 34 साल का अंतराल समाप्त हुआ। तब से संबंध तेजी से विकसित हुए हैं, जिसकी परिणति 2017 में एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी समझौते और 2022 में हालिया व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर के रूप में हुई।

आतंकी हमले में यूएई के 4 सैनिक समेत बहरीन के एक सैन्य अधिकारी की मौत

अंकार। सोमालिया की राजधानी में एक सैन्य अड्डे पर हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी अल-कायदा से संबद्ध आतंकी समूह अल-शबाब ने ले ली है। अधिकारियों ने उक्त जानकारी रविवार को देते हुए बताया कि इस हमले में यूएई के 4 सैनिक समेत बहरीन का एक सैन्य अधिकारी की मौत हुई है। जानकारी अनुसार आतंकी हमले में, सैन्य अड्डे पर चल रहे प्रशिक्षण मिशन पर आए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के 4 सैनिकों और बहरीन के एक सैन्य अधिकारी की मौत हो गई। यह हमला शनिवार को मोगादिशु में जनरल गॉर्डन सैन्य अड्डे पर सैनिकों को निशाना बनाते हुए किया गया था। इस हमले में किसी अन्य व्यक्ति के मारे जाने की कोई जानकारी नहीं है। सोमालिया के राष्ट्रपति हसन शेख मोहम्मद ने हमले में यूएई के सैनिकों की मौत पर देश के लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। यूएई की आधिकारिक समाचार एजेंसी ने आतंकी हमले से संबंधित जानकारी साझा करते हुए कहा है कि जान गंवाने वालों में एक कर्नल रैंक के अधिकारी समेत दो वारंट अधिकारी और एक सैनिक शामिल हैं।

ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति उम्मीदवार के और करीब पहुंचे, नेवादा व वर्जिन आइलैंड में जीते

बुडापेस्ट (एजेंसी)। लास वेगास, 12 फरवरी (वेब वार्ता)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नेवादा और वर्जिन आइलैंड में जीत के साथ रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति उम्मीदवार की तरफ एक कदम और करीब पहुंच गए हैं।

ट्रंप ने नेवादा में प्रतिद्वंद्वी निक्की हेली ने काकस के बजाय प्राइमरी चुनाव का विकल्प चुना था, इसलिए ट्रंप यहां इकलौते प्रमुख उम्मीदवार थे। दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली रिपब्लिकन पार्टी में ट्रंप के सामने डटी हुई हैं। नेवादा में ट्रंप की जीत से उन्हें राज्य के सभी 26 डेलीगेट मिल गए। इस प्रकार वर्जिन आइलैंड से भी चार डेलीगेट हासिल कर लिए है। वर्जिन आइलैंड में ट्रंप को 74 फीसदी तो निक्की को 26 फीसदी वोट मिले।

औपचारिक रूप से पार्टी का नामांकन हासिल करने के लिए उन्हें 1,215 प्रतिनिधियों की आवश्यकता है और वह मार्च में इस संख्या तक पहुंच सकते हैं। गुरुवार को मतदान के दौरान रिनो एरिया के प्राइमरी स्कूल में चुनाव शुरू होने के 20 मिनट बाद लगभग एक हजार की संख्या में ट्रंप के समर्थक मतदान केंद्र पर पहुंच गए थे। उधर, लगातार हार रहीं निक्की ने कहा कि 2024 में महिला राष्ट्रपति होगी, चाहे मैं बनूं या कमला हैरिस, दोनों भारतवंशी हैं।

रूस ने यूक्रेन पर 45 ड्रोन हमले किए, यूक्रेन के युद्ध मंत्रिमंडल में फेरबदल जारी

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन पर रूस ने साढ़े पांच घंटों के दौरान 45 ड्रोन से हमले किए। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का अपने युद्ध मंत्रिमंडल में बदलाव का दौर जारी है। यूक्रेन की वायुसेना ने एक बयान जारी कर बताया कि रूस द्वारा भेजे गए ईरान निर्मित 40 शाहिद ड्रोन को राजधानी कीव के बाहरी इलाके सहित देश के नौ क्षेत्रों में मार गिराया। यूक्रेन के दक्षिणी रक्षा बलों के अधिकारियों ने टेलीग्राम चैनल से जानकारी दी, साढ़े पांच घंटे तक चली लड़ाई में रूस द्वारा कृषि सुविधाओं और तटीय बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि मायकोलाइव क्षेत्र में एक हमले में एक व्यक्ति घायल हो गया जबकि आग लगने से आसपास की आवासीय इमारतों को नुकसान पहुंचा। क्षेत्र के सैन्य प्रशासन के प्रमुख सेरही लिसाक ने कहा कि यूक्रेन के निप्रॉपेट्रोव्स्क क्षेत्र में एक अन्य व्यक्ति तब घायल हो गया जब नष्ट हुए ड्रोन के मलबे के कारण आग लग गई। रूस द्वारा ये हमले ऐसे समय किए गए हैं जब जेलेंस्की जवाबी हमलों की गति बनाए रखने के लिए सैन्य कमांडरों की नियुक्ति में फेर बदल कर रहे हैं। यूक्रेन ने रविवार को घोषणा की कि पूर्व उप रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल अलेक्जेंडर पावल्युक यूक्रेन की जमीनी सेना के नए कमांडर होंगे। यह पद पहले कर्नल जनरल ऑलेक्जेंडर सिर्स्की के पास था। सिर्स्की को गुरुवार को यूक्रेन के निवर्तमान सैन्य प्रमुख जनरल वलेरी जालुजनी के स्थान पर नियुक्त किया गया था। राष्ट्रपति के नए आदेशों के मुताबिक यूक्रेन के समुद्री कोर के पूर्व प्रमुख यूरी सोडोल को अब देश की संयुक्त सेना का नया कमांडर नामित किया गया है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन अस्पताल में भर्ती, अपने अधिकार उप रक्षा मंत्री को सौंपे

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन को ''ब्लैडर (मूत्राशय) में समस्या'' से संबंधित लक्षणों के कारण रविवार को फिर से अस्पताल में भर्ती कराया गया। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने यह जानकारी दी। ऑस्टिन के दिसंबर में प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित होने का पता चला था। पेंटागन ने एक बयान में कहा कि ऑस्टिन को उनका सुरक्षा दस्ता दोपहर दो बजकर 20 मिनट के आसपास वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर ले गया।

ऑस्टिन की शुरू में ''अपने कार्यालय के कार्यों'' को पूरा करने की योजना थी, लेकिन रविवार शाम लगभग पांच बजे उन्होंने अपने अधिकार उप रक्षा मंत्री कैथलीन हिक्स को सौंप दिए। पेंटागन के प्रेस सचिव मेजर जनरल पैट राइडर ने बताया कि रविवार शाम तक ऑस्टिन अस्पताल में भर्ती थे। ऑस्टिन के स्वास्थ्य के

बारे में ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष के साथ-साथ व्हाइट हाउस और कांग्रेस को भी सूचित किया गया था।

ऑस्टिन मंगलवार को यूक्रेन संपर्क समूह की बैठक आयोजित करने के लिए ब्रसेल्स के लिए प्रस्थान करने वाले थे। उन्होंने 2022 में रूस के आक्रमण के बाद कीव के लिए सैन्य समर्थन के समन्वय के वास्ते इस बैठक की योजना बनायी थी। उसके बाद ऑस्टिन के नाटो रक्षा मंत्रियों की एक नियमित बैठक में भाग लेने का कार्यक्रम था। यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या ऑस्टिन के अस्पताल में भर्ती होने से इन योजनाओं में बदलाव आएगा।

ऑस्टिन को दिसंबर में प्रोस्टेट कैंसर का पता चला था और 22 दिसंबर को इसके इलाज के लिए उन्हें प्रोस्टेटक्टोमी नामक एक प्रक्रिया से गुजरना पड़ा था। बाद के सप्ताह में उनमें जटिलताएं पैदा हो गईं और एक जनवरी को अत्यधिक पीड़ा के कारण उन्हें एम्बुलेंस के जरिए द्वारा वाल्टर रीड ले जाया गया जहां उन्हें गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया। ऑस्टिन 15 जनवरी तक वाल्टर रीड में रहे। फिर उन्होंने स्वास्थ्य लाभ लेते हुए घर से काम करना जारी रखा और वह 29 जनवरी को पेंटागन लौट आए।

1985 में निर्दलियों से बनी थी पूरी संसद, क्या पाकिस्तान में इतिहास दोहराने वाले हैं इमरान खान?

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के आम चुनाव नतीजों ने कई लोगों को चौंका दिया है। उन्होंने नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और बिलावल भुट्टो जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के बीच दो-तरफा मुकाबले की राजनीतिक पंडितों की भविष्यवाणियों को खारिज कर दिया है। बाधाओं का सामना करने के बावजूद, जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दौड़ में सबसे आगे हैं। पीटीआई समर्थित उम्मीदवारों ने नेशनल असेंबली की 253 सीटों में से 92 पर जीत हासिल की है। डॉन के मुताबिक, नवाज शरीफ की पीएमएल-एन को 71 सीटें मिली हैं, जबकि पीपीपी 54 सीटों के साथ तीसरे स्थान पर है। अभी एक दर्जन से ज्यादा सीटों के नतीजे नहीं आए हैं. पाकिस्तान में अनिश्चितता का माहौल है क्योंकि कोई भी पार्टी 133 के बहुमत के आंकड़े को नहीं छू रही है, जिससे गठबंधन सरकार का रास्ता साफ हो गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, गैर-लाभकारी चुनावी निगरानी संस्था फ्री एंड फेयर इलेक्शन नेटवर्क के अनुसार, जीतने वाले उम्मीदवारों में से लगभग 100 निर्दलीय हैं, जिनमें से 92 पीटीआई द्वारा समर्थित हैं। यह पहली बार नहीं है कि इतनी बड़ी संख्या में निर्दलीय पाकिस्तान की संसद के लिए चुने गए हैं। 1985 में, देश में गैर-पार्टी आम चुनाव हुए थे जिसमें प्रत्येक दावेदार ने अपनी व्यक्तिगत क्षमता से चुनाव लड़ा था।

क्या पीटीआई समर्थित निर्दलीय अगली सरकार बनाएंगे?

खान ने एआई-जनरेटेड भाषण में दावा किया है कि उसके संबद्ध उम्मीदवारों ने दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया है और धांधली शुरू होने से पहले 150 से अधिक सीटें जीत रहे थे। पीटीआई नेता बैरिस्टर गौहर खान को मीडिया को बताया कि पीटीआई ने 265 नेशनल असेंबली सीटों में से 170 सीटें जीती हैं, जहां चुनाव हुए थे। हम बड़े दावे के साथ दावा करते हैं कि फिलहाल, पीटीआई ने नेशनल असेंबली की 170 सीटों पर बढ़त हासिल कर ली है। गोहर ने कहा कि इनमें से 94 ऐसे हैं जिन्हें ईसीपी स्वीकार कर रहा है और फॉर्म-47 (अनंतिम परिणाम) जारी कर चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि इमरान खान प्रधानमंत्री के संबंध में निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी को अभी गठबंधन सहयोगियों पर निर्णय लेना बाकी है।

1985 में पाकिस्तान के गैर-पार्टी चुनावों पर एक नज़र

पाकिस्तान ने अपना दूसरा सैन्य तख्तापलट 5 जुलाई 1977 को देखा जब जनरल जिया-उल हक ने पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के तत्कालीन प्रधान मंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो के खिलाफ तख्तापलट किया। जबकि सैन्य नेता ने राष्ट्र को 90 दिनों के भीतर आम चुनाव कराने की कसम खाई थी, 1985 में ही जनरल जिया ने वह वादा पूरा किया। पाकिस्तान में चुनाव तो हुए लेकिन किसी भी राजनीतिक दल को भाग लेने की इजाजत नहीं दी गई. इसके लिए जिया ने 1973 के संविधान में संशोधन कर देश के शासन को संसदीय लोकतंत्र से अर्ध-राष्ट्रपति प्रणाली में बदल दिया। इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, उन्होंने 8वें संशोधन के माध्यम से चुनी हुई सरकार को उखाड़ फेंकने की शक्तियां भी खुद को दे दीं। पाकिस्तान ने 25 फरवरी 1985 को गैर-दलीय आधार पर चुनाव कराया। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, ज़िया का मानना ??था कि इससे उनके लिए एक लोकप्रिय समर्थन आधार बनाने में मदद मिलेगी और राजनीतिक दलों द्वारा प्रतिनिधियों को प्रभावित किए बिना संसद को नियंत्रित करना आसान हो जाएगा। कुछ राजनीतिक दलों ने अपने नेताओं को स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरने की

अनुमति दी। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव के बाद, कुछ पार्टियों ने कई सीटों पर जीत का दावा किया क्योंकि उनके द्वारा समर्थित उम्मीदवार जीत गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1985 के चुनावों में संसद में जमींदार और व्यापारिक दिग्गजों के नए चेहरों का प्रवेश हुआ। डॉन से बात करते हुए पत्रकार वुसअतुल्लाह खान ने कहा कि जनरल जियाउल हक के समय में पूरी संसद निर्दलीयों से बनी थी। ये गैर-दलीय चुनाव दो कारणों से महत्वपूर्ण थे। एक, संसद को परिणामों के बाद राजनीतिक दल बनाने की अनुमति दी गई, जिससे दो-दलीय संसदीय प्रणाली का उदय हुआ। 1985 के बाद से पाकिस्तान का राजनीतिक परिदृश्य फला-फूला क्योंकि पीपीपी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग पाकिस्तानी मतदाताओं के बड़े हिस्से को अपने बैनर तले समायोजित करने में सक्षम थे। पाकिस्तान की शक्तिशाली सेना को एहसास हुआ कि देश के राजनीतिक माहौल को प्रभावित करने के लिए उसे हमेशा तख्तापलट करने की ज़रूरत नहीं है। ऐसा लगता है कि वे इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि %निगरानी% अधिपत्य से बेहतर है।

ऑस्ट्रेलिया ने फिर तोड़ा भारत का दिल, चौथी बार अंडर-19 विश्व कप जीता

बेनोनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने तीन महीने के अंदर दूसरी बार भारतीय क्रिकेट प्रेमियों का दिल तोड़कर रविवार को यहां फाइनल में 79 रन से जीत दर्ज करके चौथी बार अंडर-19 विश्व कप जीता। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट पर 253 रन चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। भारतीय टीम इसके जवाब में 43.5 ओवर में 174 रन बनाकर आउट हो गई।

ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम ने पिछले साल 19 नवंबर को अहमदाबाद में खेले गए वनडे विश्व कप के फाइनल में भारत को हराकर उसका आईसीसी ट्रॉफी जीतने का इंतजार बढ़ा दिया था। अब उसकी जूनियर टीम ने पिछली बार के चैंपियन भारत को छठी बार अंडर-19 विश्व कप नहीं जीतने दिया। यह पहला अवसर है जबकि भारत को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी की। उसकी तरफ से हरजस सिंह (64 गेंद पर 55 रन, तीन चौके, तीन छक्के), हैरी डिक्सन (56 गेंद पर 42 रन), कप्तान ह्यू वीबगेन (66 गेंद पर 48 रन) और ओलिवर पीक (43 गेंदों पर नाबाद 46) ने उपयोगी योगदान दिया। भारत की तरफ से तेज गेंदबाज राज लिंबानी ने और 38 रन देकर तीन विकेट जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नमन तिवारी ने नौ ओवर में 63 रन देकर दो विकेट लिए। पिच से असमान उछाल मिल रही थी और ऐसे में ऑस्ट्रेलिया का चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने का फैसला सही साबित हुआ।

भारतीय बल्लेबाज परिस्थितियों से सामंजस्य नहीं बिठा पाए। भारत के केवल चार बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे जिसमें सलामी बल्लेबाज आदर्श सिंह (47) और निचले क्रम के बल्लेबाज मुरूगन अभिषेक (42) भी शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए तेज गेंदबाज माहलि बीयर्डमैन ने सात ओवर में 15 रन देकर तीन विकेट जबकि कैलम विडलर ने 35 रन दे कर दो विकेट लिए। ऑफ स्पिनर रैफ मैकमिलन ने 43 रन देकर तीन विकेट लेकर अच्छा योगदान दिया। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ओवर में ही सलामी बल्लेबाज अर्शीन कुलकर्णी (03) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने कैलम विडलर की गेंद पर विकेट के पीछे कैच दिया।

उनका स्थान देने के लिए उतरे मुशीर खान (33 गेंद पर 22 रन) भी क्रीज पर पर्याप्त समय बिताने के बावजूद बड़ी पारी नहीं खेल पाए। माहलि बीयर्डमैन की गेंद उनके बल्ले का निचला किनारा लेकर विकटों में समा गई। आदर्श ने एक छोर संभाले रखा लेकिन दूसरी तरफ से विकेट गिरते रहे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ

सेमी फाइनल में भारत की जीत के नायक रहे कप्तान उदय सहारन (08) और सचिन धास (09) दोहरे अंक में भी नहीं पहुंच पाए जबकि प्रियांशु मोलिया(09) और विकेटकीपर बल्लेबाज अरावेल्ली अवनीश (00) ने भी निराश किया जिससे भारत का स्कोर 6 विकेट पर 91 रन हो गया।

पुरुष एकल के टॉप 100 में शामिल हुए सुमित नागल, ऐसा करने वाले 10वें भारतीय खिलाड़ी बनें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने सोमवार को 23 पायदान की छलांग लगाकर अपने करियर में पहली बार एटीपी एकल रैंकिंग के शीर्ष 100 में प्रवेश किया। रविवार को चेन्नई ओपन चैलेंजर में मिली जीत से नागल ताजा जारी एकल रैंकिंग में 98वें स्थान पर पहुंच गये जिसमें शीर्ष पर सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच काबिज हैं।

पिछले महीने नागल ग्रैंडस्लैम में 35 साल में वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराने वाले पहले भारतीय बने थे। उन्होंने पहले दौर में दुनिया के 27वें नंबर के कजाखस्तान के एलेक्जैंडर बुबलिक को हराकर उलटफेर किया था, हालांकि दूसरे दौर में वह चीन के जुनचेंग शांग से हार गये थे। 2019 में बायें हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन के शीर्ष 100 में पहुंचने के बाद बाद नागल शीर्ष 100 में जगह बनाने वाले पहले भारतीय हैं।

नागल ने रविवार को चेन्नई में मिली जीत के बाद कहा, ''मैं बहुत भावुक हूं। हर टेनिस खिलाड़ी का सपना कम से कम शीर्ष 100 में पहुंचना होता है। जैसा कि मैंने पहले कहा कि अपने देश के घरेलू दर्शकों के सामने यह मैच जीतना शानदार है, इसके लिए इससे बेहतर जगह नहीं हो सकती थी।''

उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि इसे बयां करने के लिए शब्द थे। हर कोई रो रहा था। शब्द कम थे, आंसू ज्यादा। मैं अब भी बहुत भावुक हूं। पिछले साल मेरी रैंकिंग 500 थी, जिसके बाद मेरी सर्जरी हुई और वित्तीय सहयोग भी नहीं था तो पिछला साल काफी मुश्किल रहा। '' उन्होंने कहा, ''काफी उतार चढ़ाव हुए। मैं खुश हूं कि हर दिन आगे बढ़ने के लिए मुझे एक तरीका मिल गया।

अश्विन के पास राजकोट में 500वां विकेट लेने का अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन इंग्लैंड के खिलाफ 15 फरवरी से राजकोट में होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अपना 500वां विकेट ले सकते हैं। अश्विन के नाम अभी 97 टेस्ट मैचों में 499 विकेट हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) स्टेडियम में खेला जाएगा। अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ जारी सीरीज के शुरुआती दो टेस्ट मैचों में ही नौ विकेट ले लिए हैं।

अश्विन यदि राजकोट में एक विकेट और ले लेते हैं तो वह टेस्ट क्रिकेट में 500 या इससे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बन जाएंगे। अश्विन से पहले भारतीय टीम की ओर से दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले के नाम भी टेस्ट में 500 विकेट हैं। कुंबले के नाम 132 टेस्ट में 619 विकेट हैं। टेस्ट क्रिकेट में कुल मिलाकर अभी तक 8 गेंदबाजों ने ही 500 या इससे ज्यादा विकेट लिए हैं। इस प्रकार अश्विन एक विकेट लेकर 500 विकेट लेने वाले नौवें गेंदबाज बन जाएंगे। अश्विन ने 9 मैचों में अपने 50 टेस्ट विकेट लिए थे वहीं 100 विकेट तक पहुंचने के लिए उन्होंने 18 टेस्ट मैचों खेले जबकि 29 टेस्ट मैचों में अश्विन ने 150 विकेट पूरे किए वहीं 37 टेस्ट में 200 विकेट लिए। अश्विन ने 45 मैचों में अपना 250वां टेस्ट विकेट लिया। वहीं 300 विकेट के लिए उन्हें 54 टेस्ट खेलने पड़े। 350 विकेट के लिए अश्विन ने 66 टेस्ट मैच खेले जबकि 77 मैचों में 400 विकेट लिए। उन्होंने अपने 89वें टेस्ट में 450 विकेट लिए। अश्विन यदि राजकोट में 500 विकेट हासिल कर लेते हैं तो वह श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन के बाद 100 से कम टेस्ट मैच खेलकर यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे गेंदबाज बन जाएंगे। मुरलीधरन ने अपने 500 विकेट 87 टेस्ट मैचों में पूरे किए थे।

तीसरे टेस्ट में कौन होगा प्लेइंग इलेवन में इन और आउट, रोहित-द्रविड़ के लिए होगी मुश्किल

मुम्बई (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का तीसरा टेस्ट राजकोट में 15 फरवरी से खेला जाएगा। बता दें कि बाकी के बचे तीन टेस्ट के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। वहीं सवाल ये उठता है कि इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में किसे प्लेइंग इलेवन में मौका मिलेगा? वहीं कहा जा रहा है कि ध्रुव जुरेल को केएस भरत की जगह डेब्यू का मौका मिल सकता है। ऐसे में ये देखना दिलचस्प होगा कि सरफराज खान, ध्रुव जुरेल या केएस भरत में से कौन तीसरा टेस्ट खेलेगा।

जहां ध्रुव जुरेल की बात करें तो वह टीम में बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर शामिल हैं। जुरेल को अबतक मौका नहीं मिला है। पिछले टेस्ट में केएस भरत का प्रदर्शन बतौर विकेटकीपर कुछ खास नहीं रहा। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि तीसरे टेस्ट में ध्रुव जुरेल को डेब्यू का मौका मिल सकता है। ध्रुव ने अपना पहला फर्स्ट क्लास मैच साल 2022 में उत्तर प्रदेश की ओर से खेलकर डेब्यू किया था। उनके नाम एक शतक और 5 अर्धशतक शामिल है। इसके अलावा 34 कैच और 2 स्टंप भी अपने नाम विकेटकीपर के तौर पर करने में सफल रहे हैं। वहीं वो 10 लिस्ट ए मैच खेल चुके हैं जिसमें 189 रन बनाए हैं।

सरफराज खान एक ऐसा नाम है जो घरेलू क्रिकेट में लगातार बेहतरीन परफॉर्मेंस के कारण सीनियर टीम में आने में सफल रहे हैं। लेकिन अब तक उनका डेब्यू करने का सपना पूरा नहीं हो सका। लेकिन जिस तरह से अब तीसरे टेस्ट के लिए समीकरण बन रहे हैं उससे

लगता है कि इस बार उनका डेब्यू का सपना पूरा हो जाएगा। दरअसल, श्रेयस अय्यर टीम में नहीं हैं और केएल राहुल अब तक पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। ऐसे में मध्यक्रम के लिए सरफराज को मौका मिल सकता है। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 45 मैच में 3912 रन बनाए हैं जिसमें उनके नाम 14 शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा लिस्ट ए में सरफराज के नाम 37 मैच में 629 रन दर्ज हैं।

केएल भरत ने अब तक भारत के लिए 7 टेस्ट मैच खेले हैं। कुल 221 रन 20 की औसत के साथ बनाने में वह सफल रहे हैं। बल्लेबाजी में भरत ने अबतक कोई बड़ा कारनामा नहीं किया है और ना ही विकेटकीपिंग से उन्होंने कुछ अलग कर दिखाया है। वह महज औसत खिलाड़ी बन कर रह गए हैं। दूसरे टेस्ट में उनकी विकेटकीपिंग भी प्रभावित नहीं कर पाई। उन्होंने भारत ने अबतक 18 मैच और एक स्टंप किए हैं। अब टीम मैनेजमेंट तीसरे टेस्ट की प्लेइंग इलेवन को लेकर क्या सोचता है यो तो समय ही बताएगा।

अंडर-19 विश्व कप 2024 में मफाका को मिला प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवार्ड

बेनोनी । दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज क्वेना मफाका को अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब मिला है। मफाका इन इस टूर्नामेंट में शानदार गेंदबाजी करते हुए सबसे ज्यादा 21 विकेट लिए थे। उन्होंने 9.71 के औसत से से विकेट लिए। मफ़ाका ने अवार्ड मिलने के कहा कि वह इसे हासिल कर बेहद खुश हैं। साथ ही कहा कि टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन पर मुझे खुशी हुई है पर टीम को फाइनल तक नहीं ले जा पाने का दुख भी है। मफाका ने अंडर-19 विश्व कप में एक अनूठा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। वह विश्व कप के एक संस्करण में सबसे अधिक तीन बार 5 विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बने है। उन्होंने वेस्टइंडीज , जिम्बाब्वे और फिर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच विकेट लिए। उनसे पहले केवल 4 खिलाड़ी ही विश्वकप में दो बार पांच विकेट लेने में सफल रहे थे। मफाका ने इसी के साथ ही श्रीलंका के दुनिथ वेललेज , अफगानिस्तान के शफीकुल्ला गफारी , पाकिस्तान के अनवर अली और रियाज अफरीदी को पीछे छोड़ दिया।

शॉट खेलने में जल्दीबाजी से मैच हमारे हाथ से निकला : उदय

-मुझे अपनी टीम पर गर्व है

बेनोनी। भारतीय अंडर-19 जूनियर क्रिकेट टीम के कप्तान उदय सहारन ने विश्वकप के खिताबी मुकाबले में हार पर निराशा जताई है पर कहा कि उन्हें अपनी टीम पर गर्व है। भारतीय टीम को गत दिवस हुए खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई टीम के हाथों 79 रनों से हार का सामना करना पड़ा। सहारन ने कहा कि हमने शॉट खेलने में जल्दीबाजी कर दी इस कारण मैच हमारे हाथ से निकल गया। साथ ही कहा कि उन्हें अपनी टीम के प्रदर्शन पर गर्व है। टीम इंडिया ने फाइनल मैच में संघर्षपूर्ण रुख दिखाया। कप्तान ने कहा कि मुझे अपने लड़कों पर गर्व है, उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। पूरे टूर्नामेंट में अच्छी जुझारु क्षमता दिखायी। हमने आज कुछ तेज शॉट खेले और क्रीज पर टिककर नहीं खेल पाये। हम अपनी योजनाओं के साथ तैयार थे पर उनपर अमल नहीं कर पाये। इस टूर्नामेंट से हमें सहयोगी स्टाफ सहित सभी से बहुत कुछ सीखने को मिला है। इसप्रकार हम और सीखते रहने और बेहतर बनने का प्रयास करते ही रहेंगे। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले खेलते हुए 253 रन बनाए थे। इससे बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी।

सिंधु और पुरुष टीम पर फोकस, बीएटीसी में खिताब जीतना चाहेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। थॉमस कप चैम्पियन भारत अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन के बूते बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप (बीएटीसी) का खिताब जीतने की कोशिश करेगा जिसमें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु की चोट से वापसी होगी। भारतीय पुरुष टीम ने 2022 में थॉमस कप जीता और पिछले साल के एशियाई खेलों में पहला रजत पदक हासिल किया था।

टीम की कोशिश इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के फाइनल तक पहुंचने की होगी जिसमें उसने 2016 और 2018 में कांस्य पदक जीता था। भारतीय पुरुष टीम को ग्रुप ए के लीग मैच में मजबूत चीन और हांगकांग का सामना करना होगा जिससे यह उसके लिए इतना आसान नहीं होगा। एचएस प्रणय की अगुआई में भारत लक्ष्य सेन तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी के साथ शीर्ष दो में जगह बनाकर नॉकआउट चरण में जगह बनाने की कोशिश करेगा।

सिंधू के नेतृत्व वाली महिला टीम को ग्रुप 'डब्ल्यू' में सिर्फ चीन से भिड़ना है जो ग्रुप की दूसरी टीम है जिससे भारत ने नॉकआउट में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है।

लेकिन महिला टीम के लिए सफर मुश्किल भरा होगा जिसमें सिंधू और दो युगल जोड़ियां तृषा जॉली और गायत्री गोपीचंद तथा अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टोशामिल हैं। सिंधु के लिए यह टूर्नामेंट ज्यादा अहमियत रखता है क्योंकि वह पिछले साल अक्टूबर से खेल से बाहर हैं जिससे वह अपनी मैच फिटनेस देखना चाहेंगी और जरूरी आत्मविश्वास हासिल करना चाहेंगी।

इस 28 साल की खिलाड़ी को फ्रेंच ओपन में घुटने में चोट लग गयी थी। फिटनेस हासिल करने के बाद वह बेंगलुरु में 'मेंटोर' प्रकाश पादुकोण के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग में जुटी थीं। यह महाद्वीपीय टूर्नामेंट खिलाड़ियों के लिए भी महत्वपूर्ण होगा क्योंकि इससे 'रेस टूर द 2024 पेरिस ओलंपिक' के लिए महत्वपूर्ण क्वालीफिकेशन अंक मिलेंगे। ध्यान युवा और दूसरे दर्जे के भारतीय खिलाड़ियों पर भी लगा होगा जिसमें अस्मिता चालिहा, अनमोल खरब और तन्वी शर्मा शामिल हैं।

भारत बुधवार से अपने अभियान की शुरूआत करेगा जिसमें पुरुष टीम का सामना हांगकांग से होगा जबकि सिंधु एंड कंपनी की भिड़ंत चीन से होगी जिसमें ओलंपिक चैम्पियन चेन यु फेई अनुपस्थित होंगी। लेकिन दुनिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी हान युए, दुनिया की नौंवे नंबर की वांग झि यि और दुनिया की 15वें नंबर की झांग यि मान भारत की चालिहा और खरब के लिए ज्यादा मजबूत साबित होंगी। हांगकांग की पुरुष टीम में दुनिया के 18वें और दुनिया के 22वें नंबर के दो मजबूत खिलाड़ी मौजूद हैं लेकिन उनके पास कोई अच्छी युगल जोड़ी नहीं है जिससे भारत के प्रतिद्वंद्वियों की बाधा पार करने की उम्मीद है।

वॉर्नर टी20 मैचों में सबसे अधिक रन बनाने वाले सातवे खिलाड़ी बने, रिजवान आठवे नंबर पर खिसके

एडिलेड । ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 22 रन बनाते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही वार्नर के टी20 मैचों में 2,986 रन हो गये हैं और वह सातवे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये। वहीं पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान ने 90 मैचों में 2,981 रन बनाये थे और अब वह आठवे नंबर पर फिसल गये हैं। वॉर्नर ने 19 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 22 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 33.17 और स्ट्राइक रेट 141 से अधिक रहा। वार्नर ने एक शतक और 25 अर्द्धशतक भी लगाये। उनका सबसे अधिक स्कोर 100 रन रहा। वहीं रिजवान ने 90 मैचों और 78 पारियों में 48.86 की औसत और 127 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 2,981 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 104 रन रहा। इसके अलावा उन्होंने एक शतक और 26 अर्द्धशतक भी लगाये हैं। सबसे अधिक रनों की बात करें तो भारत के विराट कोहली पहले नंबर पर हैं। विराट ने टी20आई में 51.75 के औसत और 138.15 के स्ट्राइक रेट से 117 मैचों की 109 पारियों में 4,037 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सबसे ज्यादा स्कोर 122 रन रहा और उन्होंने इस दौरान एक शतक और 37 अर्द्धशतक लगाये।

सुरेश रैना फिर आएंगे पीली जर्सी में नजर, इस टीम का नेतृत्व करते आएंगे नजर

नई दिल्ली। भारतीय पूर्व खिलाड़ी सुरेश रैना एक बार फिर पीली जर्सी में नजर आएंगे। दरअसल, वह इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग यानी IVPL के उद्घाटन सीजन से मैदान पर लौट रहे हैं। टी20 टूर्नामेंट के पहले सीजन में सुरेश रैन उत्तर प्रदर्श टीम का नेतृत्व करेंगे। ये टूर्नामेंट 23 फरवीर से 3 मार्च 2024 तक खेला जाएगा। रैना टूर्नामेंट का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हैं। रैन ने एक बयान में माई खेल के हवाले से कहा कि, मैं इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। मै वीवीआईपी उत्तर प्रदेश के लिए खेलूंगा। ये एक बार फिर बड़े नामों के साथ खेलने का मौका है। रजत भाटिया और डैन क्रिश्चियन को सुरेश रैना की टीम ने अपने साथ जोड़ा है। टीम देहरादून के राजीव गांधी स्टेडियम में अमित छाप छोड़ना चाहेगी। वहीं आईवीपीएल का आयोजन भारतीय अनुभवी क्रिकेट बोर्ड यानी बीवीसीआई द्वारा किया जा रहा है। जबकि इसका ब्रॉडकास्ट 100 स्पोर्ट्स पर किया जाएगा। टूर्नामेंट में वीरेंद्र सहवाह, मुनाफ पटेल, क्रिस गेल और हर्शल गिब्स भी हिस्सा लेंगे। बीवीसीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष और आईवीपीएल के अध्यक्ष प्रवीण त्यागी ने खुशी व्यक्त की है।

टीम इंडिया में वापसी के प्रयासों में लगे हैं हनुमा

नई दिल्ली । मध्यक्रम के बल्लेबाज हनुमा विहारी लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर हैं। हनुमा का लक्ष्य अब टीम इंडिया में वापसी है और इसके लिए वह घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन पर ध्यान दे रहे हैं। हनूमा का लक्ष्य रणजी ट्राफी सत्र में अधिक से अधिक रन बनाकर राष्ट्रीय टीम में अपना दावा पेश करना है। इसमें वह सफल भी होते दिख रहे हैं। इस सत्र में उन्होंनें आंध्र की ओर से खेलते हुए सात पारियों में 365 रन बनाये हैं। इससे घरेलू क्रिकेट में उनका औसत 50 से ऊपर पहुंच गया है। हनुना ने कहा, मुझे दुख और निराशा है कि मैं टेस्ट टीम में नहीं हूं, लेकिन हर किसी को उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ता है, और मेरा काम अब रणजी ट्रॉफी में रन बनाना है। सत्र बिल्कुल अच्छा गया है, टीम और मैं दोनों के लिए। इसलिए मेरा लक्ष्य बहुत सारे रन बनाने और टेस्ट टीम में वापसी करना है। हनुमा बेहतर प्रदर्शन के बाद भी टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। हनुमा ने साल 2021 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में 161 गेंदों में 23 रन बनाकर भारतीय टीम को हार से बचाया था। इस पारी के बाद भी वह टीम में अपनी जगह बनाये नहीं रख पाये। उन्होंने संकेत दिया कि वह चयनकर्ताओं की नजर में नहीं हैं। साथ ही कहा, हाल ही में किसी ने मुझसे बात नहीं की पर कोच राहुल द्रविड़ ने मेरे अंतिम टेस्ट के बाद मुझसे बात की और उन्होंने मुझे बताया कि मैं क्या सुधार कर सकता हूं, लेकिन मैं तब से किसी के संपर्क में नहीं हूं। विहारी ने अपना आखिरी टेस्ट 2022 में एजबेस्टन में खेला था और 22 और 11 रन बनाए थे। अब उनका ध्यान अपने खेल में सुधार करने और उसका आनंद लेने पर है। उन्होंने कहा, लेकिन मैं केवल अपने खेल में सुधार करने और इसका आनंद लेने के बारे में सोचता हूं। अगर मैं ऐसा नहीं करता हूं, तो कोई उद्देश्य नहीं बचता है। जब मैं मैदान में जाता हूं, तो मैं सिर्फ टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता हूं और रन बनाना चाहता हूं। वापसी मेरे हाथ में नहीं है पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर मैं अपनी दावेदारी पेश कर सकता हूं।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग : भारत ने शूटआउट में नीदरलैंड को 4-2 से हराया

भुवनेश्वर (एजेंसी)। गोलकीपर पीआर श्रीजेश के साहसिक प्रदर्शन की बदौलत भारत ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 के अपने दूसरे मैच में गत चैंपियन नीदरलैंड के खिलाफ शूटआउट में 4-2 से रोमांचक जीत हासिल की। कलिंगा हॉकी स्टेडियम में रविवार को श्रीजेश ने शूटआउट में दो शानदार बचाव किए जबकि हरमनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, ललित उपाध्याय और शमशेर सिंह ने अपने अवसरों को भुनाकर भारत को बोनस अंक दिलाने में मदद की।

भारत के लिए हार्दिक सिंह (13') और हरमनप्रीत सिंह (58') ने एक-एक गोल किया, जबकि जिप जानसेन (30') और कोएन बिजेन (39') ने डच टीम के लिए स्कोरशीट में जगह बनाई, जो 2-2 से रोमांचक ड्रा रहा। विश्व की नंबर एक टीम ने तेजी से बढ़त बनाई और खेल के शुरुआती मिनटों में भारत के सर्कल के अंदर आक्रामण किया। उन्होंने लक्ष्य पर कई शॉट लगाए, लेकिन भारतीय गोलकीपर कृष्ण बी पाठक ने खड़े होकर डचों को शुरुआती बढ़त लेने से रोक दिया।

दूसरी ओर, भारत को संभलने में कुछ समय लगा। भारत को पहला मौका 12वें मिनट में मिला जब उन्हें लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा सके। अगले मिनट में भारत ने ओपन प्ले से हार्दिक के माध्यम से गतिरोध को तोड़ दिया , जिससे शुरुआती क्वार्टर के अंत में भारत को 1-0 की बढ़त मिल गई। भारत ने दूसरे क्वार्टर की शानदार शुरुआत की और गेंद पर कब्ज़ा बनाए रखा, लेकिन ज़्यादा ख़तरा पैदा नहीं कर सका। उन्हें एक बार फिर लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन डचों ने मेजबान टीम को बढ़त दोगुनी करने से रोक दिया।

मेहमान टीम को 25वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वह इसे गोल में बदलने से चूक गई। हालांकि, उन्होंने उसी आक्रामक इरादे के साथ जारी रखा और पहले हाफ के अंतिम सेकंड में उन्हें एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। जानसेन ने कोई गलती नहीं की और गेंद को निचले कोने में मारा, जिससे हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 हो गया। दूसरे हाफ की शुरुआत धीमी रही, दोनों टीमों ने मिडफील्ड में सावधानी से गेंद को नियंत्रित किया और ज्यादा जगह नहीं दी। हालांकि, तीसरे क्वार्टर के बाद के चरण में नीदरलैंड्स को सॉफ्ट पेनल्टी कॉर्नर मिला।

पाठक ने जैस्पर ब्रिंकमैन की ड्रैग-फ्लिक को बचा लिया, लेकिन बिजेन सही समय पर सही जगह पर थे, उन्होंने रिबाउंड पर गेंद को गोल में डाला और 39वें मिनट में डच को 2-1 से आगे कर दिया। तीसरे क्वार्टर में 30 सेकंड से भी कम समय बचा था, नीदरलैंड्स को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारत खतरे से बच गया। अंतिम क्वार्टर की रोमांचक शुरुआत में दोनों टीमों ने गोल करने के मौके बनाए। जहां डच पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने से चूक गए, वहीं भारत स्ट्राइकिंग सर्कल में लक्ष्य से चूकता रहा।

अंतिम हूटर बजने में तीन मिनट से भी कम समय बचा था, भारत ने अपने गोलकीपर को हटाकर एक अतिरिक्त आउटफील्ड खिलाड़ी

को लगा दिया। फिर उन्होंने डच डिफेंडर से जानबूझकर धक्का देने के लिए वीडियो रेफरल लिया और उन्हें पेनल्टी कॉर्नर से पुरस्कृत किया गया। अपना 200वां मैच खेल रहे हरमनप्रीत ने आगे बढ़कर गेंद को गेंद को गोल में डाला और चीजों को फिर से बराबरी पर ला दिया।

श्रीजेश, जिन्हें मैदान में वापस बुलाया गया था, ने अंतिम सेकंड में कुछ शानदार बचाव किए, जबकि डचों ने अपना सब कुछ लगा दिया, लेकिन गोल नहीं कर सके, जिससे निर्धारित समय 2-2 के गतिरोध में समाप्त हुआ। भारत अपने तीसरे मैच में गुरुवार 15 फरवरी को 1930 बजे ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा।

नवजोत गुलाटी की फिल्म हिस्सा बनी वाणी कपूर

नवजोत गुलाटी एक और पारिवारिक ड्रामा पर काम कर रहे हैं। इस जानकारी के सामने आते ही फैंस का उत्साह बढ़ गया है। फिल्म में वाणी कपूर और अपारशक्ति खुराना भाई-बहन के किरदार में नजर आएंगे। साथ ही इसमें परेश रावल भी होंगे। आगामी प्रोजेक्ट का निर्माण, निकी विक्की भगनानी फिल्म्स द्वारा किया जाएगा, जिसकी स्थापना निकी भगनानी और विक्की भगनानी ने अंकुर तकरानी के साथ की थी। एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया है, यह आधुनिक समय में खराब रिश्तों की पृष्ठभूमि पर आधारित एक पारिवारिक ड्रामा है। निर्माता परियोजना का नेतृत्व करने के लिए विश्वसनीय अभिनेताओं को शामिल करने के इच्छुक थे। फिल्म के लिए वाणी कपूर, परेश रावल और अपारशक्ति खुराना साथ आए हैं।

कैसी होगी फिल्म की कहानी?

रिपोर्ट के अनुसार, वाणी और अपारशक्ति फिल्म में भाई-बहन की भूमिका निभा रहे हैं, जो कहानी में एक दिलचस्प गतिशीलता लाते हैं। हमेशा की तरह परेश रावल की इस पारिवारिक ड्रामा में लेखक-समर्थित भूमिका है। नवजोत गुलाटी के जरिए लिखित और निर्देशित आगामी पारिवारिक ड्रामा, नाटक और कॉमेडी का एक लोकप्रिय मिश्रण होगी। फिल्म हल्के-फुल्के हास्य और गंभीर नाटकीय क्षणों के साथ परिवार के महत्व को दर्शाएगी।

पारिवारिक ड्रामा की बढ़ती डिमांड

बीते कुछ समय में पारिवारिक ड्रामा को दर्शकों के जरिए खूब सराहा गया है। सत्यप्रेम की कथा से लेकर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अपना लोहा मनवाया है। इस शैली की बढ़ती लोकप्रियता को देखकर फिल्म निर्माता और निर्देशक ऐसी फिल्में बनाने पर जोर दे रहे हैं।

वाणी कपूर का वर्कफंट

काम के मोर्चे पर, वाणी कपूर जल्द ही अजय देवगन के साथ रेड 2 में नजर आएंगी। यह फिल्म 15 नवंबर, 2024 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। उनकी महिला केंद्रित मैडॉक फिल्म सर्वगुण संपन्न भी इस साल के अंत में रिलीज होगी।

रामायण में इस अहम किरदार नजर आएंगी रकुल प्रीत सिंह

अभिनेता रणबीर कपूर की अगली फिल्म रामायण की चर्चा तेज हो गई है। खबरों की मानें तो निर्देशक नितेश तिवारी इस फिल्म की तैयारी में जुटे हुए हैं। नितेश तिवारी की यह फिल्म काफी समय से कास्टिंग को लेकर सुर्खियां बटोर रही है। अब खबर आ रही है कि इस फिल्म में रकुल प्रीत सिंह शूर्पणखा की भूमिका निभाने के लिए बातचीत कर रही हैं। शूर्पणखा की भूमिका निभाएंगी रकुल!

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रकुल और नितेश तिवारी के बीच पिछले कुछ समय से बातचीत चल रही है। कथित तौर पर अब शूर्पणखा के किरदार के लिए रकुल प्रीत सिंह को कास्ट कर लिया गया है। रिपोर्ट्स की मानें तो नितेश तिवारी की फिल्म रामायण का प्री-प्रोडक्शन काम आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है और रणबीर कपूर फिल्म में भगवान राम की भूमिका निभाते नजर आएंगे। खबर है कि अभिनेता ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रणबीर कपूर इस फिल्म में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले हैं। नितेश तिवारी ने अभिनेता को एक उच्चारण विशेषज्ञ से मिलवाया है और दोनों अब रणबीर के उच्चारण और संवाद अदायगी पर काम कर रहे हैं और डायलॉग्स डिपार्टमेंट के लिए अलग टीम बनाई है। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि नितेश तिवारी रणबीर को उनके अब तक निभाए सभी किरदारों से अलग बनाना चाहते हैं।

तलाक की अफवाहों पर भड़कीं अंकिता लोखंडे

बिग बॉस 17 के फिनाले को खत्म हुए काफी दिन हो गए हैं, लेकिन बिग बॉस के प्रतियोगियों से जुड़ी खबरें लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री अंकिता लोखंडे और उनके पति विक्की जैन शो के बाद भी लगातार चर्चा में बने हुए हैं। बिग बॉस 17 के ग्रैंड फिनाले के लगभग दो हफ्ते बाद, अंकिता लोखंडे ने अब खुलासा किया है कि शो ने उनके मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाला है। सोशल मीडिया पर लगातार अंकिता और विक्की को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। अभिनेत्री ने अब अपने रिश्ते पर सफाई दी है।

बिग बॉस 17 के खत्म होने के काफी दिनों के बाद अंकिता अब जाकर मीडिया से मुखातिब हो रही हैं। एक इंटरव्यू में अंकिता ने विक्की संग अपने रिश्तों को लेकर कहा, एक बार जब मैं बाहर आई, तो बाहर मीडिया खड़ी थी और उनके साथ काफी सारे सवाल भी थे। एक दबाव था। हालांकि, कोई भी आप पर दबाव नहीं डाल रहा है, लेकिन मैं दबाव महसूस कर रही थी। अंकिता ने आगे कहा, लोग आपके रिश्ते को आंक रहे हैं। हम जानते हैं कि हम किस तरह का रिश्ता साझा करते हैं। हम अपने बंधन को अच्छी तरह से जानते हैं। मैं नहीं चाहती कि लोग हमें इस आधार पर आंके क्योंकि मैं किसी भी रिश्ते को नहीं आंक रही हूं। कपल ने अपने दर्शकों से अनुरोध किया कि उन्हें और विक्की को उनकी इच्छा अनुसार जीवन जीने दें और कहा, मैं किसी शो या गेम का हिस्सा नहीं हूं। मैं अपने और अपने रिश्ते के लिए अच्छी हूं। कपल्स अपने घरों में झगड़ते हैं, लेकिन हम इसे नहीं देखते हैं। हमें नहीं पता था कि हम इतना लड़ेंगे क्योंकि हमें कभी कोई दिक्कत नहीं हुई। हमारे झगड़े वहीं शुरू हुए और वहीं खत्म हो गए। अपने तलाक की उड़ रही अफवाहों को लेकर अंकिता ने कहा, अब लोग कहते हैं, वे एक साथ कैसे हैं? लोग तलाक पर टिप्पणी कर रहे हैं, हमें नीचा दिखा रहे हैं। हमें आंकना बंद करो दोस्तों।आप जिस तरह से जीना चाहते हैं, वैसे जिए और हमें अपनी जिंदगी जीने दें।

खतरनाक स्टंट करने के चलते विद्युत जामवाल हिरासत में

मुंबई में बॉलीवुड एक्शन स्टार विद्युत जामवाल को शनिवार को कथित तौर पर जोखिम भरे स्टंट करने के चलते रेलवे पुलिस ने हिरासत में ले लिया। हेलो मुंबई न्यूज़ डॉट कॉम वेबसाइट पर रेलवे सुरक्षा बल के बांद्रा ऑफिस में जामवाल की एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें वह पुलिस स्टेशन में बैठे नजर आ रहे है। वेबसाइट के मुताबिक, आरपीएफ ऑफिस बांद्रा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर स्थित है। सूत्रों के मुताबिक, एक्टर को कथित तौर पर जोखिम भरे स्टंट करने के चलते हिरासत में लिया गया था, लेकिन अभी तक आरोप की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

एनिमल के समर्थन में आईं भूमि पेडनेकर

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इन अपनी फिल्म भक्षक को लेकर चर्चा में हैं। क्राइम थ्रिलर भक्षक में एक पत्रकार की भूमिका में नजर आ रही हैं। सच्ची घटना पर आधारित इस फिल्म को दर्शक भी पसदं कर रहे हैं, वहीं समीक्षकों ने भी इस फिल्म को सराहा है। मेकर्स ने फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया है। हाल ही में फिल्म के प्रमोशन के दौरान भूमि ने साल 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। इस दौरान उन्होंने एनिमल का बचाव किया। गौरतलब है कि रणबीर कपूर स्टारर एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार प्रदर्शन किया। ए सर्टिफिकेट मिलने के बावजूद एनिमल ने रिकॉर्ड तोड़ कमाई की। फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया। हालांकि, अपनी सफलता के साथ-साथ यह फिल्म आलोचनाओं के केंद्र में भी रही। मुख्य रूप से फिल्म में महिलाओं के किरदार को लेकर कई सवाल उठे। हालांकि, कई स्टार्स ने इस फिल्म का समर्थन भी किया। अब इस लिस्ट में भूमि का नाम भी शामिल हो गया है। एक साक्षात्कार में भूमि ने कहा, मैंने एनिमल देखी, लेकिन मुझे अति पुरुष प्रधान फिल्मों में मजा ही नहीं आता और ये अभी से नहीं, बहुत पहले से हैं। हॉलीवुड की भी एक्शन फिल्मों में भी हैं। मुझे ना रोम-कॉम फिल्में ज्यादा पसंद आती हैं। इस दौरान भूमि ने एनिमल निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा का समर्थन किया। उन्होंने कहा, मैं मानती हूं कि एक फिल्म निर्माता की आत्म-अभिव्यक्ति होती है और यह महत्वपूर्ण भी है, लेकिन एक दर्शक के रूप में, आप उससे क्या सीखते हैं, यह चुनौती है।

अश्वत्थामा के लिए अभी सही समय नहीं

फिल्म उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक के बाद चर्चा थी कि फिल्म के निर्देशक आदित्य धर अभिनेता विक्की कौशल को लेकर फिल्म द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा का निर्देशन करेंगे। काफी समय तक इस फिल्म से विक्की कौशल का नाम जुड़ता रहा, बाद में सुनने में आया कि इस फिल्म को लेकर अभिनेता रणवीर सिंह को अप्रोच किया जा रहा है। फिर सुनने में आया कि इस फिल्म के लिए आदित्य धर की साउथ सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन से बातचीत चल रही है। लेकिन गुरुवार को फिल्म आर्टिकल 370 के ट्रेलर लांच के दौरान आदित्य धर ने इस बात का खुलासा किया कि इस फिल्म को फिलहाल अभी ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। फिल्म आर्टिकल 370 के ट्रेलर लांच के दौरान जब आदित्य धर से फिल्म द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा के बारे में बात की गई तो आदित्य धर ने कहा,फिल्म अब ठंडे बस्ते में है। इस फिल्म को लेकर मेरा जो दृष्टिकोण है और जिस स्तर पर फिल्म का निर्माण करना चाहता हूं, वैसी वीएफएक्स क्वालिटी हमारे पास नहीं है। जो है वह बहुत ही महंगी हैं। जब तक यह तकनीक सस्ती नहीं हो जाती और सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या नहीं बढ़ जाती, तब तक मुझे इंतजार करना होगा। फिल्म का निर्माण तो करूंगा ही, लेकिन अभी मुझे सही समय का इंतजार है। आदित्य धर ने हॉलीवूड के निर्देशक जेम्स कैमरून की चर्चा करते हुए कहा, जेम्स कैमरून ने 27 साल पहले फिल्म अवतार को बनाने के बारे में सोचा था। मैं अपनी तुलना जेम्स कैमरून ने नहीं करता हूं, मैं तो उनके नाखून के बराबर भी नहीं हूं, लेकिन मुझे द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा बनाने के लिए सही समय का इंतजार है।

खुद को सुंदर और आकर्षक नहीं मानती हैं मौनी रॉय

मौनी रॉय जल्द ही करण जौहर की शोटाइम में नजर आएंगी। उन्होंने अपने 17 साल लंबे करियर में सिल्वर स्क्रीन के सफर में अपनी हिचकिचाहट और संघर्ष के बारे में बात की। मौनी ने कहा टेलीविजन ने मुझे सब कुछ दिया है। मैं आज जो कुछ भी हूं वह टीवी की वजह से हूं और मैं इसके लिए हमेशा आभारी रहूंगी। मौनी अपनी सुंदरता और फैशन सेंस के लिए भी चर्चा में रहती हैं लेकिन उन्होंने खुलासा किया कि वे अपनी शारीरिक छवि पर ध्यान नहीं देतीं। मौनी ने कहा मेरे दोस्त इसे बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। मैं खुद को पारंपरिक रूप से सुंदर या आकर्षक दिखने वाली नहीं मानती हूं। मैं किसी चीज में खुद को कम नहीं कर रही हूं लेकिन लंबे समय से मैं कैसी दिख रही हूं। इसकी आलोचक खुद मैं ही हूं मैं अपनी आध्यात्मिक यात्रा में आगे बढ़ी, आध्यात्मिक ध्यान ने मुझे आत्म-स्वीकृति और आत्म-प्रेम में मदद की, जिससे मैं अपनी अंदर की सुंदरता को समझती हूं।

मेहनत करके एक्टर बना, लेकिन मुझसे ज्यादा फेमस ओरी जैसे लोग हैं

मिथुन चक्रवर्ती के बेटे नमाशी चक्रवर्ती को दुख है कि एक बड़े स्टार के बेटे होने के बावजूद वो फेमस नहीं हैं। नमाशी ने कहा कि उन्होंने इतने सालों तक मेहनत की। लगातार ऑडिशन दिए, तब जाकर कहीं एक फिल्म में काम करने का मौका मिला।

नमाशी ने कहा कि उन्हें यह देख कर अजीब लगता है कि इस वक्त उनसे ज्यादा फेमस ओरी जैसे लोग हैं। नमाशी ने कहा कि एक इंसान बस लोगों के साथ सेल्फियां लेता है और उसे पोस्ट करता है, इतने में ही वो काफी पॉपुलर हो गया है। बता दें कि ओरी का पूरा नाम ओरहान अवात्रामणि है। ओरी आए दिन स्टार किड्स के साथ पार्टी करते या किसी बड़े सेलेब्स के कंधे पर हाथ रखकर तस्वीरें क्लिक कराते दिखते हैं। ओरी के मुताबिक, उन्हें इन पिक्चर्स को पोस्ट करने के पैसे भी मिलते हैं।

मैंने भी एक महीने तक पैपराजी के सामने एक्सपोज किया

नमाशी चक्रवर्ती ने बॉलीवुड ठिकाना से बात करते हुए कहा, 'मैंने एक महीने तक पैपराजी के सामने एक्सपोज करने की पूरी कोशिश की। मैं कपड़े किराए पर लेकर फोटो क्लिक कराता था, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं मिलता था। इससे मुझे कुछ काम भी नहीं मिलता था। इसलिए मैंने यह सब छोड़ दिया।'

नमाशी ने आगे कहा- मैं आपको पिछले हफ्ते की एक कहानी सुनाता हूं। एक जगह पर बैठा हुआ था। वहां मौजूद एक आदमी ने मुझसे पूछा कि आप रोजी-रोटी चलाने के लिए क्या करते हैं। मैंने बताया कि मैं मिथुन चक्रवर्ती का बेटा हूं, इसके अलावा एक्टिंग भी करता हूं। वो चौंक गया। वो मेरा सोशल मीडिया अकाउंट खंगालने लगा। उसने कहा कि आप ओरी के दोस्त नहीं हैं? यह बात मुझे काफी अजीब लगी।

सेल्फियां लेने वाला आदमी ज्यादा फेमस है

मैं सोचने लगा कि बताओ मैंने तीन साल तक मुंबई के आरामनगर में स्ट्रगल किया। हीरो बनने के लिए कितनी मेहनत की। यहां तक कि एक बहुत बड़े स्टार का बेटा भी हूं, और यहां एक बंदा दिन भर सेल्फियां लेता फिरता है। हैरानी की बात है कि वो मुझसे ज्यादा फेमस है। अब लगता है कि मुझे और अधिक स्पॉट होना चाहिए था। मैं ओरी जितना फेमस होना चाहता हूं, लेकिन ऐसे फेम के लिए नहीं।

कौन हैं ओरी..क्या करते हैं?

मुंबई में रहने वाले ओरी मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के स्पेशल प्रोजेक्ट मैनेजर हैं। वो रिलायंस के साथ इंटरनेशनल फैशन ब्रांड्स के कोलैबरेशन को भी लीड करते हैं। ऐसे में उनका काम प्रमोशन और मार्केटिंग के लिए सेलेब्स से जुड़ा होता है। ओरहान, मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी के भी क्लोज फ्रैंड हैं। साथ काम करते हुए उनकी कई सेलेब्स से दोस्ती है।